जबलपुर सोमवार 15 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सोमवती अमावस्या

वर्ष 31 अंक 346 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज
दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 38.5°C
न्यूनतम तापमान 24.4°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.57

विधायक ने विकास कार्यों का किया भूमि पूजन एवं ⏩ 2

चंदू चैंपियन के 2 साल- कार्तिक आर्यन नेशनल अवॉर्ड ⏩ 7

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने किराना दुकानों, ⏩ 8

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप कुएं में गिरी, 8 लोगों की मौत

महाराष्ट्र के पंढरपुर में हुआ भीषण हादसा

मुंबई।

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पंढरपुर से एक बेहद दिल दहला देने वाली और दुखद खबर सामने आई है। पंढरपुर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 8 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से खचाखच भरी एक पिकअप वैन रास्ते में अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बने एक गहरे कुएं में जा गिरी। गाड़ी के कुएं में गिरते ही चीख-पुकार मच गई और जब तक स्थानीय लोग मदद के लिए आगे आते, तब तक कई जिंदगियां खत्म हो चुकी थीं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं।

स्थानीय ग्रामीणों की मदद से कुएं में गिरी पिकअप वैन और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस दर्दनाक हादसे में अब तक 8 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, बाकी शवों को निकालने के प्रयास जारी हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। शुरुआती जांच और चश्मदीदों के मुताबिक, पिकअप वैन में सवार सभी लोग श्रद्धालु थे और भगवान विट्ठल के दर्शन के लिए पंढरपुर आ रहे थे। रास्ते में ड्राइवर ने अचानक गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वाहन सीधे कुएं में समा गया। कुएं में पानी होने और गहराई ज्यादा होने के कारण लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इसके साथ ही हादसे में घायल हुए अन्य लोगों को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है।

आग की अफवाह सुनकर ट्रेन से कूदे यात्री दूसरी ट्रेन की चपेट में आने से 4 की मौत

मुरैना

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले से दर्दनाक हादसा हो गया। यहां हेतामपुर रेलवे स्टेशन के पास खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में अचानक आग लगने की अफवाह फैल गई। इस अफवाह से मची चीख-पुकार और दहशत के बाद यात्रियों ने ट्रेन की इमरजेंसी चेन खींच दी और अपनी जान बचाने के लिए नीचे कूद गए। इसी दौरान बगल वाले मुख्य ट्रैक पर तेज रफ्तार से आ रही फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से 4 यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

मुरैना रेलवे स्टेशन के निकट उत्तर मध्य रेलवे के झांसी डिवीजन के अंतर्गत आने वाले हेतामपुर स्टेशन के पास रविवार शाम करीब सवा 4 बजे रेल से कटकर 4 यात्रियों की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन, स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंच चुकी हैं। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन नंबर 19665 खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस अपने निर्धारित रूट पर बढ़ रही थी। तभी अचानक जनरल कोच में किसी अज्ञात शख्स ने आग लगने की अफवाह उड़ा दी। खुद को बचाने के लिए यात्रियों ने अलार्म चेन पुलिंग कर दी, जिससे गाड़ी हेतामपुर के पास अचानक रुक गई। जैसे ही गाड़ी रुकी, घबराए हुए यात्री बिना सोचे-समझे दरवाजे और खिड़कियों के रास्ते नीचे पटरी पर कूद गए। इसी बीच, दूसरी दिशा से आ रही ट्रेन संख्या 20424 पातालकोट एक्सप्रेस उन्हें रौंदती हुई निकल गई।

इनकी हुई मौत

मृतकों में 3 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। जानकारी के मुताबिक, हादसे में उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी कंचन सिंह (25), पत्नी मोहित सिंह, रुनकता निवासी शकुंतला सिंह (60), पत्नी भूरा सिंह, आगरा निवासी आफरीन (35), पत्नी नदीम और असद (4), पुत्र नदीम खान की मौत हुई है। आफरीन और असद मां-बेटे थे।

नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी में शामिल होंगे टीएमसी के बागी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों वाले बागी गुट का विलय अब त्रिपुरा की बंगाली-समर्थक नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी में होगा। बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने रविवार शाम लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपने के बाद इसका ऐलान किया। स्पीकर बिरला से मुलाकात की जो फोटो सामने आई है, उसमें 17 सांसद दिख रहे हैं। इससे पहले इन सांसदों ने बंगाल भाजपा प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की थी।

सीबीएसई का गोपनीयता का तर्क खारिज

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह परीक्षाओं पर खर्च एवं उत्तर पुस्तिकाओं के विवरण से जुड़ी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दी जा सकने वाली जानकारियों को बिंदुवार उजागर करे। इसमें कक्षा 10 एवं कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं की निविदा एवं खरीद प्रक्रिया शामिल है। सीबीएसई के पूर्व में किए इनकार को खारिज करते हुए सीआईसी ने उसे नए जवाब देने को कहा है। आयोग ने कहा कि जिन जानकारियों को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, उन्हें अधिनियम की धारा-10 के तहत संशोधित या छिपाया जा सकता है, लेकिन धारा-8(1)(डी) के तहत इनकार का सही कारण बताया जाना चाहिए।

बीएसएफ अधिकारी ने खुद को गोली मारी

जम्मू। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर ने एक कैंप के अंदर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों के मुताबिक, एएसआई लाल सिंह मध्य प्रदेश के रहने वाले थे और जम्मू के बाहरी इलाके पलोरा स्थित बीएसएफ कैंप में तैनात थे। घटना रविवार सुबह हुई। सूचना मिलते ही बीएसएफ और पुलिस के सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, लाल सिंह करीब एक महीने की छुट्टी पर थे। वह 13 जून को ही वापस अपनी यूनिट में लौटे थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और बीएसएफ मामले की जांच कर रही हैं।

चुनाव आयोग पर भड़के अभिषेक मनु सिंघवी

नटराजन के मामले में जानबूझकर फैसला न लेने की रणनीति अपनाई

भोपाल (स्वतंत्र मत)

वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने मध्य प्रदेश के राज्यसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की भूमिका पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संरक्षकों यानी चुनाव आयोग ने इस मामले में जानबूझकर फैसला न लेने की रणनीति अपनाई, जिससे एकतरफा चुनावी नतीजा घोषित हो सका। सिंघवी ने सोशल मीडिया पर पूरी घटना का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ने अपने ट्वीट में तारीखों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग की टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि 8 जून को कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन की आखिरी तारीख थी और अगले ही दिन यानी 9 जून को रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन रद्द कर दिया। इसके बाद 10 जून को कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया, जहां आयोग ने मामले को धैर्यपूर्वक सुना तो सही, लेकिन कोई टिप्पणी नहीं की। 11 जून को नाम वापसी की आखिरी तारीख थी, मगर चुनाव आयोग ने रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले को पलटने या उसे सही ठहराने का कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया।

सुप्रीम सुनवाई का भी नहीं किया इंतजार

सिंघवी ने चुनाव आयोग की जल्दबाजी पर हैरानी जताते हुए आरोप लगाया कि जब यह मामला 12 जून को देश की शीर्ष अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए लिस्टेड था, उससे ठीक पहले ही चुनाव आयोग ने खेल कर दिया। आयोग ने बिना कोई अंतिम फैसला किए और बिना किसी अप-टू-डेट आदेश के, 11 जून की शाम को ही इस सीट पर निर्विरोध चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए। सिंघवी के मुताबिक, आयोग ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का इंतजार करना भी जरूरी नहीं समझा।

संविधान का जिक्र कर साधा निशाना

चुनाव आयोग के इस रवैये से नाराज सिंघवी ने संस्था की साख पर सवाल उठाते हुए देश के संविधान निर्माताओं को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब और हमारे संविधान के बुद्धिमान निर्माता केवल संवैधानिक टेक्स्ट यानी नियमों का मसौदा ही तैयार कर सकते थे। वे इन पक्षपाती संस्थाओं के भीतर संवैधानिक भावना, वस्तुनिष्ठता और स्वतंत्रता की भावना नहीं फूंक सकते थे। कांग्रेस नेता का यह बयान ऐसे समय में आया है जब विपक्ष लगातार संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर सरकार और चुनाव आयोग को घेरता रहा है। सिंघवी के इस ट्वीट के बाद इस चुनावी विवाद और चुनाव आयोग के रुख पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

भारत सॉल्यूशन लेने वाला नहीं, देने वाला देश: मोदी

फ्रांस के नीस में मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक

नई दिल्ली/पेरिस। फ्रांस के नीस में मोदी-मैक्रों ने द्विपक्षीय बैठक की के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ रविवार को द्विपक्षीय बैठक की। इसमें प्रधानमंत्री के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी शामिल रहे। दोनों देशों के बीच रक्षा, तकनीक, एआई, सेमीकंडक्टर, स्पेस टेक्नोलॉजी, हेल्थ-टेक, निवेश और रणनीतिक सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत सॉल्यूशन लेने वाला नहीं, देने वाला देश है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता सिर्फ व्यापार या रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है। यह भरोसे, साझा सोच और साझा लक्ष्यों पर आधारित है। दोनों देश मिलकर दुनिया की कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों नेताओं ने 'भारत इनोवेट्स 2026' प्रोग्राम का उद्घाटन किया, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल फंड्स ने हिस्सा लिया। प्रोग्राम के बाद राष्ट्रपति मैक्रों प्रधानमंत्री मोदी को नीस के पास स्थित विला केरीलोस घुमाने ले गए। यह फ्रांस की प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है। मैक्रों ने यहां पीएम के साथ सेल्फी ली और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप: भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराया

बर्मिंघम

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 64 रन से हरा दिया। एजबेस्टन में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाए। भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 44 गेंदों में 68 रन बनाए। 9 चौके और 2 छक्के भी लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 17 बॉल पर 34 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल और फातिमा सना ने 2-2 विकेट लिए। तस्मिया रुबाब और रामीन शमीम को 1-1 सफलता मिली। 171 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान 17 ओवर में 106 रन पर ऑलआउट हो गई। मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। भारत से दीप्ति शर्मा ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए।

हत्या पर माफी की जगह अमेरिकी नसीहत पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय नाविकों की हत्या पर माफी मांगने की बजाय उलटे नसीहत देने के अमेरिकी विदेशमंत्री के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि कोई स्वतंत्र देश ऐसी भाषा सहन नहीं करेगा। इस मामले में सख्ती नहीं दिखाने को लेकर पीएम मोदी पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि समझौतावादी प्रधानमंत्री अपने नागरिकों की सुरक्षा और देश के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकते। नेता विपक्ष ने कहा कि विदेशी ताकतें हमारे नागरिकों की हत्या करती हैं और हमारी सरकार एक आज्ञाकारी नौकर की तरह उनके आदेशों का पालन करती है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन हत्यों की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा तथा संप्रभुता को कमजोर किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भी सरकार को घेरा

राहुल गांधी ने रविवार को एक्स पोस्ट में कहा अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के चंद दिन बाद न अफसोस, न माफी। उल्टा, अमेरिका ने आदेश देना जारी रखा है। राहुल गांधी ने कहा, अमेरिकी सेना के आदेश तुरंत मानें। कोई उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक आजा देश इस तरह की भाषा कभी नहीं सहेगा। लेकिन हमारे कम्प्रोमाइज्ड पीएम? चुप। एक आज्ञाकारी नौकर की तरह सुनते हैं और आदेश मान लेते हैं। कमप्रोमाइज्ड पीएम देश के सम्मान की रक्षा नहीं करेगा क्योंकि जो देश का अपमान करते हैं, वो उन्हीं के वश में हैं।

खड़गे ने भी पीएम मोदी से पूछे सवाल

मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पोस्ट में नाविकों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दुखद घटना के तीन दिन बीत चुके हैं पर पीएम मोदी का कोई बयान या शोक संदेश तक नहीं आया है। देश नहीं झुकने दूंगा के पीएम के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इस बात का कोई सबूत नहीं चाहिए कि आपने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और संप्रभुता को कमजोर किया है। राष्ट्रीय हितों से रोज समझौता किया जा रहा है और आपमें इतनी हिम्मत है कि आप इसे विश्वगुरु की छवि के पीछे छिपाने की कोशिश करते हैं।

बीजेपी नेता के मर्डर से सुलगा देहरादून

मीडिया-पुलिस पर पथराव, 3 घर-ट्रैक्टर जलाए

देहरादून

देहरादून के बैरागीवाला गांव में भाजपा नेता विनोद कश्यप की हत्या के बाद भड़का बवाल देर शाम तक जारी रहा। दिन में आरोपियों के घरों और ट्रैक्टर में आगजनी, पथराव और पुलिस लाठीचार्ज की घटनाओं के बाद गांव में आईटीबीपी, पीएसी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। क्षेत्र में लगातार फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने देहरादून-हरबर्टपुर हाईवे को करीब साढ़े पांच घंटे तक जाम रखा। प्रशासन के आश्वासन के बाद मार्ग को खोल दिया गया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मृतक के परिजनों से लगातार बातचीत कर रहे हैं। परिजनों की मांग है कि हत्या में शामिल 5 मुख्य आरोपियों का एनकाउंटर किया जाए और बाकी सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। प्रशासन मुख्य आरोपी के मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर चुका है। हत्या के मामले में 12 नामजद और 30-35 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अब तक 4 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि पुलिस की टीमें बाकी आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। दरअसल, विकासनगर के सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में एक विशेष समुदाय के परिवार और पीड़ित परिवार के बीच विवाद चल रहा था। मृतक के पिता के अनुसार, घटना से एक दिन पहले सेटरिंग के 14 हजार रुपए के लेन-देन को लेकर बातचीत हुई थी। शनिवार शाम को जब उनके बेटे ने पैसे दिए, तो वहां भीड़ जमा हो गई और लोगों को भड़काया गया। इसी दौरान खेत के कुलावे (ट्यूबवेल) से पानी डालने को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। हमले में सिर पर हथौड़ा लगने से विनोद कश्यप की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद रविवार सुबह इलाके में तैनाव फैल गया।

ओमान तट पर भारतीय जहाज का इंजन फेल

अमेरिकी सेना ने 14 भारतीय नाविकों को बचाया

दुबई

ओमान तट के पास अमेरिकी हमलों में भारतीय नाविकों की मौत के बाद रविवार 14 जून को 14 भारतीय क्रू सदस्यों को ले जा रहा एक कमर्शियल जहाज डूब गया। जिसके बाद क्षेत्र में बचाव अभियान शुरू किया गया है। भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, मिशन को ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक यंत्रीकृत जलयान 'विराट 1' से जुड़ी एक घटना की जानकारी मिली है, जिसमें कथित तौर पर 14 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। दूतावास ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, यह सामने आया है कि जहाज का इंजन फेल हो गया था, और क्रू सदस्य आखिरकार एक लाइफराफ्ट (बचाव नाव) पर सुरक्षित चले गए। ओमान के अधिकारियों के समन्वय में, आस-पास मौजूद जहाजों के माध्यम से फिलहाल

बचाव अभियान चल रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना 14 जून की सुबह ओमान के रास अल हद्द से लगभग 80 नॉटिकल मील पूर्व में दर्ज की गई। खबरों के मुताबिक, जहाज (ढो) पर सवार क्रू सदस्यों द्वारा मदद की गुहार (डिस्ट्रेस कॉल) लगाने के बाद, अमेरिकी नौसेना ने आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू करने के लिए तटीय अधिकारियों को सतर्क किया। अमेरिकी नौसेना के पी-8 समुद्री गश्ती विमान ने संकट के समय तत्परता दिखाते हुए जहाज के पास एक लाइफ राफ्ट (बचाव नाव) गिराई और उस पर सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया की निगरानी की। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी नौसेना ने पास के एक मालवाहक जहाज, एमवी जबल अली 9 से भी जमीनी सहायता का तालमेल बिठाया। जब जहाज कथित तौर पर डूबने लगा तो क्रू सदस्य लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। जहाज के अचानक डूबने की असली वजह फिलहाल तुरंत पता नहीं चल सकी है।

पहले हमला, अब मदद

रविवार को हुई यह घटना ओमान तट के पास तीन जहाजों पर अमेरिकी हमले के ठीक बाद सामने आई है, जिसमें भारतीय क्रू सदस्यों वाले जहाजों पर हुए हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई थी। इसके अलावा, एक अन्य नाविक निशांत उइर्थनाथन की 11 जून को एमटी सेलेस्टियल जहाज पर कथित तौर पर इलाज न मिलने के कारण मौत हो गई थी। इस जहाज के कप्तान ने नाविक के पार्थिव शरीर को वापस भारत भेजने के लिए एक वीडियो अपील जारी की थी।

रांझी के गुनहगार, हो गए गिरफ्तार

3 आरोपी और 5 नाबालिग गिरफ्तार, दो घटनाओं में पुलिस की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर के रांझी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिछले दिनों दहशत फैलाने के इरादे से की गई बमबाजी की दो गंभीर वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए कुल 3 आरोपियों और 5 नाबालिगों को अभिरक्षा में लिया। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई 2 एक्सिस स्कूटी और 4 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पहली सनसनीखेज वारदात 11 जून को दोपहर मड़ई स्थित शराब दुकान में घटित हुई। यहाँ सेल्समैन सुजल जायसवाल और उसके साथी काउंटर पर मौजूद थे, तभी स्कूटी पर सवार होकर आए दो अज्ञात नकाबपोश लड़कों ने गाली-गलौज करते हुए काउंटर की तरफ दो सुअरमार बम फेंके। इनमें से एक बम काउंटर की जाली से टकराकर तेज धमाके के साथ फटा, जबकि दूसरा बम

बिना फटे सड़क किनारे गिर गया। घटना के बाद आरोपी महाराजपुर की तरफ भाग निकले। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस घटना के कुछ घंटों बाद, 11-12 जून की दरमियानी रात अंजनी कॉलोनी रिछाई में दूसरी वारदात को अंजाम दिया गया। यहाँ रहने वाले संतोष कुमार भारती और उनके पड़ोसी अनिल राजपूत के घरों के सामने अज्ञात बदमाशों ने दहशत फैलाने के मकसद से लगातार तीन बम पटके। धमाकों की आवाज से पूरे इलाके में बारूद का धुआं और दहशत फैल गई। मौके पर नायलॉन की रस्सी के टुकड़े और एक जिंदा बम बरामद हुआ। अनिल राजपूत के घर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने पर एक सफेद स्कूटी पर सवार चार लड़के बम फेंकते हुए साफ नजर आए। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से मड़ई शराब दुकान पर बम फेंकने वाले 15 और 17 वर्ष के दो विधि विवादित बालकों को चिन्हित कर हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने दहशत फैलाने की बात कबूल की, जिसके बाद उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक्सिस स्कूटी एमपी 20 एसटी 8138 जब्त की गई। वही दूसरी घटना अंजनी कॉलोनी मामले में पुलिस ने घेराबंदी कर तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान 18 वर्षीय समर सोनकर 18 वर्षीय शान सोनकर, निवासी बापूनगर और 19 वर्षीय हर्ष सिंह राजपूत , निवासी इंदिरा नगर, रांझी के रूप में हुई है। इनके साथ वारदात में शामिल एक 17 वर्षीय नाबालिग और उन्हें बम सप्लाई करने वाले दो अन्य नाबालिगों को भी राउंडअप किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी समर सोनकर से बिना नंबर की एक्सिस स्कूटी और 4 मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

पुलिस ने की काउंसलिंग

दोनों ही वारदातों में शामिल अधिकांश आरोपी बेहद कम उम्र के या नाबालिग हैं। इसे देखते हुए जबलपुर पुलिस ने पकड़े गए सभी बालकों और युवकों की काउंसलिंग की उन्हें अपराध के भयानक दलदल और उसके कानूनी दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। साथ ही उनके अभिभावकों को थाने बुलाकर कड़ी समझाइश दी गई कि वे अपने बच्चों की संगति और दैनिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखें।

धरोहर पर कब्जे के खिलाफ हैं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशज

1 जुलाई को सिविक सेंटर में होगा राष्ट्रीय गायन

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । स्थानीय गांधी भवन टाउन हॉल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आजादी के बाद से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों के लिए आवंटित वाचनालय कार्यालय पर कुछ तत्वों द्वारा किए गए कब्जे पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। उपस्थित सदस्यों ने इस कृत्य की घोर निंदा करते हुए संकल्प लिया कि वंशज अपने पूर्वजों की ऐतिहासिक धरोहर की रक्षा के लिए आगे आएंगे और शीघ्र ही इस कार्यालय को दोबारा खुलवाया जाएगा। बैठक में बिंदुवार चर्चा के बाद तय किया गया कि जबलपुर से स्वतंत्रता सेनानी वंशजों और उत्तराधिकारियों की नगर व जिला कार्यकारिणी के प्राप्त दस्तावेजों की सूची शीघ्र ही भोपाल मुख्यालय भेजी जाएगी। इसके बाद प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी द्वारा नई कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, संगठन द्वारा हर माह आयोजित होने वाले राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रीय गायन का अगला कार्यक्रम आगामी 1 जुलाई को प्रात: 10 बजे सिविक सेंटर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा स्थल पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक मनोज नामदेव, राजेंद्र रज्जू सराफ, पवन सोनी ,नारायण शर्मा, केशव प्रसाद चौरसिया, प्रकाश गोलछा, अनिल गुप्ता, सौरभ राजनेकर उपस्थित रहे।

कांग्रेस की गलती निकालकर बहा रहे घड़ियाली आंसू

मीनाक्षी नटराजन मामले में कांग्रेस का पलटवार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व प्रवक्ता टीकाराम कोष्टा ने राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन फॉर्म निरस्त होने के मामले पर भाजपा द्वारा उठाए जा रहे सवालों को 'घड़ियाली आंसू' करार दिया । कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 'नारी वंदन और अभिनंदन' का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा दूसरों की कमियां निकालने से पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखे। कांग्रेस नेता टीकाराम कोष्टा, अलीम मंसूरी, विजय अग्रवाल और रामदास यादव सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाजपा सरकार की नीतियों और उसकी कथित चुप्पी पर गंभीर सवाल खड़े किए। कांग्रेस का आरोप है कि पिछले 12 वर्षों के शासनकाल में भाजपा सरकार किसान, युवा, पेपर लीक और पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने जैसे मुद्दों पर पूरी तरह विफल रही है।

इसके अलावा, महिला आरक्षण और देश-प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों के मामलों में भी भाजपा ने हमेशा रहस्यमयी चुप्पी साधे रखी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जो लोग आज विकास, सुशासन और जन कल्याण की दुहाई दे रहे हैं, वे देश की बेटियों के साथ हुई ज्यादतियों पर मौन क्यों थे।

वर्षों से फरार अपराधियों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

223 वारंट तामील और अवैध शराब का जखीरा जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों में खौफ पैदा करने के उद्देश्य से पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया और पूरे जिले में सघन कॉम्बिंग गश्त चलाई गई। इस अभियान के तहत पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए कई वर्षों से फरार चल रहे अपराधियों को दबोचा और कुल 223 वारंट तामील कराने में बड़ी सफलता हासिल की। कॉबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने लंबे समय से कानून की आंखों में धूल झोंक रहे 113 गैर-म्यादी वारंटियों, 74

गिरफ्तारी वारंटियों और 36 जमानती वारंटियों को पकड़ा जिन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस ने अवैध शराब के ठिकानों पर स्ट्राइक करते हुए इस अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से भारी मात्रा में शराब जब्त की गई जिसमें 1427 पाव देशी और अंग्रेजी शराब, 19 लीटर कच्ची शराब और, 33 बोतल महंगी अंग्रेजी शराब शामिल है।

सुरक्षा का माहौल बनाना पहली प्राथमिकता

अभियान के दौरान देर रात तक रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मुसाफिरखानों और संदिग्ध वाहनों की कड़ी चेकिंग भी की गई। इस दौरान यातायात के नियम नहीं मानने वाले वाहन चालकों पर भी पुलिस ने सख्ती दिखाई। अपराधियों की धरपकड़ के बाद पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करना और कानून का राज स्थापित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ इस तरह की सख्त दंडात्मक कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

अत्यधिक शराब के सेवन से अधेड़ ने तोड़ा दम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अत्यधिक शराब पीने की लत ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दी हैं। खामरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक व्यक्ति की बहुत ज्यादा शराब पीने के कारण तबियत बिगड़ने और बाद में इलाज के दौरान मौत होने का दुखद मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खामरिया पुलिस के अनुसार, रविवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल से एक व्यक्ति की मौत की सूचना पहुंची पुलिस को जांच में पता चला कि हिनौता निवासी 44 वर्षीय कुंवर सिंह ने बीते शुक्रवार, 12 जून को अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन कर लिया था। शराब के इस ओवरडोज के कारण उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई और वह अचेत हो गया। दोपहर में हालत ज्यादा बिगड़ने पर पीड़ित के भाई अमर सिंह ने उसे आनन-फानन में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टरों की टीम ने उसे बचाने की कोशिश की मगर शरीर के मुख्य अंगों पर शराब का गहरा असर होने के कारण उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिरकार रविवार सुबह इलाज के दौरान कुंवर सिंह ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को पीएम के लिए भिजवा दिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

सकरी कुलिया में बिक रही थी अवैध शराब

पुलिस की दबिश में दबोचा गया छोटू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अवैध नशा कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत घमापुर थाना पुलिस ने घेराबंदी कर एक शातिर आरोपी को अवैध शराब की तस्करीकरते रंगे हाथों पकड़ा । आरोपी के पास से नामी ब्रांड्स की अंग्रेजी और देसी मदिरा बरामद की गई है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 40 हजार 550 रुपये आंकी गई है।

दरअसल घमापुर थाना प्रभारी दिनेश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि भगवान दास टेंट हाउस के पास स्थित एक कुटिया में भारी मात्रा में अवैध शराब का स्टॉक बेचने के लिए छिपाकर

रखा गया है, सूचना मिलते ही पुलिस की टीम गठित की गई और मुखबिर के बताए स्थान पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी गई।

छापेमारी के दौरान वहां मौजूद मुखबिर के बताए हुलिए का एक व्यक्ति पुलिस बल को अचानक सामने देखकर घबरा गया और मौके से भागने का प्रयास करने लगा। हालांकि, पहले से ही मुस्तैद पुलिस जवानों ने फुर्ती दिखाते हुए चारों तरफ से घेराबंदी की और उसे दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति से जब पुलिस ने कड़ी पूछताछ की, तो उसने अपनी पहचान 34 वर्षीय छोटू उर्फ नवीन खरे निवासी शीतलमाई रोड, घमापुर के रूप में बताई। पुलिस टीम ने जब कुटिया और उसके कब्जे की तलाशी ली, तो वहां से भारी मात्रा में अवैध मदिरा का जखीरा बरामद हुआ।

शराब तस्कर के पास से बैगपाइपर अंग्रेजी शराब 13 बोतलें और 100 पाव 8 पीएम व्हिस्की, 50 पाव मैकडॉवेल्स 27 पाव ,देसी शराब 100 पाव। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 13 बोतल और 177 पाव अंग्रेजी शराब के साथ 100 पाव देसी शराब विधिवत जब्त की घमापुर पुलिस ने आरोपी छोटू उर्फ नवीन खरे के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत गैर-जमानती अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया और आगे की पूछताछ जारी है ।

अब केवल चौमहला तक ही चलेगी कोटा-नागदा मेमू ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे प्रशासन ने परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कोटा-नागदा-कोटा मेमू ट्रेन के रूट में बदलाव किया है। गाड़ी संख्या 61616/61615 कोटा-नागदा-कोटा मेमू ट्रेन को शॉर्ट टर्मिनेट किया जा रहा है। दिनांक 15 जून 2026 से अगले आदेश तक यह ट्रेन नागदा स्टेशन न जाकर केवल कोटा और चौमहला स्टेशन के बीच ही संचालित की जाएगी। चौमहला से नागदा के बीच का सफर फिलहाल आगामी आदेश तक बंद रहेगा। संशोधित समय सारिणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 61616 कोटा से चौमहला मेमू ट्रेन प्रतिदिन सुबह 07:05 बजे कोटा से रवाना होगी और उसी दिन सुबह 10:25 बजे चौमहला स्टेशन पहुंचेगी।

जबलपुर में बजरंग दल की भव्य शौर्य यात्रा और त्रिशूल दीक्षा संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में रविवार को मानस भवन में भव्य त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम और विशाल शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। धार्मिक उत्साह, कड़े अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में युवाओं, कार्यकर्ताओं और धर्मप्रेमियों ने हिस्सा लेकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रम में जितेन्द्र सिंह पवार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक संगठित, जागरूक और संस्कारी समाज ही राष्ट्र की असली शक्ति का आधार होता है। वहीं, केंद्रीय मार्गदर्शन मंडल के सदस्य पूज्य संत स्वामी परमानंद महाराज ने युवाओं को धर्म,

संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प दिलाया। इस दौरान बजरंग दल के क्षेत्र संयोजक विश्ववर्धन भट्ट ने भी युवाओं को समाजहित और राष्ट्रहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। दीक्षा कार्यक्रम के समापन के बाद मानस भवन से एक भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई। यह यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई गुजरी। जगह-जगह आम नागरिकों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शौर्य यात्रा का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विहिप के अजय चौरसिया, कुमार राठौड़ और कोमल सिंह लोधी ने सभी कार्यकर्ताओं और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

सीजीएचएस बैठक में उठा जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता का मुद्दा

मूल दवाएं ही लाभार्थियों को कराई जाएँ उपलब्ध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना डिस्पेंसरी क्रमांक-1 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय चौहान की अध्यक्षता मासिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में लाभार्थियों से जुड़े कई अहम स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जेनरिक दवाओं के प्रभावहीन होने की शिकायतों पर चिंता जताई गई और दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। वरिष्ठ नागरिक प्रतिनिधियों ने मांग की कि विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पर्चे पर लिखी गई मूल दवाएं ही लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें बीमारी से जल्द राहत मिल सके। इसके साथ ही, डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली लोकल परचेज की दवाओं के संबंध में निर्देश दिए गए कि मेडिसन सप्लायर वही सटीक दवाएं सप्लाई करे जो डॉक्टर ने लिखी हैं। बैठक में मेडिसन सप्लायर आशीष ठाकुर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सीएमओ डॉ. अजय चौहान ने नवनियुक्त डॉ. शैलेंद्र सराफ से सभी प्रतिनिधियों का परिचय कराया। साथ ही उन्होंने बताया कि डिस्पेंसरी में पारदर्शिता लाने के लिए डिस्प्ले बोर्ड का संचालन शुरू किया गया है, जिससे लाभार्थियों को काफी सुविधा होगी। इस मासिक बैठक का मुख्य उद्देश्य सीजीएचएस की सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा लाभार्थी हितैषी बनाना है।

इस चर्चा में अनिल शुक्ला, विनोद बैन, गुरमुख दास, कृपा शंकर शर्मा और घनश्याम सोनकर ने डिस्पेंसरी की मौजूदा व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। उन्होंने डॉ. अजय चौहान, डॉ. शैलेंद्र सराफ, डॉ. आर.एस. टहिल्यानी सहित स्टाफ सदस्य सचिन मंगेश पटले, अनुराग यादव, विनोद राउत, इनायत उल्ला खान और शंकर लाल साहू की कार्यशैली की सराहना की।

सातों जनपद पंचायतों में महाअभियान होगा शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जिले में सोमवार, 15 जून से सभी सात जनपद पंचायत मुख्यालयों जबलपुर, कुंडम, मझौली, पनागर, पाटन, शहपुरा और सिहोरा में तीन दिवसीय विशेष जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। 17 जून को महाराणा प्रताप जयंती के शासकीय अवकाश को छोड़कर यह शिविर 15 से 18 जून तक निरंतर जारी रहेंगे, जहां आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं से वंचित रह गए पात्र लोगों की पहचान करना है। विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से मौके पर ही नए हितग्राहियों का पंजीयन, आवेदन की स्वीकृति और लाभ वितरण की कार्यवाही की जाएगी।

मौसम की माया : कभी धूप, कभी छाया

सुबह सूरज की मनमानी, शाम हुई सुहानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में रविवार को मौसम के दो अलग-अलग मिजाज देखने को मिले। रविवार की छुट्टी का दिन होने के कारण लोग सुबह से ही मौसम के रुख पर नजरें टिकाए हुए थे। दोपहर तक शहर में तीखी धूप खिली रही, जिससे दिनभर लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल नजर आए। हालांकि, इस हफ्ते हुई अच्छी बारिश की वजह से तापमान में आंशिक गिरावट तो दर्ज की गई है, लेकिन हवा में नमी के उच्च स्तर के कारण पैदा हुई गर्मी और उमस ने स्थानीय निवासियों को दोपहर तक जमकर परेशान किया। शहर का अधिकतम तापमान 38.5 वहीं न्यूनतम तापमान 24.4 दर्ज किया गया। तापमान में आयी गिरावट ने आमजन को राहत तो दी पर उमस ने पसीने में भिगो कर रखा।

मौसम ने ली शाम को अचानक करवट

दोपहर तक चले तेज गर्मी के दौर ने शाम होते-होते अचानक करवट बदली और आसमान को काले-घने बादलों ने चारों तरफ से घेर लिया। सूरज के बादलों के पीछे छिपते ही ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे दिनभर की तपिश और उमस से जूझ रहे जबलपुर वासियों को बड़ी राहत मिली। शाम का मौसम सुहाना होते ही लोग घरों के कमरों से बाहर निकल आए और पूरे परिवार के साथ वीकेंड का लुत्फ उठाने पर्यटन स्थलों की ओर रुख कर लिया। इस दौरान कही कहीं हल्की बारिश भी देखने मिली।

बादलों की ओट में शहर

सूरज ढलने और बादलों के छाने के बाद शहर का नजारा पूरी तरह बदल गया। उमस से राहत मिलते ही लोग अपनी फैमिली के साथ चौपाटी, भंवरताल पार्क, मदन महल किला और नर्मदा तटों पर सैर-सपाटे के लिए निकल पड़े। संडे की इस सुहानी शाम ने कामकाजी वर्ग की हफ्तेभर की थकान को दूर करने का बेहतरीन मौका दे दिया। मौसम के इस बदले मिजाज का सीधा असर शहर के प्रमुख बाजारों में भी देखने को मिला। सिविक सेंटर, सदर, लॉर्डगंज और गोरखपुर जैसे व्यापारिक क्षेत्रों में देर रात तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। आइसक्रीम पार्लर, चाट-चौपाटी के ठेलों और मॉल्स में ग्राहकों की अच्छी-खासी रौनक देखी गई।

प्री-मानसून एक्टिविटी से राहत

मौसम विभाग की मानें तो इस हफ्ते हुई झमाझम बारिश के बाद से ही अधिकतम तापमान के पारे में गिरावट का दौर जारी है। हालांकि, प्री-मानसून एक्टिविटी और हवा की दिशा बदलने के कारण जब तक दोबारा तेज बौछारें नहीं पड़तीं, तब तक धूप ढलने के बाद भी उमस का असर हल्का-फुल्का बना रहेगा। फिलहाल, रविवार की सुहानी शाम ने जबलपुर के नागरिकों को गर्मी से बड़ी राहत देते हुए उनके संडे को खुशनुमा बना दिया।

देववाणी संस्कृत सीखने और पढ़ने के सरल एवं प्रभावी उपाय

संस्कृत भारत की प्राचीन एवं समृद्ध भाषा है। इसे विश्व की सबसे वैज्ञानिक भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत का अध्ययन न केवल भाषा-ज्ञान बढ़ाता है, बल्कि हमारी संस्कृति, साहित्य, दर्शन और परंपराओं को समझने में भी सहायक होता है। अनेक विद्यार्थियों को संस्कृत कठिन प्रतीत होती है, परंतु यदि इसे सही विधि से सीखा जाए तो यह अत्यंत सरल और रुचिकर बन सकती है।

उच्चारण का नियमित अभ्यास

सबसे पहले संस्कृत वर्णमाला तथा शुद्ध उच्चारण का नियमित अभ्यास करना चाहिए। संस्कृत शब्दों का सही उच्चारण सीखने से भाषा को समझना आसान हो जाता है। प्रतिदिन कुछ समय वर्णों, शब्दों और श्लोकों के उच्चारण का अभ्यास करने से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा भाषा पर पकड़ मजबूत होती है।

बढ़ाएं शब्द भंडार

संस्कृत के सामान्य शब्दों और उनके अर्थों को याद करना भी आवश्यक है। प्रतिदिन पाँच से दस नए शब्द सीखने और उनका प्रयोग करने से शब्द-भंडार बढ़ता है। उदाहरण के लिए जलम् (पानी), पुस्तकम् (किताब), विद्यालय: (स्कूल) आदि। अधिक शब्दों का ज्ञान होने से वाक्यों को समझना और उनका प्रयोग करना सरल हो जाता है।

व्याकरण पर दें ध्यान

संस्कृत व्याकरण के मूल नियमों को भी सरल तरीके से सीखना चाहिए। संज्ञा, सर्वनाम, धातु, लकार और विभक्तियों का नियमित अभ्यास भाषा की नींव को मजबूत बनाता है। कठिन नियमों को एक साथ याद करने के बजाय धीरे-धीरे और समझकर सीखना अधिक लाभदायक होता है।

पठन और लेखन पर जोर

विद्यार्थियों को छोटे-छोटे संस्कृत वाक्यों को पढ़ने और लिखने का अभ्यास करना चाहिए। जैसे अहम् विद्यालयं गच्छामि। स: पुस्तकम् पठति। इस प्रकार के सरल वाक्य भाषा को व्यवहार में लाने में सहायता करते हैं। जितना अधिक पठन और लेखन किया जाएगा, उतनी ही भाषा में दक्षता प्राप्त होगी।

संस्कृत कथाओं का करें अध्ययन

समय समय पर संस्कृत की कहानियाँ, श्लोक और गीत भी पढ़ना चाहिए। पंचतंत्र, हितोपदेश तथा अन्य सरल संस्कृत कथाएँ विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाती हैं। श्लोकों को

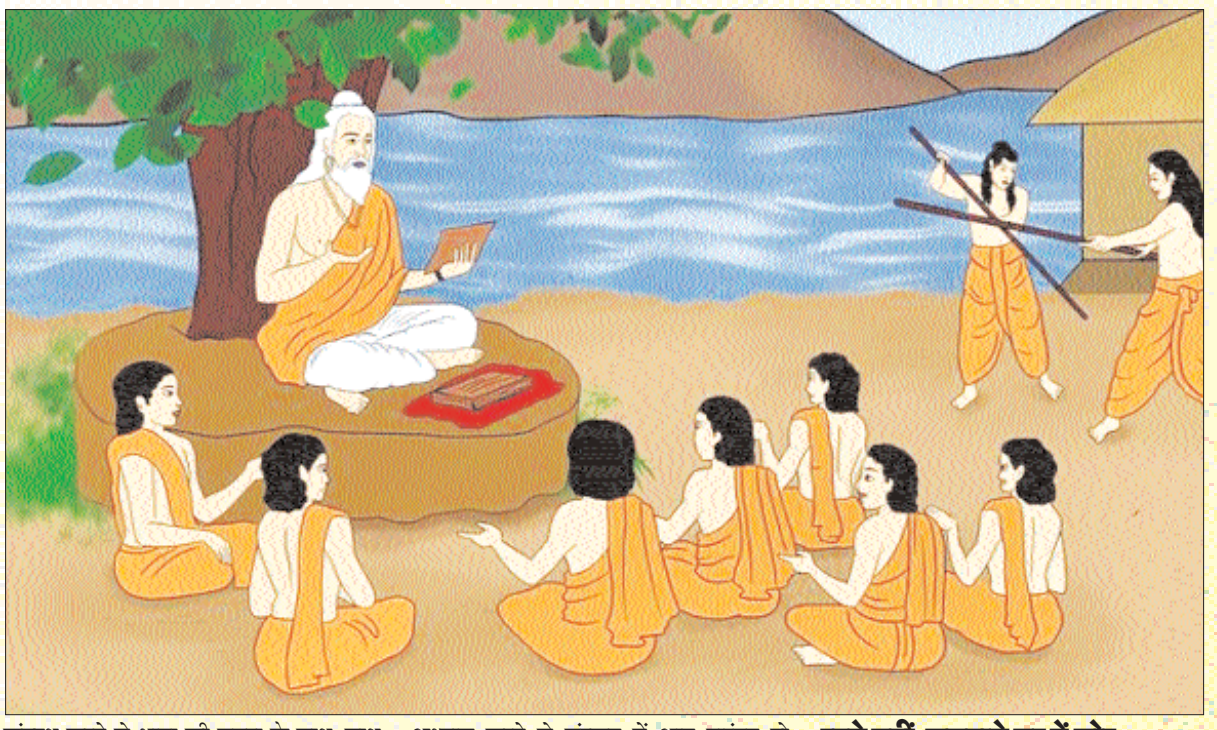

कंठस्थ करने से भाषा की समझ के साथ-साथ स्मरण शक्ति का भी विकास होता है। धीरे धीरे अभ्यास करने से संस्कृत में आप पारंगत हो जाएंगे।

रटने नहीं, समझने पर दें जोर

नियमित अभ्यास और धैर्य ही सफलता की कुंजी हैं। प्रतिदिन थोड़े समय के अभ्यास से संस्कृत धीरे-धीरे सरल लगने लगती है। कठिन शब्दों और नियमों से घबराने के बजाय उन्हें समझने का प्रयास करना चाहिए। ध्यान रखें रटने की बजाए समझने की कोशिश कीजिए। कुछ ही समय में संस्कृत बोलना और समझना आपके लिए आसान होगा।

अंतत: कहा जा सकता है कि संस्कृत सीखना उतना कठिन नहीं है जितना सामान्यत: समझा जाता है। सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास, शब्द-ज्ञान, व्याकरण की समझ और रुचि के साथ कोई भी विद्यार्थी संस्कृत भाषा में निपुण हो सकता है। संस्कृत का अध्ययन हमें ज्ञान, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ता है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को इस महान भाषा को सीखने का प्रयास अवश्य करना चाहिए।

चंद्रशेखर खंपरिया

शिक्षक
हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला
देवताल, जबलपुर

कविता

हिंदी-संस्कृत, एक ही धारा के दो किनारे

संस्कृत ज्ञान की गंगा है, हिंदी उसकी धार,
दोनों भाषाएं करती हैं भारत का श्रृंगार।
संस्कृत से निकले शब्द अनेक, हिंदी ने अपनाए,
ज्ञान, संस्कृति और संस्कार के दीप सदा जलाए।

वेदों की पावन वाणी संस्कृत में गूंजती है,
हिंदी बनकर वही विरासत जन-जन तक पहुंचती है।
संस्कृत है जड़ वटवृक्ष की, हिंदी उसकी शाखा,
दोनों ने मिलकर सजाई भारत मां की आभा।

एक में दर्शन की गहराई, एक में जन की बोली,
दोनों की मधुर मिठास से महके हर एक डोली।
तुलसी, कबीर और दिनकर ने
हिंदी को सम्मान दिया,
ऋषि-मुनियों ने संस्कृत में ज्ञान का वरदान दिया।

भाषाएं ये केवल शब्द नहीं, संस्कृति की पहचान हैं,
भारत की गौरवशाली गाथा, दोनों की ही शान हैं।
आओ मिलकर प्रण करें, इनका मान बढ़ाएंगे,
हिंदी-संस्कृत के उजियारे से भारत को सजाएंगे।

हिंदी और संस्कृत का रिश्ता अटूट, अमर और महान,
इनसे ही उज्ज्वल है भारत, इनसे ही उसकी पहचान।

हिंदी की रोचक पहेलियां

मैं किताब में रहता हूं,
विद्यालय में मिलता हूं,
जीवन भर साथ चलता हूं।
उत्तर - ज्ञान

मैं वाक्य के अंत में आता हूं,
लेकिन मेरी वजह से पाठक सांस ले पाता है।
उत्तर - पूर्ण विराम

एक घर में रहते हैं अनेक भाई,
कोई स्वर है, कोई व्यंजन कहलाए।
उत्तर - वर्णमाला

मैं शब्द नहीं, फिर भी शब्दों को सुंदर बनाता हूं।
उत्तर - अलंकार

मैं कविता में सजता हूं,
कहानी में बसता हूं,
भाषण में चमकता हूं।
उत्तर - शब्द

मैं जितना छोटा होता हूं,
अर्थ उतना बड़ा देता हूं।
उत्तर- अक्षर

मैं दिखाई नहीं देता,
लेकिन भाषा को जीवंत बना देता हूं।
मेरे बिना कविता फीकी लगती है।
उत्तर - भाव

शब्दों की शक्तिः हिंदी और संस्कृत का अनमोल संसार

हिंदी और संस्कृत भारत की दो ऐसी समृद्ध भाषाएं हैं, जिन्होंने सदियों से ज्ञान, संस्कृति, साहित्य और जीवन मूल्यों को संजोकर रखा है। इन भाषाओं के शब्द केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे विचारों, भावनाओं और सभ्यता के वाहक भी हैं। आइए जानते हैं हिंदी और संस्कृत के अनमोल संसार को, जिनका लोहा पूरी दुनिया मानती है। भाषा किसी भी समाज की संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों की परिचायक होती है। हिंदी और संस्कृत केवल बोलने या लिखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे भारतीय सभ्यता की आत्मा हैं। इन भाषाओं ने हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति, ज्ञान और विचारों को संरक्षित रखा है। इनके माध्यम से हमारी सांस्कृतिक विरासत आज भी जीवंत बनी हुई है।

संस्कृत, ज्ञान और विज्ञान की प्राचीन भाषा

संस्कृत को विश्व की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक माना जाता है। वेद, उपनिषद,

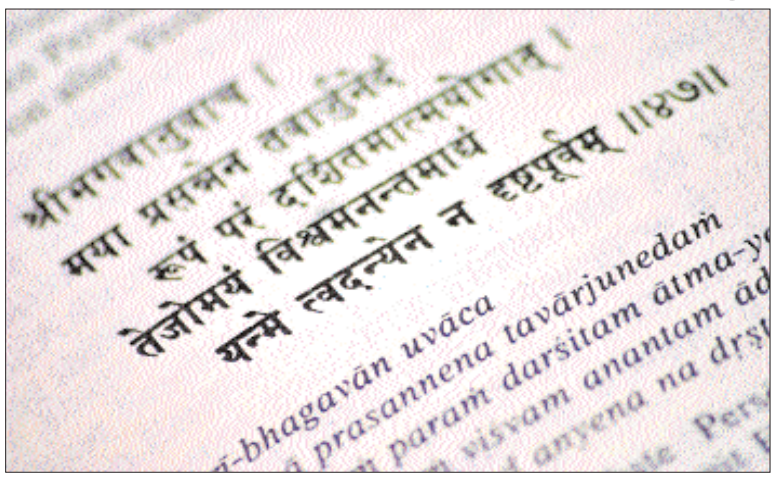

रामायण, महाभारत और अनेक दार्शनिक ग्रंथ संस्कृत में रचे गए हैं। यह भाषा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और दर्शन का विशाल ज्ञान भी समाहित है। संस्कृत का व्यवस्थित व्याकरण इसे अन्य भाषाओं से विशिष्ट बनाता है।

हिंदी, जन-जन को जोड़ने वाली भाषा

हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह देश के विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और समुदायों को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। हिंदी ने साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और संचार के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। आज हिंदी विश्व स्तर पर भी तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

शब्दों में छिपी परिवर्तन की शक्ति

शब्द केवल ध्वनियां नहीं होते, बल्कि उनमें प्रेरणा, उत्साह और परिवर्तन की शक्ति होती है। एक अच्छा शब्द किसी व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ा सकता है, जबकि नकारात्मक शब्द उसे निराश कर सकते हैं। हिंदी और संस्कृत दोनों भाषाएं हमें सकारात्मक, मर्यादित और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का मार्ग दिखाती हैं। यही कारण है कि इन भाषाओं के शब्द जीवन को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं।

साहित्य से भरा अमूल्य खजाना

हिंदी और संस्कृत साहित्य विश्व की सबसे समृद्ध साहित्यिक परंपराओं में गिने जाते हैं। संस्कृत में कालिदास, भास और बाणभट्ट जैसे महान साहित्यकारों ने उत्कृष्ट रचनाएं दीं, वहीं हिंदी में कबीर, तुलसीदास, सूरदास, प्रेमचंद और रामधारी सिंह दिनकर जैसे रचनाकारों ने समाज को नई सोच प्रदान की। इन साहित्यकारों की रचनाएं आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं।

नैतिक मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा

हिंदी और संस्कृत साहित्य में जीवन के उच्च आदर्शों और नैतिक मूल्यों का वर्णन मिलता है। सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा, त्याग और कर्तव्य जैसे गुणों की शिक्षा इन भाषाओं के साहित्य से प्राप्त होती है। इनका अध्ययन केवल ज्ञान नहीं बढ़ाता, बल्कि व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का भी निर्माण करता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा की आधारशिला

योग, आयुर्वेद, दर्शन, ज्योतिष और अध्यात्म जैसे अनेक ज्ञान-विज्ञान के स्रोत संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं। हिंदी ने इस ज्ञान को समाज के बड़े वर्ग तक पहुंचाने का कार्य किया है। इस प्रकार दोनों भाषाएं भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण वाहक हैं और देश की बौद्धिक संपदा को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आधुनिक युग की मीराः महादेवी वर्मा

हिंदी साहित्य के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो केवल लेखक नहीं, बल्कि एक युग की पहचान बन जाते हैं। महादेवी वर्मा ऐसा ही एक नाम है। उन्हें हिंदी साहित्य के छायावाद युग की प्रमुख स्तंभ और आधुनिक मीरा के रूप में जाना जाता है। उनकी रचनाओं में करुणा, संवेदना, प्रकृति-प्रेम और मानवीय भावनाओं की गहरी अभिव्यक्ति दिखाई देती है। वे केवल एक महान कवयित्री ही नहीं थीं, बल्कि शिक्षाविद्, समाजसेविका और महिला सशक्तिकरण की समर्थक भी थीं।

बचपन से ही थी साहित्य में रुचि

महादेवी वर्मा का जन्म 26 मार्च 1907 को उत्तर प्रदेश के फ़र्रुख़ाबाद में हुआ था। बचपन से ही उन्हें कविता लिखने और चित्र बनाने का शौक था। कहा जाता है कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। उनकी प्रतिभा इतनी अद्भुत थी कि आगे चलकर वे हिंदी साहित्य की सबसे सम्मानित रचनाकारों में शामिल हो गईं।

छायावाद की चौथी स्तंभ

हिंदी साहित्य के छायावाद युग में चार प्रमुख साहित्यकारों का विशेष योगदान माना जाता है, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा। इनमें महादेवी वर्मा को करुणा और वेदना की सशक्त अभिव्यक्ति के लिए विशेष रूप से याद किया जाता है।

क्यों कहलाती हैं आधुनिक मीरा

महादेवी वर्मा की कविताओं में विरह, आध्यात्मिक प्रेम और आत्मिक अनुभूतियों का अद्भुत संगम मिलता है। उनकी रचनाओं में भावनाओं की गहराई और समर्पण की भावना देखकर साहित्यकारों ने उन्हें आधुनिक मीरा की उपाधि दी। उनकी कविता की भाषा अत्यंत मधुर, कोमल और भावपूर्ण है।

पशु-पक्षियों के प्रति अद्भुत प्रेम

महादेवी वर्मा का हृदय केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी करुणा से भरा था। उनकी प्रसिद्ध कृति मेरा परिवार में उन्होंने अपने प्रिय पशु-पक्षियों के बारे में अत्यंत भावनात्मक संस्मरण लिखे हैं। गिलहरी गिल्लू, हिरणी सोना और नीलकंठ जैसे पात्र आज भी पाठकों के प्रिय हैं।

प्रमुख रचनाएं

महादेवी वर्मा की प्रमुख काव्य कृतियों में नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत और यामा विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। गद्य साहित्य में अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएं और मेरा परिवार जैसी रचनाएं अत्यंत लोकप्रिय हैं।

सम्मान और पुरस्कार

महादेवी वर्मा को हिंदी साहित्य में उनके अमूल्य योगदान के लिए अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे उच्च सम्मान प्राप्त हुए। उनकी कृति यामा को हिंदी साहित्य की श्रेष्ठ कृतियों में गिना जाता है।

जानिए भाषा और बोली में अंतर

मनुष्य अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए भाषा का उपयोग करता है। भाषा और बोली दोनों ही संचार के महत्वपूर्ण माध्यम हैं, लेकिन इनके स्वरूप, क्षेत्र और मान्यता में अंतर होता है। अक्सर लोग इन्हें एक ही मान लेते हैं, जबकि दोनों की अपनी अलग विशेषताएँ हैं।

भाषा क्या है?

भाषा वह व्यवस्थित और मानकीकृत माध्यम है जिसके माध्यम से किसी समाज या देश के लोग विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। इसकी अपनी व्याकरण, शब्दावली और लिखित परंपरा होती है। भाषा का प्रयोग शिक्षा, प्रशासन, साहित्य और औपचारिक कार्यों में किया जाता है।

उदाहरण- हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, तमिल आदि पूर्ण विकसित भाषाएँ हैं।

बोली क्या है?

बोली किसी भाषा का क्षेत्रीय या स्थानीय रूप होती है। यह मुख्यत: बोलचाल में प्रयोग की जाती है और इसका दायरा अपेक्षाकृत सीमित होता है। बोली में स्थानीय शब्दों, उच्चारण और अभिव्यक्ति का प्रभाव दिखाई देता है।

उदाहरण- हिंदी की अवधी, बुंदेली, बघेली, ब्रज और मालवी प्रमुख बोलियाँ हैं।

संस्कृत भाषा में छिपे हैं जीवन प्रबंधन के सूत्र

कर्म ही सफलता की कुंजी

संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली ज्ञानधारा है। वेदों, उपनिषदों, भगवद्गीता और अन्य संस्कृत ग्रंथों में ऐसे अनेक सूत्र मिलते हैं, जो आज के आधुनिक जीवन में भी उतने ही उपयोगी हैं जितने हजारों वर्ष पहले थे। ये सूत्र हमें सफलता, समय प्रबंधन, नेतृत्व, आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच की शिक्षा देते हैं। आइए जानते हैं संस्कृत भाषा में छिपे कुछ ऐसे जीवन प्रबंधन के सूत्र, जो जीवन को सरल, सफल और सार्थक बना सकते हैं।

समय का महत्व समझें- संस्कृत में कहा गया है काल: कदापि न तिष्ठति। अर्थात समय कभी नहीं रुकता। यह सूत्र हमें सिखाता है कि समय सबसे मूल्यवान संपत्ति है। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है। विद्यार्थियों के लिए यह संदेश विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि समय का सदुपयोग ही उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

कर्म ही सफलता की कुंजी - श्रीभगवद्गीता का प्रसिद्ध श्लोक है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने पर है, फल पर नहीं। यह सूत्र हमें निरंतर प्रयास करने और परिणाम की चिंता किए बिना अपने कर्तव्यों का पालन करने की प्रेरणा देता है। जीवन प्रबंधन का यह सिद्धांत तनाव को कम करता है और कार्यक्षमता बढ़ाता है।

अनुशासन सफलता का आधार है- संस्कृत साहित्य में अनुशासन को जीवन का आभूषण माना गया है। बिना अनुशासन के कोई भी व्यक्ति अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। नियमित दिनचर्या, समय पर कार्य और आत्मसंयम सफलता की राह को आसान बनाते हैं। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन अच्छे परिणामों की नींव रखता है।

ज्ञान सबसे बड़ा धन है- संस्कृत का प्रसिद्ध वचन है विद्या धनं सर्वधनप्रधान। अर्थात विद्या सभी धनों में श्रेष्ठ धन है। धन-संपत्ति नष्ट हो सकती है, लेकिन ज्ञान जीवनभर साथ रहता है। यह सूत्र हमें निरंतर सीखते रहने और अपने ज्ञान को बढ़ाने की प्रेरणा देता है। यही जीवन का आधार भी है।

सकारात्मक सोच का महत्व- संस्कृत ग्रंथों में सकारात्मक चिंतन पर विशेष बल दिया गया है। कहा गया है यथा चिन्तयति मनुष्य: तथा भवति। अर्थात मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बनता है। सकारात्मक विचार आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं।

सबको साथ लेकर चलना- संस्कृत में कहा गया है संगच्छध्वं संवदध्वं। अर्थात मिलकर चलो और मिलकर विचार करो। यह सूत्र टीमवर्क और नेतृत्व की भावना को मजबूत करता है। एक अच्छा नेता वही होता है जो सबको साथ लेकर आगे बढ़े। मैनेजमेंट की पढ़ाई में यह मूल मंत्र भी है।

सेवा और परोपकार का भाव रखें- संस्कृत का प्रसिद्ध वाक्य परोपकाराय सतां विभूतय:, यह बताता है कि सज्जनों की संपत्ति दूसरों के कल्याण के लिए होती है। यह सूत्र हमें समाज और मानवता के प्रति अपने दायित्वों को समझने की प्रेरणा देता है।

बेटे के सामने पिता की ईट से मारकर हत्या

पुलिस हिरासत में पिता-पुत्र, ईट रखने को लेकर हुआ था विवाद

परसवाड़ा (स्वतंत्र मत)।

परसवाड़ा थाना से महज 100 मीटर दूर ईट रखने को लेकर उपजा विवाद ने खुनी रूप ले लिया और पुत्र के सामने बुजुर्ग पिता सैलून संचालक की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम मोहगांव निवासी मनीष गोले (29 वर्ष) अपने 53 वर्षीय पिता अनिल गोले के साथ परसवाड़ा में पुराने अस्पताल के सामने सैलून की दुकान चलाते थे। रविवार की सुबह करीब 9:30 बजे दोनों रोज की तरह अपनी दुकान पर ग्राहकों के बाल काट रहे थे। इसी दौरान मनीष ने पड़ोस के दुकानदार पंकज ठाकरे और उसके पिता फगलाल ठाकरे से अपनी दुकान के सामने रखी ईंटें हटाने को कहा।

गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद

ईंटें हटाने की बात पर पंकज ठाकरे आपा खो बैठा। वह आवेश में आकर मनीष और उसके पिता को अश्लिल गंदी-गंदी गालियां देने लगा और दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। पंकज ने मनीष के साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। बेटे को देख उसका साथ देने पंकज का पिता फगलाल भी आ गया, तो मनीष के पिता अनिल गोले बीच-बचाव करने दौड़े।

पिता के सामने आई मौत

बीच-बचाव के दौरान पंकज ठाकरे ने पास पड़ी ईंट का टुकड़ा उठाकर अनिल गोले की नाक पर दे मारा, जिससे खून की धार बहने लगी। इतने में फगलाल ने भी ईंट फेंककर उनके पीठ पर वार किया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया, लेकिन जाते-जाते दोनों आरोपी बाप-बेटे उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

अस्पताल में तोड़ा दम

मारपीट में मनीष और उसके पिता अनिल गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। मनीष जब अपने लहूलुहान पिता को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराने थाने जा रहा था, तभी थाने के मुख्य गेट के सामने आते ही अनिल गोले की तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई। थाने के पुलिस कर्मियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत अपनी गाड़ी से उन्हें शासकीय अस्पताल परसवाड़ा पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने तुरंत उनका इलाज शुरू कर ऑक्सीजन भी लगाई, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि कुछ ही देर में अनिल गोले ने दम तोड़ दिया। बेटे की आंखों के सामने ही उसके पिता की सांसें थम गईं।

पुलिस की कार्रवाई

मनीष गोले की शिकायत पर परसवाड़ा पुलिस ने आरोपी पंकज ठाकरे और फगलाल ठाकरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 296, 115(2), 351(3), और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया हैं। दूसरी ओर लोगों ने आरोपियो के अवैध निर्माण पर एसडीएम और एसडीओपी के सामने बुलडोजर चलाने की मांग की है। एसडीएम ने आश्वस्त किया है कि मामले में जांच जारी है और यदि निर्माण अवैध पाया जाता है तो निश्चित ही हटाने की कार्यवाही की जाएगी। मामले में कार्रवाई कर रहें एसआई गुड्डनलाल अहिरवार ने बताया कि मामले में अपराध कायम कर जांच की जा रही हैं। शव को बरामद कर लिया गया हैं।

बाघ के हमले से फायरवाचक की मौत

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

कान्हा टाइगर रिजर्व में रविवार 14 जून की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। परिक्षेत्र कान्हा की बीट नकटी घाटी के कक्ष क्रमांक 136 स्थित घंघारनाला क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान एक वन्य बाघ ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में अग्नि सुरक्षा श्रमिक लखनसिंह गोंड (29 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, लखनसिंह पिता बुद्ध सिंह, निवासी ग्राम आमगहन जिला बालाघाट, वन विभाग की गश्ती टीम के साथ कैंप के समीप क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान घने जंगल में मौजूद एक बाघ ने अचानक हमला कर दिया। घटना इतनी अचानक हुई कि उन्हें बचाने का मौका नहीं मिल सका और उनकी दुखद मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही कान्हा टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। शव को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए चिकित्सालय भेज दिया गया हैं। कान्हा प्रबंधन द्वारा मृतक के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। अधिकारियों ने बताया कि शासन के नियमानुसार शेष अनुग्रह राशि की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाएगी।

4 बेटियों की मां का कातिल निकला प्रेमी

बैहर पुलिस ने आरोपी प्रेमी और उसका पिता व भाई को भेजा जेल

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। बैहर के मोदी नगर में हुई 35 वर्षीय सविता धुर्वे की निर्मम हत्या ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि एक ऐसी मां के सपनों का अंत है, जो अपने और अपनी चार बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जीवन में एक सहारे की तलाश कर रही थी। बैहर पुलिस ने मामला का खुलासा करते हुए आरोपी प्रेमि और उसके पिता व भाई को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

जानकारी अनुसार, सविता के पति का पहले ही निधन हो चुका था। पति की मौत के बाद चार बेटियों की परवरिश और परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। इसी दौरान उनकी मुलाकात कृष्णा उर्फ गणेश शिवालिया से हुई। दोनों के बीच करीब चार वर्षों तक प्रेम संबंध रहे। सविता को उम्मीद थी कि यह रिश्ता एक दिन शादी के बंधन में बंधेगा और उनकी बेटियों को भी एक परिवार का सहारा मिलेगा। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जिस व्यक्ति पर उन्होंने सबसे ज्यादा भरोसा किया, वही उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा दुश्मन बन गया।

शादी का दबाव और रिस्ता टूटा - 12 जून को मोदी नगर स्थित एक निर्माणाधीन मकान में सविता का रक्तरंजित शव मिला। उनकी गर्दन पर गहरे घाव थे और घटनास्थल का दृश्य देखकर हर कोई सिहर उठा। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि सविता लगातार कृष्णा पर शादी करने और उनकी चार बेटियों की जिम्मेदारी स्वीकार करने का दबाव बना रही थीं। बताया गया कि इसी कारण कृष्णा का तय वैवाहिक रिश्ता भी टूट गया था। धीरे-धीरे यह विवाद इतना बढ़ गया कि कृष्णा ने सविता को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया।

पिता-भाई के साथ प्रेमी ने बनाई योजना - सबसे दुखद पहलू यह रहा कि इस साजिश में कृष्णा अकेला नहीं था। पुलिस के अनुसार उसके पिता बुधराम शिवालिया और भाई बलराम शिवालिया (35 वर्ष) ने भी उसका साथ दिया। योजनाबद्ध तरीके से सविता की हत्या की गई और बाद में सबूत मिटाने के लिए खून से सने कपड़ों को जला दिया गया। हालांकि पुलिस की वैज्ञानिक जांच और तकनीकी साक्ष्यों ने आरोपियों की पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया। पूछताछ में आरोपी टूट गया और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त धारदार कटर, मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

चार बेटियां रह गई अकेली - सविता धुर्वे अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके पीछे चार मासूम बेटियां रह गई हैं, जिनके सिर से पहले ही पिता का साया उठ गया था अब मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। एक मां, जिसने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देखे थे, आज उन्हीं सपनों के साथ हमेशा के लिए खामोश हो गई।

चिकमारा में मैंगनीज खदान में हैवी ब्लास्टिंग से दहशत : ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, काम बंद कराया, पत्थर गिरने से बाल-बाल बचे ग्रामीण

कटंगी (स्वतंत्र मत)। कटंगी तहसील के ग्राम चिकमारा में संचालित मैंगनीज खदान के खिलाफ रविवार को स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मेसर्स आर.बी.श्रीराम एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की खदान में रविवार सुबह करीब 11 बजे की गई हैवी ब्लास्टिंग के बाद आवास टोला के लोगों ने दोपहर ढाई बजे खदान पर पहुंचकर काम बंद करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लास्टिंग इतनी तेज थी कि घरों में भूकंप जैसे झटके महसूस हुए और उछल कर आए पत्थरों से जान का खतरा बन गया। आवास टोला निवासी लक्ष्मण लांजेवार ने बताया कि वह रविवार सुबह अपने घर के बाहर बकरी बांध रहे थे। तभी खदान में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के कुछ सेकंड बाद एक बड़ा सा पत्थर आकर मेरे ठीक पास गिरा। गनीमत रही कि मुझे नहीं लगा, वरना जान भी जा सकती थी। बच्चे घर के अंदर थे। पूरा परिवार दहशत में आ गया। लक्ष्मण अकेले नहीं हैं। आवास टोला के करीब 40-50 परिवार रोज इसी दहशत में जी रहे हैं। खदान गांव से महज 100 मीटर की दूरी पर संचालित हो रही है।

रविवार को हुई हैवी ब्लास्टिंग के बाद आक्रोशित ग्रामीण दोपहर करीब 12 बजे कटंगी थाने पहुंचे और खदान मालिक के खिलाफ लिखित शिकायत दी। ग्रामीणों ने मांग की कि खदान को तुरंत बंद कराया जाए और उनके क्षतिग्रस्त मकानों का मुआवजा दिया जाए। शिकायत के बाद थाने से एक पुलिस कर्मचारी ग्रामीणों के साथ आवास टोला पहुंचा। मकानों में आई बड़ी-बड़ी दरारें और छत पर गिरे पत्थर देखकर पुलिस कर्मचारी भी सन्न रह गया। थाने से लौटने के बाद करीब ढाई बजे दर्जन भर से अधिक ग्रामीण लामबंद होकर खदान पर पहुंच गए। महिलाओं और पुरुषों ने खदान के मुख्य गेट पर जमकर नारेबाजी की और काम बंद करा दिया। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि जब तक खदान मालिक खुद आकर उनकी समस्याएं नहीं सुनते और लिखित आश्वासन नहीं देते, तब तक खदान नहीं चलने देंगे।

ग्रामीणों का सबसे बड़ा आरोप यह है कि खदान प्रबंधन ब्लास्टिंग से पहले गांव वालों को कोई सूचना नहीं देता। न सायरन बजता है, न कोई बताने आता है। अचानक धमाका होता है और पत्थर घरों तक आ जाते हैं। ब्लास्टिंग के दौरान उछलकर गांव की तरफ आने वाले पत्थरों से हर समय जान का खतरा बना रहता है। गांव के छोटे-छोटे बच्चे अब धमाके की आवाज से ही सहम जाते हैं। धमाका होते ही बच्चे मां से लिपट जाते हैं। रात में चौंककर उठ जाते हैं।

वर्ष 1996 से 2046 तक की लीज - चिकमारा में संचालित यह मैंगनीज खदान मेसर्स आर.बी.श्रीराम एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को वर्ष 1996 में आवंटित हुई थी। इसकी लीज अवधि 2046 तक यानी कुल 50 साल के लिए है। 30 साल की अवधि पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी भी 20 साल का समय शेष है। ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल में खदान से कंपनी ने करोड़ों का मुनाफा कमाया, लेकिन गांव को सिर्फ धूल, दरारें और दहशत मिली। खदान में हो रही गहरी खुदाई का असर गांव के भूजल स्तर पर भी पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ सालों में गांव के कुएं और बोरवेल का जलस्तर तेजी से गिरा है। गर्मी शुरू होते ही हैंडपंप जवाब दे देते हैं। पहले 40 फीट पर पानी मिल जाता था, अब 100 फीट पर भी नहीं मिल रहा। महिलाओं को 1-2 किमी दूर से पानी लाना पड़ता है। ग्राम पंचायत सरपंच अनिता गेड़ाम ने बताया। गांव में पेयजल संकट गहरा गया है। खदान में पानी का अवैध दोहन हो रहा है, लेकिन जांच कोई नहीं करता। पंचायत के द्वारा कई बार जिम्मेदारों से मौखिक शिकायत की गई।

नियमों की अनदेखी का आरोप. - खनन नियमों के जानकारों का कहना है कि रिहायशी इलाके के 300 मीटर के दायरे में हैवी ब्लास्टिंग प्रतिबंधित है। ब्लास्टिंग से पहले सायरन बजाना, आसपास के लोगों को सूचित करना और वाइब्रेशन कंट्रोल करना अनिवार्य है। लेकिन चिकमारा में इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जानकार बताते है कि 100 मीटर की दूरी पर हैवी ब्लास्टिंग से स्ट्रक्चरल डैमेज तय है। इससे भूजल स्तर भी गिरता है। बिना वैज्ञानिक अध्ययन के इतनी गहरी खुदाई और ब्लास्टिंग नहीं की जा सकती।

कांग्रेस का हल्लाबोल, प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर लगाये गंभीर आरोप

उमरिया स्वतंत्रमत। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में शनिवार 13 जून को सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी श्री सम्मति सैनी जी ने कहा कि सुश्री मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन निरस्त किया जाना अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक एवं गैरकानूनी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी के दबाव में की गई है, जिसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर आघात के रूप में याद रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा महिला सशक्तिकरण की बात करती है, वहीं दूसरी ओर एक महिला उम्मीदवार का नामांकन निरस्त कर महिलाओं का अपमान करने का कार्य किया गया है। कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी। श्री सैनी ने पत्रकार बंधुओं से भी अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल कांग्रेस की नहीं, बल्कि लोकतंत्र और आमजन के अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने मीडिया से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका का निष्पक्ष और जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री अजय सिंह जी, बांधवगढ़ विधानसभा प्रभारी श्री राकेश जैन (कक्का) जी, संगठन महासचिव श्री पुष्पराज सिंह जी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष श्री मिथलेश राय जी, जिला निर्वाचन प्रभारी श्री शिशुपाल यादव जी, महामंत्री श्री वीरेंद्र सिंह सिंगर जी, श्री राहुल देव सिंह जी, श्री मोहम्मद असलम शेर जी, सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

उमरिया स्वतंत्र मत। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की वर्चुअल एवं फिजिकल बैठक आज 15 जून को समय सीमा की बैठक पश्चात आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जन कल्याण शिविर के तहत आज पाली, मानपुर मे आयोजित होगा शिविर

उमरिया स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि जन कल्याण शिविर के तहत 15 जून को विकासखंड स्तर पर पाली माध्यमिक शाला परिसर अमिलिहा,नगर परिषद पाली में गायत्री मंदिर के सामने, विकासखंड स्तर पर नगर परिषद मानपुर का शिविर स्टेडियम प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आम जन मानस से अपेक्षा की है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

जंगल में संदिग्ध गाड़ियों ने खोला नशे के कारोबार का राज

120 बोतल कोरेक्स के साथ चार गिरफ्तार

उमरिया स्वतंत्रमत।

पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत घुनघुटी चौकी पुलिस ने नशीली कफ सिरप के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किरिया काड़ी जंगल में दबिश देकर 120 बोतल कोरेक्स सिरप, एक आर्टिका कार और एक ऑटो जब्त किया है। मामले में पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार घुनघुटी चौकी प्रभारी विजय सेन एक मामले की विवेचना कर लौट रहे थे। इसी दौरान किरिया काड़ी जंगल के सुनसान इलाके में एक आर्टिका कार और एक ऑटो खड़ा दिखाई दिया। दोनों वाहनों की मौजूदगी संदिग्ध लगने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद चार लोगों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 120 बोतल कोरेक्स सिरप बरामद हुई, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मानपुर क्षेत्र के कुछ आरोपी छत्तीसगढ़ के एक व्यक्ति को यह खेप बेचने की तैयारी में थे। जंगल के बीच चल रही इस सौदेबाजी को पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज सिंह चंदेल निवासी मानपुर, अनिकेत विश्वकर्मा निवासी गोपहरू जिला शहडोल, अरुण कुशवाह निवासी नौरोजाबाद तथा भोलू पटेल निवासी बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के रूप में हुई है। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कोरेक्स की यह खेप कहां से लाई गई थी तथा इसे किन क्षेत्रों में खपाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बरामद कोरेक्स सिरप, आर्टिका कार और ऑटो को जब्त कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पाली डीएसपी शिव चरण बोहित ने बताया कि घुनघुटी चौकी पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गई है। मामले की विवेचना जारी है और यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान नशे के इस नेटवर्क से जुड़े कई अहम खुलासे सामने आ सकते हैं।

बाघ के हमले से महिला की मौत के बाद ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक

उमरिया स्वतंत्रमत।

क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर रेंज अंतर्गत विगत दिवस ग्राम झलवार निवासी श्रीमती फूल बाई, पति श्री छोटेलाल सिंह गोंड, आयु लगभग 55 वर्ष, की वन्यप्राणी बाघ के हमले में मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती फूल बाई बीट कुंदरी के आरक्षित वन कक्ष क्रमांक 460 में बड़ी झिरिया के पास जंगल में महुआ फल बीनने गई थीं। दोपहर तक उनके घर नहीं लौटने पर परिजनों द्वारा उनकी तलाश की गई, जिसके दौरान जंगल में उनका शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में प्रतीत होता है कि महुआ फल बीनते समय बाघ द्वारा उन पर हमला किया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग का अमला एवं स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर भेजा गया। समय अधिक हो जाने के कारण शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित रखा गया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों को लगातार बैठकों, मुनादी एवं अन्य माध्यमों से जागरुक किया जा रहा है कि बाघ विचरण क्षेत्र में अनावश्यक रूप से जंगल में प्रवेश न करें। अत्यावश्यक स्थिति में समूह में ही जंगल जाएं। महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को देर रात्रि घर से बाहर न निकलने तथा आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

जन कल्याण शिविर में 698 शिकायतों का हुआ तत्काल निराकरण, जनता ने की पहल की सराहना

उमरिया।

मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत 12 जून से 14 जून तक तीन दिवसीय जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन लालपुर के सामुदायिक भवन में किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनका त्वरित निराकरण करना था। इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर शिविर में पहुंचे।शिविर में प्राप्त आवेदनों और शिकायतों पर अधिकारियों ने गंभीरता के साथ कार्रवाई करते हुए अधिकांश मामलों का तत्काल निराकरण किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 698 शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 691 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। वहीं 7 आवेदन ऐसे रहे जिनका समाधान संबंधित विभागों से आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद किया जाएगा। प्रशासन द्वारा इन लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए हैं।

तीन दिवसीय इस विशेष अभियान में आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। अधिकारियों ने लोगों को विभिन्न विभागों की योजनाओं, पात्रता और लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय तथा अन्य विभागों से जुड़े मामलों का निराकरण किया गया।

कार्यक्रम में बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह ने उपस्थित होकर जनसमस्याओं के समाधान की प्रक्रिया का अवलोकन किया और अधिकारियों को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रकार के शिविर शासन एवं जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने का माध्यम बन रहे हैं।

शिविर में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव, जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मानपुर विधान सभा क्षेत्र के विकास में विधायक की सराहनीय पहल जारी

मानपुर। स्वतंत्रमत। अपने क्षेत्र विकास को लेकर सभी जन प्रतिनिधियों का संघर्ष जारी रहता है, जबकि क्षेत्रीय विकास के लिये मानपुर विधायक जी का मेहनत बड़े जोर शोर से होते हुये दिख रहा हैं। मानपुर विधानसभा के क्षेत्रीय जन समुदाय लोगों का कहना है कि अपने क्षेत्रीय विकास के लिये विधायक जी का दौरा प्रदेश और देश की राजधानियों तक अक्सर होता ही रहता है, जिस पहल से क्षेत्रीय विकास का ग्राफ अक्सर बढ़ता रहता है, जिस को लेकर मानपुर क्षेत्र में तीव्रता से विकास होते दिख रहा है, जिसका श्रेय डवल इंजन की सरकार और मंत्री मंडल पर भी जाता है। क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुये मानपुर की लोकप्रिय विधायक वर्तमान में राजधानी भोपाल के प्रवास पर हैं जो राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा जी से मिल कर मानपुर विधान सभा क्षेत्र के अमरपुर में तहसील कार्यालय के लिये मांग पत्र दिये, वहीं दूसरे दिन राकेश सिंह पीडब्ल्यूडी मंत्री मप्र शासन से मिलकर मानपुर क्षेत्र में आवागमन को सुदृढ़ बनाने के लिये कई सड़क और पुल की मांग किये हैं, जिसकी खबर सुन कर मानपुर क्षेत्रीय जन्ताओं में खुशी की लहर दौड़ने लगी, जो मानपुर विधायक सुश्री मीन सिंह और डवल इंजन वाले बीजेपी सरकार को धन्यवाद दे रहे हैं।

लोक कल्याण मेला 30 तक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगरवासियों के लिए लोक कल्याण मेला आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 1 जून से प्रारंभ होकर 30 जून तक नगर पालिका परिसर में संचालित होगा। मेले में पात्र पथ विक्रेताओं एवं स्ट्रीट वेंडर्स से ऋण आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। योजना के तहत प्रथम चरण म 15 हजार रुपये, द्वितीय चरण में 25 हजार रुपये तथा तृतीय चरण में 50 हजार रुपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है।

मिनटों में दर्ज होगी रिपोर्ट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ई-डार पोर्टल के विषय में चर्चा करते हुए जानकारी दी गई कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने ई-डार यानी इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट पोर्टल लॉन्च किया है। हादसा होते ही पुलिस एंबुलेंस और अस्पताल का स्टाफ मौके की फोटो वीडियो चश्मदीद बयान और जीपीएस लोकेशन को तुरंत पोर्टल पर अपलोड करते हैं। यह डेटा सीधे वाहन और अन्य सरकारी डेटाबेस से जुड़ जाता है जिससे गाड़ी का रजिस्ट्रेशन और ड्राइवर का लाइसेंस तुरंत वेरीफाई हो जाता है।

पार्किंग निर्माण का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने मंडला में सुपर मार्केट के पीछे उदय चौक के पास बन रही मल्टी स्टोरी पार्किंग के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। मंत्री श्रीमती उईके ने निर्माण की प्रगति का जायजा लेते हुए काम की गति तेज करने पर जोर दिया निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि शहर में बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए पार्किंग की समय पर उपलब्धता जरूरी है।

गुणवत्ता सुधारने निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जनजातीय कार्य विभाग के क्षेत्र संयोजक विष्णु कुमार सिंगौर द्वारा नारायणगंज विकासखंड अंतर्गत संचालित छात्रावास एवं आश्रम संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता तथा आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया रानी दुर्गावती उत्कृष्ट कन्या छात्रावास एवं कन्या आश्रम, नारायणगंज में निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में 18 तथा कन्या आश्रम में 28 छात्राएं उपस्थित मिलीं।

किसान ओबीसी मोर्चा बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा एवं ओबीसी मोर्चा की जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में किसान हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के प्रस्तावित मंडला प्रवास को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। आगामी प्रवास की तैयारियों कार्यक्रम की रूपरेखा तथा संगठनात्मक व्यवस्थाओं पर पदाधिकारियों के बीच विचार-विमर्श हुआ।

शिक्षा सत्र तैयारियों का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आगामी शिक्षा सत्र 2026-27 की तैयारियों के तहत 13 जून को क्षेत्रीय संयोजक विष्णु सिंगौर द्वारा राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय बालक छात्रावास लिंगा पोंडी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास अधीक्षक अनुपस्थित पाए गए।

एक तरफ खैरी तालाब में जल संरक्षण सौन्दर्य तो दूसरी तरफ कब्जे के खेल से लोगों में आक्रोश, कार्यवाही की मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत बड़ी खैरी के प्राचीन तालाब में जिला प्रशासन की पहल पर जल संरक्षण सौन्दर्य अभियान चलाया जा रहा है। तो दूसरी तरफ एक व्यक्ति विशेष के द्वारा तालाब से लगी जमीन पर कब्जा किए जाने का मामले सामने आया है। लगातार अतिक्रमण होने से लोगों में निराशा है। तालाब संरक्षण को लेकर लाखों रूपए आवंटित किए गए हैं। वहीं शिकायत के बाद राजस्व विभाग ने पंचनामा आदि बनाकर कार्यवाही किए जाने की बात कहीं हैं। वहीं स्थानीय रहवासी और जागरूक नागरिकों का कहना है कि हर दिन तालाब के आसपास कही न कही अतिक्रमण दिखाई देता है। रातों रात अतिक्रमण किया जा रहा है। जबकि ग्राम पंचायत खैरी में 100 वर्ष से अधिक के जल स्रोत तालाब में पिछले कई दिनों से स्थानीय समाजसेवियों द्वारा सफाई एवं सौंदर्यकरण किया गया है। प्रशासन द्वारा इसका सीमांकन भी किया गया है और जनप्रतिनिधियों द्वारा इसके सौंदर्यकरण को लेकर बीते माह कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। नगर का यह तालाब अब अपने अस्तित्व

के लिए लड़ रहा है यह तालाब के जीर्णोद्धार के लिए आप सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है जिस तरह यह तालाब अतिक्रमण की चपेट में आ रहा है इससे तो यही लगता है कि आने वाले समय में इसका अस्तित्व खतरे में है। विगत कई वर्षो से जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत बड़ी खैरी के ऐतिहासिक तालाब को सौन्द्रर्य प्रदान करने की मांग चली आ रही है। वहीं इस तालाब को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराने की मांग भी वर्षो से चली आ रही है। इस तालाब में अपना हक बताते हुए अनेक दावेदार पूर्व में न्यायालय आदि की शरण भी ले चुकें हैं। लेकिन उनके मंसूबे पानी में फिर गए जब अधिकार नही मिला तो इस तालाब पर अतिक्रमणकारी की बौंछार आ गई। स्थानीय ग्रामीण यहां पर अतिक्रमण का जाल बिछाने लगे लिहाजा बड़ी मात्रा में इस तालाब में अतिक्रमण किया जा चुका है। लगभग 8 एकड़ के इस तालाब को नस्ताबूत करने के लिए माफियाओं का गिरोह सक्रिय रहा लेकिन स्थानीय लोगों की पहल पर इस तालाब को बचाने की कवायद आरंभ हो चुकी है। इसी का परिणाम है कि अब इस तालाब के गहरीकरण सौन्द्रीर्यकरण को लेकर काम किया जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, सरपंच सीमा गोठिया और उपसरपंच पंच व स्थानीय ग्रामीण रोजाना श्रमदान कर चुकें हैं और तालाब की साफ सफाई भी की गई थी। साथ ही तालाब में फैली गंदगी को हटाया गया। जिला पंचायत सीईओं ने भी इस तालाब का निरीक्षण किया था। जल संरक्षण की दिशा में खैरी पंचायत के समाजसेवियों और प्रशासन की पहल से सौ वर्षों पुराने ऐतिहासिक तालाब का पुनर्जीवन कार्य प्रारंभ हो चुका है। एक समय था जब यह तालाब न केवल खैरी बल्कि आसपास के ग्रामवासियों के लिए पेयजल, पशुओं के पानी और स्नान का प्रमुख स्त्रोत हुआ करता था। इस जलस्त्रोत के कारण क्षेत्र के कुएं और बोरवेल भी भरपूर जल से लबालब रहते थे। लेकिन विगत कुछ वर्षों से यह तालाब उपेक्षा, अतिक्रमण और कचरा फेंकने का स्थान बन चुका था जिससे इसका अस्तित्व संकट में आ गया था। लगातार गिरते जलस्तर को देखते हुए समाजसेवियों ने इस गंभीर स्थिति को सबके संज्ञान में लाया और जनभागीदारी से इसके जीर्णोद्धार का संकल्प लिया गया। यह प्रयास केवल एक तालाब का जीर्णोद्धार नहीं बल्कि जल संस्कृति की पुनर्स्थापना की मिसाल बनाना है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह कार्य जल संरक्षण की प्रेरणा देगा।

जबकि नगर और नगर से लगी ग्राम पंचायतों के अनेक तालाबों को भू माफिया राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से निगल चुकें है अब ये तालाब कागजों में दिखाई देते हैं खसरा नक्शा में छेड़छाड कर नगर के अनेक तालाबो को भू माफियाओं के नाम कर दिया गया है। जहां पर बड़ी बड़ी दुकानें और प्लाटिंग की जा चुकी हैं। लेकिन खैरी का यह तालाब जैसे तैसे अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है। जिसे जीवन दान दिया जाना समय की मांग है। इस तालाब का अगर गहरीकरण किया जाता है तो आने वाले समय में खैरी, बिनैका, जंतीपुर के साथ नगर मुख्यालय का वॉटरलेबल में काफी हद तक सुधार होगा। वही सैर सपाटा मॉर्निंग वॉक, इंवनिंग वॉक करने वालों के लिए यह स्थान काफी महत्वपूर्ण हो जाएगा। जिला प्रशासन के जबावदार अधिकारियों से स्थानीय ग्रामीणों ने मांग की है कि इस तालाब के तमाम कार्यो को लेकर योजना बनाते हुए राशि स्वीकृत की जाए और यहां फैले अतिक्रमण को हटाते हुए स्थानीय रहवासी और दुकानदारों को अन्य स्थल में विस्थापित किया जाए देखना होगा कि ग्राम पंचायत की इस मांग को कब पूरा किया जाएगा।

महंगी कीमत में बेची खाद दुकान सील

मण्डला(स्वतंत्रमत)

किसानों की शिकायतों के आधार पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए बम्हनी बंजर स्थित मेसर्स सोनल ट्रेडर्स की उर्वरक दुकान को सील कर दिया है। कार्यवाही उप संचालक कृषि अश्वनी झारिया के निर्देशन में की गई जानकारी के अनुसार किसानों द्वारा रासायनिक उर्वरक वितरण में अनियमितता निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूले जाने तथा अन्य शिकायतें कृषि विभाग को प्राप्त हुई थीं। इसके बाद दुकान संचालक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन निर्धारित समय में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया इसके बाद उप संचालक कृषि अश्वनी झारिया, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी की संयुक्त टीम ने दुकान का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकान में उर्वरक विक्रय दर सूची प्रदर्शित नहीं पाई गई किसानों को उर्वरक बिक्री के बिल जारी नहीं किए जाने की बात सामने आई जिसे उर्वरक नियंत्रण संबंधी नियमों का उल्लंघन माना गया निरीक्षण के दौरान किसानों की अधिक कीमत पर उर्वरक बिक्री संबंधी शिकायतों को भी गंभीरता से लेते हुए विभाग ने दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया साथ ही दुकान में उपलब्ध रासायनिक उर्वरकों का भौतिक सत्यापन कर सूची तैयार की गई जिसकी प्रति दुकान संचालक को सौंप दी गई कृषि विभाग ने दुकान संचालक को निर्देश दिए हैं कि वह स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष और जवाब तत्काल प्रस्तुत करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो प्रदत्त उर्वरक विक्रय अनुज्ञप्ति लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित संचालक की होगी।

मिलीभगत की मिसाल, दो साल से अधूरा आंगनबाड़ी भवन

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पिंडरई के पोषक ग्राम सहजपुरी वार्ड क्रमांक 9-10 में वर्ष 2024 में लगभग 4 लाख 50 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण कार्य दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण एजेंसी द्वारा केवल भवन की दीवारें खड़ी कर कार्य को बीच में ही छोड़ दिया गया जिसके कारण आज तक भवन उपयोग के लिए तैयार नहीं हो सका है। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये की स्वीकृत राशि के बावजूद निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही बरती गई है। भवन में न तो छत डाली गई है और न ही दरवाजे एवं खिड़कियां लगाई गई हैं। ऐसे में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन असुरक्षित एवं जर्जर स्थान पर

करने की मजबूरी बनी हुई है। सबसे अधिक परेशानी केंद्र में आने वाले 30 से अधिक छोटे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को उठानी पड़ रही है। बारिश तेज धूप एवं अन्य मौसमीय परिस्थितियों के बीच उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी महिला एवं बाल विकास योजनाओं का लाभ भी प्रभावित हो रहा है। भवन के अभाव में बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार वितरण टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां भी नियमित एवं व्यवस्थित रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं। इससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के उद्देश्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब निर्माण कार्य के लिए लाखों रुपये स्वीकृत किए गए थे तो आखिर दो वर्षों बाद भी भवन अधूरा क्यों है? निर्माण एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा अब तक कार्य पूर्ण कराने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे शासन की छवि भी धूमिल हो रही है तथा ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा अधूरे निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया तो वे जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होंगे। अब देखना यह होगा कि करोड़ों की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के बीच सहजपुरी के मासूम बच्चों को कब तक पक्की छत नसीब हो पाती है और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर लापरवाही पर क्या कदम उठाते हैं।

वरिष्ठ नेताओं से दिल्ली में की मुलाकात

मण्डला(स्वतंत्रमत)

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष पंकज सोनी ने कार्यकर्ताओं के साथ आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से दिल्ली में मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं विधायक सौरभ भारद्वाज तथा बुराड़ी विधायक संजीव झा से भेंट कर उनके राजनीतिक संघर्ष, संगठन निर्माण और जनसेवा के अनुभव के बारे में सुना और समझा तथा मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने नेताओं को मंडला जिले में

आम आदमी पार्टी द्वारा स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सहित विभिन्न जनहितैषी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता लगातार आम जनता की समस्याओं को उठाने और उनके निराकरण के लिए प्रयासरत हैं मुलाकात के दौरान सौरभ भारद्वाज ने मंडला इकाई द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्होंने कार्यकर्ताओं को समय देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर पंकज सोनी एवं उनके साथियों ने सौरभ भारद्वाज और संजीव झा को मंडला आने का आमंत्रण भी दिया जिसे दोनों नेताओं ने सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए भविष्य में मंडला आने की इच्छा व्यक्त की। इस मुलाकात को संगठन के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन से जिले में पार्टी की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इस दौरान जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे।

माहिष्मती घाट में नियमित योग

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा माहिष्मती घाट पर विशेष योग अभ्यास सत्र संचालित किया जा रहा है। इन सत्रों में प्रतिभागियों को अनुलोम-विलोम, ज्ञान मुद्रा, ध्यान मुद्रा, वज्रासन, शवासन, नाड़ी शोधन, नाड़ी विभाजन तथा सूर्य नमस्कार सहित अनेक महत्वपूर्ण योगासन एवं प्राणायाम का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। योग विशेषज्ञों द्वारा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी जा रही है।

बाघ के हमले से वनकर्मी की मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत परिक्षेत्र कान्हा की बीट नकटी घाटी में रविवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। कक्ष क्रमांक 136 स्थित कैंप के समीप घंघारनाला क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान एक वन्यजीव बाघ ने गश्ती दल पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में अग्नि सुरक्षा श्रमिक लखन सिंह गोंड 29 वर्ष की मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसारमृतक लखन सिंह पिता बुद्धसिंह ग्राम आमगहन जिला बालाघाट के निवासी थे और कान्हा टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्यजीव सुरक्षा कार्यों में संलग्न थे।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया साथ ही मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। वन विभाग ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम कार्यवाही के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बम्हनी बंजर लाया गया परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान कर दी गई है तथा शासकीय नियमानुसार देय शेष सहायता राशि भी शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी कान्हा प्रबंधन ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गम वन क्षेत्रों में हिंसक वन्यजीवों के बीच रहकर वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्य करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण है वन्यजीव सुरक्षा के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए लखन सिंह ने सर्वोच्च बलिदान दिया है।

11 आरोपियों से 11 लाख रुपये का मशरूका जब्त

नैनपुर एंव केवलारी पुलिस की संयुक्त जुआरियों पर कार्यवाही

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नगर की सीमा से लगे केवलारी थाना क्षेत्र में नैनपुर व केवलारी पुलिस ने बड़ी जुआ फड पर कार्रवाई करते हुए 11 जुआरियों को घर दबोचा है। केवलारी छींदा चौकी अंतर्गत ग्राम किमाची के पास थावर से लगे पोहप लाल साहू के खेत पर चल रहे लंम्बे समय से जुआ फड पर दबिश देकर कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में एसडीओपी मनीष राज एंव एसडीओपी केवलारी आशीष भराडे के मार्गदर्शन में थाना केवलारी एवं थाना नैनपुर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से बड़ी कार्यवाही करते रात्रि 4:15 बजे मुखबिर की सूचना पर थाना केवलारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम किमाची, चौकी छींदा के पास थावर नदी के सरहदी क्षेत्र में पोहप लाल साहू के खेत में दबिश दी। यहां 52 ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते 11 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया । जुआ खेलते नरेन्द्र पिता मंगल रैकवार , आशीष पिता महासिंह ठाकुर , आशीष पिता दशरथ यादव, ब्रजेश पिता बसंत भलावी, सीताराम पिता सुरेश ठाकुर , अनिल पिता दिलीप नंदा , नीरज पिता रामेश्वर सोनी, जयप्रकाश पिता विजय कुमार चक्रवर्ती , अरविंद पिता हीर सिंह भलावी, शेख रिजवान उर्फ गोलू खान पिता शेख शमशीर, जय चारोली पिता गणेशमल चारोली को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी शेख रिजवान उर्फ गोलू खान ने बताया कि धर्मेन्द्र ठाकुर द्वारा जुआ खिलाने के लिए प्रेरित किया था तथा खिलाड़ियों से नाल काटकर नाल खाता था। जिन्हें पकड़ कर

गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। जुआरियों से पास से 52 ताश के पत्ते, नगद 1,13,240 रुपये , 13 मोबाइल, 1 टवेरा वाहन क्र. स्क्क20 क्र4891 , 5 दोपहिया वाहन स्प्लेंडर स्क्क51स्न4029, प्लेटिना स्क्क51स्न8874, ।।स्न डीलक्स स्क्क22स्क्र5711, बिना नंबर की होंडा साइन, ड्यूक स्कूटी स्क्क20स्त्त1591, 2 मोबाइल, एलईडी लाइट, एक्साइड बैटरी, वायर, तिरपाल एवं दरी सामिल है कुल जप्त मशरूका का अनुमानित मूल्य 11,05,240 रुपये है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका*

निरीक्षक प्रीतम सिंह तिलागाम, प्र.आर. 769 देवीसिंह रघुवंशी, आर. 189 संजय देवगडे, आर. 736 दुर्गेश पटेल, एसडीओपी मनीष राज नैनपुर।

इंडक्शन प्रशिक्षण में सहभागिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बाल कल्याण समिति सदस्य रंजीत कछवाहा एवं तृप्ति शुक्ला ने भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित 13 दिवसीय आवासीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की। यह प्रशिक्षण 1 से 13 जून तक नवनियुक्त बाल कल्याण समिति अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था प्रशिक्षण का आयोजन सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान नई दिल्ली द्वारा किया गया। कुल 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 तथा बाल कल्याण समितियों की भूमिका दायित्वों एवं कार्यप्रणाली से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। भोपाल स्थित विभिन्न बाल देखरेख संस्थाओं विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी राजकीय बाल संरक्षण एवं मातृशक्ति बालिका गृह एसओएस चिल्ड्रेन विलेज तथा ओपन शेल्टर होम का अध्ययन भ्रमण भी कराया गया कार्यक्रम की संपूर्ण प्रभारी डॉ. नवीदा खातून डिप्टी डायरेक्टर एसपीएनआईडब्ल्यूसीडी नई दिल्ली रहीं उनके नेतृत्व में प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

संपादकीय

अब खाद्य-संकट की आहट

बेशक प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के 12 साल पूरे करने का जश्न भाजपा-एनडीए मनाए, लेकिन देश का औसत किसान कब जश्न मना पाएगा, यह भी यक्ष-प्रश्न से कम नहीं है। भारत सरकार को उर्वरक, खाद सबसिडी 3.42 लाख करोड़ रुपए करनी पड़ सकती है। यह सब्सिडी कंपनियों को दी जाएगी, ताकि वे खाद का पर्याप्त बंदोबस्त कर सकें। बजट में इस सब्सिडी का करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए का अनुमान रखा गया था। खाद के संकट के साथ देश की खाद्य-सुरक्षा भी जुड़ी है। यदि कमजोर मॉनसून और अल नीनो के कारण, खाद के अभाव में, उपज कम हुई, तो खाद्यान्न की कमी के कारण देश में खाद्य-संकट के हालात भी बन सकते हैं। कृषि विशेषज्ञ गेहूं, चावल, दलहन की उपज कम आंक रहे हैं, लिहाजा उनके आकलन हैं कि दक्षिण एशिया में सूखे के गंभीर आसार बन रहे हैं। उन देशों में भारत भी शामिल है। फिलहाल सरकार दावा कर रही है कि खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन बुनियादी समस्या उर्वरक और एलएनजी की है। हमें दोनों का आयात करना पड़ता है। करीब 59 फीसदी एलएनजी खाड़ी देशों से आयात होती रही है, जिसमें करीब 43 फीसदी एलएनजी अकेला कतर हमें सप्लाई करता था। ईरान युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से कतर की रिफाइनरी, एलएनजी के ढांचे, तेल के अन्य ठिकाने नष्ट हुए हैं, लिहाजा कतर को उत्पादन बहुत कम करना पड़ा है, नतीजतन आपूर्ति बाधित है। भारत में अब खरीफ की फसलों की बुवाई का समय है। खाद का भारत का आयात बिल करीब 74 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के प्रतिनिधि किसानों को सलाह दे रहे हैं कि यूरिया, डीएपी खाद का इस्तेमाल कम करें। जैविक, प्राकृतिक खेती पर फोकस है, लेकिन सरकारी अधिकारी यह नहीं जानते कि प्राकृतिक खेती के लिए औसत खेत तीन साल में तैयार होता है। यह खेती छोटे भू-भाग पर भी नहीं की जा सकती। किसान जिस खाद का इस्तेमाल करते हैं, उसका एक मोटा हिस्सा जमीन के भीतर रिस कर और भूमिगत जल के साथ मिल कर आसपास के खेतों में चला जाता है। उससे जैविक खेती प्रभावित, खादयुक्त हो जाती है। फिर वह प्राकृतिक खेती रहती ही नहीं। भारत में करीब 6.01 करोड़ टन खाद की सालाना खपत होती है। बेशक 90 फीसदी एनपीके का उत्पादन देश में ही किया जाता है और 87 फीसदी यूरिया का उत्पादन भी हम करने में सक्षम हैं, लेकिन उर्वरक संयंत्रों को चलाने के लिए भी एलएनजी चाहिए। बहरहाल, कमजोर मॉनसून, अल नीनो के प्रभाव से भारत के राजस्थान, गुजरात के कच्छ क्षेत्र, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल और कर्नाटक आदि राज्यों में सूखे, खाद्य-संकट के आसार बन रहे हैं। कम उत्पादन के कारण चावल, दालों, सब्जियों की आपूर्ति और उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। उससे खाद्य मुद्रास्फीति में भी बढ़ोतरी की आशंका है। विश्व में 26.6 करोड़ लोग सूखे और खाद्य-संकट के शिकार हो चुके हैं। उन देशों में एशिया के भी कई देश हैं, लेकिन शुक्र है कि भारत फिलहाल उस जमात में नहीं है। सरकारों ने सूखे से निबटने के लिए जिला स्तरीय समितियां बनाई हैं। फसल विविधीकरण के प्रयास भी जारी हैं, लेकिन किसान की उपज पर्याप्त नहीं होगी, तो वह बाजार में क्या बेचेगा? यदि व्यापार अच्छी तरह नहीं कर पाएगा, तो उसकी आय कैसे बढ़ेगी? औसत किसान आज भी 10,000 रुपए माहवार कमा पाता है। उसमें भी खेती की आमदनी कम और मजदूरी का मेहनताना ज्यादा है। खेती की लागत बढ़ रही है, जबकि किसानों की आमदनी में पर्याप्त इजाफा नहीं हो पा रहा है। गांवों के लोग अब खेती को छोड़ रहे हैं और मजदूर बनकर अपना गुजारा कर रहे हैं। खेती को लाभदायक बनाने की घोषणाएं होती हैं, पर हकीकत इससे दूर है।

'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक

मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णत: सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है।

इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णत: सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना भी सुदृढ़ होगी। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसद, उद्योग, सेना या प्रशासन तक सीमित नहीं है। परिवार का निर्माण और उसका संरक्षण भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इस कार्य की सबसे बड़ी वाहक महिला है। लेकिन यदि वही महिला हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा का सामना करती रहे, तो राष्ट्र निर्माण का यह सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए आज आवश्यकता केवल महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने की नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल्य समझने की है।

युद्ध और ट्रम्प के बदलते दांव

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अस्थिर मानसिकता और ईरान के अड़ियल रवैये का खामियाजा पूरी दुनिया भुगत रही है। कल तक ईरान ने तेल भंडार खार्ग द्वीप पर कब्जा कर और भीषण हमले का ऐलान करने वाले ट्रम्प ने फिर कलाबाजी खाते हुए समझौता जल्द होने संबंधी बयान देकर दुनिया की उम्मीदें जगा दी हैं। यह स्पष्ट है कि अमेरिका अंतहीन युद्ध में उलझने का जोखिम नहीं उठा सकता लेकिन तनातनी के चलते पूरी दुनिया में हालात बदतर हो रहे हैं। तेल और ऊर्जा संकट गहरा रहा है। ट्रम्प अपना दांव लगातार बदलते जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध के दौरान भारत को लेकर अमेरिका के दोहरा चरित्र उजागर हो रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका में तीन भारतीय जहाजों पर अटैक कर चुका है जिसमें तीन भारतीयों की मृत्यु हो चुकी है। भारत ने इसको लेकर अमेरिका के सामने कड़ा प्रतिरोध दर्ज कराया है। भारत ने इस मामले को यूएनओ में भी उठाया है। चिंता की बात यह है कि वैश्विक समुद्री कार्यबल में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक कार्यरत हैं और ऐसे हमलों में भारतीय नागरिकों की जान गई है या वे लापता हुए हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष के बढ़ने और अन्य देशों तक फैलने से गंभीर चिंता पैदा हुई है। बढ़ती तबाही, मौतों तथा सामान्य जीवन और आर्थिक गतिविधियों के बाधित होने का भारत पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है, क्योंकि भारत इस क्षेत्र का निकटवर्ती पड़ोसी है और क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। अमेरिका एक तरफ हिन्द प्रशान्त क्षेत्र में शांति की बात करता है, इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त करता है। वहीं दूसरी ओर होर्मुज पर जलसंधि को लेकर अमेरिका की नीति अपने प्रभाव को बढ़ाने की है। इधर अब यह भी सवाल उठने लगे हैं कि भारत को क्या अमेरिका के साथ क्वाड में रहना चाहिए या नहीं। मार्च से लेकर जून तक इस युद्ध में अब तक 9 भारतीयों की मृत्यु हो चुकी है। युद्ध के कारण खाड़ी देश में रहने वाले भारत के लोग भी बहुत प्रभावित हुए हैं। खाड़ी देश में भारत की एक बहुत बड़ी आबादी रहती है। युद्ध के कारण उनके रोजगार पर खासा असर पड़ा है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमलों की शुरूआत को 100 दिन से अधिक वक्त हो गया। इन हमलों को क्रमश: एपिक फ्यूरी और राइजिंग लॉयन का नाम दिया गया था। अब यह युद्ध पहले विश्व युद्ध की लड़ाई के उस हिस्से की तरह हो गया है जहां दोनों ही पक्ष बिना किसी उल्लेखनीय सफलता के लगातार लड़ रहे हैं। अयातुल्ला खामेनेई सहित कुछ शीर्ष नेताओं के मारे जाने, अहम बुनियादी ढांचे को व्यापक तौर पर नष्ट किए जाने और करीब 3,500 मौतों के बावजूद ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम समाप्त करने और हिजबुल्लाह जैसे राजनीतिक साझेदारों को त्यागने की अमेरिका और इजराइल की मांग के समक्ष नहीं झुका है। यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया है जहां अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगी कतर, बहरीन और यूएई अपने तेल और गैस बुनियादी ढांचे के विनाशकारी नुकसान का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान द्वारा कराई गई युद्ध विराम वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई क्योंकि दोनों पक्ष अपनी अधिकतम मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इस बीच शेष विश्व को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है क्योंकि ईरान और अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के दोनों सिरों को अवरुद्ध कर रखा है। यही वह मार्ग है जहां से दुनिया के कुल कच्चे तेल और गैस का करीब 40 फीसदी आता-जाता है। लड़ाई के पहले जहां इस मार्ग से रोज करीब 100 से अधिक पोत निकलते थे वहीं अब इनकी संख्या घटकर 7 रह गई है। इसके चलते असाधारण वैश्विक तेल संकट उत्पन्न हुआ है

यूक्रेन और ईरान में चल रहे संघर्षों से दो मूलभूत सबक मिलते हैं कि महाशक्तियों की भी अपनी सीमाएं होती हैं और लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों में घातक हथियारों के विशाल भंडार से कहीं अधिक लचीलापन मायने रखता है। दोनों संघर्षों में कमजोर देशों ने मजबूत विरोधियों का सामना करने में असाधारण लचीलापन दिखाया है। इसके अलावा, रणनीतिक और सैन्य क्षमताओं में असमानता के बावजूद, न तो रूस और न ही अमेरिका अपने-अपने संघर्ष में अपने रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त कर सके। उन्होंने परमाणु हथियारों को छोड़कर हर संभव हथियार का इस्तेमाल किया, फिर भी वे अपने प्रतिद्वंद्वियों के संकल्प को तोड़ नहीं सके। न ही कोई भी शासन को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर सका। इसके विपरीत, वर्तमान स्थिति में, यूक्रेन और ईरान युद्ध की शर्तें और शांति की स्थितियां तय कर रहे हैं। वे विजेता नहीं हैं, लेकिन वे हारे भी नहीं हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात है उनके राजनीतिक नेतृत्व की दृढ़ इच्छाशक्ति। जिन राज्यों ने पलटवार करने का राजनीतिक संकल्प दिखाया, वे अधिक शक्तिशाली राज्यों की योजनाओं को विफल करने में सफल रहे।

यूक्रेन और ईरान दोनों को भारी जानमाल का नुकसान हुआ है और इससे उबरने में वर्षों लगेंगे। फिर भी, उन्होंने आक्रमणकारी राज्यों की योजनाओं को विफल करने में उल्लेखनीय लचीलापन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। आम धारणा के अनुसार, नेतन्याहू शांति स्वीकार करने से पहले अधिक से अधिक सुरक्षा गारंटी चाहते हैं लेकिन, उनका लगातार युद्ध वाला रवैया शांति का मार्ग नहीं हो सकता; बल्कि यह शांति को अनिश्चितकाल के लिए टालने का एक तरीका हो सकता है। एक वास्तविक समझौता अनिवार्य रूप से उन सवालों को फिर से उठाएगा जिन्हें युद्ध टाल देता है। इससे राजनीतिक जवाबदेही, गठबंधन की अस्थिरता और उन कानूनी चुनौतियों पर फिर से ध्यान जाएगा जिन्होंने वर्षों से नेतन्याहू के प्रधानमंत्रित्वकाल को प्रभावित किया है। फिलिस्तीनी, लेबनानी, ईरानी और खाड़ी अरब आबादी समान रूप से एक ऐसे संघर्ष में फंसी हुई है जिसका जारी रहना जीवन और आजीविका के लिए खतरा है। बेहतर यही होगा कि दोनों पक्ष समझौता करें। युद्ध खत्म हो ताकि दुनिया राहत की सांस ले सके।

बात पते की

...अब तो नदियों पर दया करो तथाकथित भक्तो

देव शंकर अवस्थी

गर्मी यानी सैरसपाटे के दिन। तपन से राहत पाने हिमालय की तराई, हिल स्टेशन, नदियों के उद्गमस्थल पहली पसंद। विशेषकर चारधाम यात्रा में लोग गंगोत्री, यमुनोत्री जाना नहीं भूलते। उन स्थानों पर तो हर किसी को जाना चाहिए, जहां प्रकृति ने जलरूपी अमृत को उड़ेला। ऐसे स्थलों पर हम जाएं लेकिन वहां का विचार भी अवश्य करना चाहिए, जहां इसी अमृततुल्य जल को विषैला बना दिया। यमुनोत्री में यदि हम श्रद्धा से नतमस्तक हैं तो दिल्ली में यमुना की दुर्दशा देख हमारा सिर कब तक शर्म से झुकता रहेगा? यमुना को साफ-स्वच्छ बनाने वाले चुनावी मुद्दे पर अब भरोसा नहीं रहा। गंगा को स्वच्छ रखने वाली बातों पर संदेह होना स्वाभाविक है। अब नर्मदा की बात करें तो अमरकंटक के स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है। अमरकंटक में जगह-जगह पन्नी, डिस्पोजल के अंबार मिल जाएंगे। होटल, रेस्तरां, आश्रमों-धर्मशालाओं का निस्तारी पानी कहां जाता होगा, इसे सहज ही समझा जा सकता है। डिंडौरी में शहर और किनारे के भवनों से निकले नाले-नालियां सीधे नर्मदा में मिलते हैं। यही कहानी मंडला की है। जबलपुर जैसे बड़े शहर की गंदगी घूम-फिरकर नर्मदा में जाकर समाती है। तथाकथित भक्तों की चर्चा करें तो इनमें अधिकांश के हाव-भाव, नर्मदा तटों पर इनकी पूजा पद्धति देखकर पाखंड की बू आती है। घाटों में डस्टबिन होने के बाद भी जहां-तहां पालीथीन, डिस्पोजल, कूड़ा-कचरा डालने में इन्हें तनिक भी संकोच नहीं। ये तो घर से लाए सूखे फूल, हवन सामग्री नर्मदा की धार में.. नर्मदे हर.. बोलकर प्रवाहित करते हैं। कोरोना काल में नदियां इतनी साफ-स्वच्छ हुईं कि तलहटी दिखाई देने लगी। इसका मुख्य कारण इन भक्तों के कदम घाटों पर नहीं पड़े। चंबल नदी का धार्मिक महत्व उतना नहीं है इसलिए वह साफ है, अगर होता तो ये भक्त वहां के हर घाट को कचरे से पाट देते। यही तो दुर्भाग्य है कि जिन देशों में नदियों को मां नहीं माना जाता, वहां की नदियां साफ-स्वच्छ हैं। मां मानने वालों ने नदियों को कहीं का नहीं छोड़ा। कुछ कसर बाकी रही तो रेत चोरों ने पूरी कर दी। जलधारा से रेत तो निकाली ही, हजारों-लाखों साल से बनीं कगारों का खनन कर नदियों का नक्शा और पानी का प्रवाह बदल दिया। पता नहीं धार्मिक और पर्यटन स्थलों को प्रदूषणमुक्त रखने की सुध कोई लेगा भी या नहीं।

सुपर अल नीनो की चर्चा

इस समय पूरी दुनिया में मौसम के बदलते मिजाज की चर्चा है। गर्मी की तपन देखकर मौसम विज्ञानियों को आशंका है कि दुनिया सुपर अल नीनो की चपेट में आ सकती है। बताते हैं कि जब प्रशांत महासागर का तापमान तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है, तब दुनिया की अधिकांश आबादी भीषण गर्मी और सूखे की शिकार बनती है। 1876-78 में ऐसा प्रकोप आया था, तब भारत में 55 लाख से अधिक लोग काल के गाल में समा गए थे। सुपर अल नीनो की आहट व ईरान के घटनाक्रम से गरीब और मध्यम अर्थव्यवस्था वाले देशों में घबराहट होना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री भी देशवासियों से भविष्य की चुनौती से सतर्क रहने की अपील कर चुके हैं। अत: अब खतरे से दो-चार होने की आशंका अधिक है।

...और अंत में

कहते हैं प्रतिभा छप्पर फाड़कर चिल्लाती है। वह किसी मदद की मोहताज नहीं। यह कर दिखाया है रायपुर स्थित तिल्दा निवासी चारु पांडेय ने, जिन्होंने मात्र 23 वर्ष की आयु में राज्य और केंद्र सरकार की 19 प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित की। इतनी कम आयु में चारु ने कीर्तिमान स्थापित किया है। चारु की इस असाधारण उपलब्धि के लिए आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह में उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

तृण-तृण बिखरती तृणमूल

मृत्युंजय दीक्षित

जब 4 मई 2026 को बंगाल जनता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार की विदाई का जनादेश सुनाया तब किसी ने भी सपने नहीं सोचा था कि इस हार के बाद तृणमूल कांग्रेस तृण तृण होकर बिखरने लगेगी। बंगाल विधानसभा में तृणमूल के 80 विधायक जीतकर आए थे जिनमें से पहले 58 विधायक अलग हुए फिर उनकी संख्या बढ़कर 64 हो गई, नेता प्रतिपक्ष भी उन्होंने अपने मन का बना लिया। लोकसभा में 19 सांसदों ने बागी होकर अलग गुट बना लिया है, बागियों की संख्या आगे भी बढ़ सकती है। राज्यसभा सांसदों के त्यागपत्र भी आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद सुखेदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव तथा प्रकाश चिक बराईक इस्तीफा दे चुके हैं। आश्चर्यजनक रूप से ममता के सबसे करीबी कल्याण बनर्जी भी बगावती तेवर दिखा रहे हैं। जिला और पंचायत स्तर पर भी पार्टी की यही स्थिति है।

मात्र एक महीना पहले तक यही सांसद और विधायक ममता दीदी के साथ साए की तरह लगे रहते थे। जैसे ही बंगाल की जनता ने सत्ता बदली इन नेताओं का रुख बदल गया। आज ये नेता जिन विषयों पर ममता और अभिषेक बनर्जी को कोस रहे हैं सत्ता में रहते हुए कभी उन विषयों पर मुंह नहीं खोला, आर.जी. कर और संदेशखाली तक ये लोग मुंह में दही जमाए थे। राजनैतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं जिनके ऊपर कोई न कोई केस चल रहा है और सत्ता जाने के बाद ममता दीदी में इनको बचाने का सारथ्य नहीं रहे तो ये भविष्य में किसी जांच और सजा से बचने के लिए ऐसा कर रहे हैं। तृणमूल सांसदों व विधायकों की लगातार बगावत से यह संकेत भी जा रहा है कि क्या ममता दीदी का अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रति अधिक झुकाव उनकी पार्टी की इस हालत का कारण है। इससे तृणमूल के बागी नेताओं के स्वार्थी चरित्र की भी पोल खुल रही है। दल में तानाशाही इनको तब दिखाई दी जब सत्ता की मलाई छीन गई, यदि अभिषेक बनर्जी की अगुआई में पार्टी जीत गई होती और इनका लूट खसोट का धंधा चलता रहता तो इनकी आज जागी हुई आत्मा सोई पड़ी रहती।

आज जो सांसद बगावती तेवर अपना रहे हैं उनमें से दस पहली बार चुनकर आए हैं। ये तृणमूल नेताओं की वो पीढ़ी है जिसे ममता बनर्जी ने बीजेपी के खिलाफ लड़ाई का नया चेहरा बनाकर आगे बढ़ाया था। अब यही लोग अपना भविष्य सुधारने के

लिए ममता दीदी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, क्योंकि ये जानते हैं बंगाल में सत्ता में आई पार्टियाँ कम से कम डेढ़-दो दशक सता में रहती हैं, इस तरह आने वाले 15-20 वर्षों तक इनका कोई भविष्य नहीं होगा।

तृणमूल नेताओं के प्रति जनता के गुस्से का आलम ये है कि चुनाव में पार्टी को धूल चटाने के बाद भी उसका मन नहीं भरा है। आए दिन तृणमूल नेताओं की सड़कों पिटाई की जा रही है। तृणमूल नेता जहां भी जाते हैं जनता उन्हें चोर-चोर कहकर पुकारती है और उन पर टमाटर-अंडे फेंकती है। अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे नेताओ तक पर अंडे टमाटर फेंके जा चुके हैं और पिटाई हो चुकी है। यह भी संभव कि बंगाल की जनता में व्याप्त इस भयंकर आक्रोश से बचने के लिए भी तृणमूल नेता बगावती हो रहे हों।

तृणमूल के जिला स्तरीय नामचीन नेता इस्तीफा दे रहे हैं। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, चंदन नगर के मेयर राम चक्रवर्ती, बिधान नगर के मेयर कृष्णा चक्रवर्ती और कटवा म्युनिसिपलिटी चेयरमैन कमलकांता चक्रवर्ती ने सौ से अधिक पार्षदों सहित इस्तीफा दे दिया है। राज्यभर से तृणमूल से लगातार इस्तीफों व बगावत के समाचार आ रहे हैं। हुगली, नादिया, मुर्शिदाबाद और उत्तर व दक्षिण - 24 परगना जैसे गढ़ों में प्रतिदिन पंचायत सदस्यों के पाला बदलने की ख़बरें आ रही हैं। टीएमसी में बगावत व इस्तीफों के बाद कोलकाता नगर निगम ही भंग कर दिया गया है।

बंगाल में यह भी दावा किया जा रहा है कि इनमें से बहुत से लोग जेल जाने से बचने के लिए यह तरीका अपना रहे हैं। अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर मॉडल का कुख्यात चेहरा और चुनावों के दौरान अपने आप को पुष्पा कहने वाला फाल्टा विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार जहाँगीर खां के जेल जाने से अफरा तफरी का माहौल है। तृणमूल नेताओं के पाप जैसे उतरा रहे हैं। बंगाल पुलिस को संदेशखाली के तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार मिले हैं, एक खेत से करोड़ों का कैश और हथियार मिले हैं। बमों व अन्य हथियारों की फैक्ट्रियां मिल रही हैं। हजारों की संख्या में सफ़ेद साड़ियाँ मिली हैं जो तृणमूल ने चार मई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की विधवाओं को देने के लिए रखी थीं यदि गलती से भी तृणमूल जीत जाती तो यही लोग जो आज इस्तीफा देकर भाग रहे हैं भाजपा कार्यकर्ताओं के नर संहार का नेतृत्व करते।

अपराधों की जो फेहरिस्त है उसे देखकर लगता है कि ममता दीदी और उनके चाटुकारों का शेष जीवन अब कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने या फिर जेल में ही बीतने वाला है। एक समय वाराणसी लोकसभा से पीएम नरेंद्र मोदी को हराने और दिल्ली आकर इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली ममता दीदी के लिए अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा कर रखना भी मुश्किल हो चुका है।

इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश सेना का बड़ा ऑपरेशन, पहली बार कब्जे में लिया रूस का शैडो फ्लीट तेल टैंकर

लंदन

यूक्रेन युद्ध के लिए मॉस्को की फंडिंग रोकने के उद्देश्य से ब्रिटिश सेना ने एक बड़ा अभियान चलाते हुए पहली बार इंग्लिश चैनल में रूस के एक शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) के तेल टैंकर 'SMYRTOS' को रोका है।

रविवार तड़के, ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र में छह घंटे चले एक अभियान के दौरान, रॉयल मरीन कमांडो और राष्ट्रीय अपराध एजेंसी के विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों ने SMYRTOS नामक जहाज पर धावा बोला। इस रूसी जहाज पर चिनूक हेलीकॉप्टर और दूसरे एयरक्राफ्ट, एक फ्रिगेट और एक माइनहंटर की मदद से कब्जा किया।

इस अभियान में मैरीटाइम एयर ग्रुप के विमानों, जिनमें चिनूक, मर्लिन एमके4 और वाइल्डकैट हेलीकॉप्टर शामिल थे, साथ ही आरएएफ के पी-8 निगरानी विमान और रॉयल नेवी के युद्धपोत एचएमएस सदरलैंड और एचएमएस लेडबरी ने भी सहयोग किया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस सफल ऑपरेशन ने रूस को एक और बड़ा झटका दिया है। यह यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को हवा देने वालों को याद दिलाता है कि हम उन्हें छिपने नहीं देंगे।

इस ऑपरेशन के बाद ब्रिट्रेन की ओर से एक सरकारी बयान में कहा गया कि टैंकर को इंग्लैंड के दक्षिणी तट के पास एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है, जहां जांच जारी रहने तक उस पर निगरानी रखी जाएगी। यह ऑपरेशन फ्रांस के साथ करीबी तालमेल में किया गया है।

नेतृत्व की चुनौतियों से जूझ रहे और पिछले सप्ताह सैन्य खर्च के विवाद में अपने रक्षा सचिव को खो चुके प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने मार्च में ब्रिटिश सेना को रूसी जहाजों पर कार्रवाई करने और उन्हें रोकने की अनुमति दी थी।

पश्चिमी सरकारों का आरोप है कि ये %शैडो फ्लीट% जहाज कड़े पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को को अवैध रूप से तेल निर्यात करने में मदद करते हैं।

हालांकि, रॉयटर्स के एक विश्लेषण के मुताबिक, प्रधानमंत्री के इस कड़े रुख का ब्रिटेन के जलक्षेत्र से गुजरने वाले रूसी जहाजों की संख्या पर तत्काल कोई खास असर नहीं पड़ा है। इस विश्लेषण से साफ हुआ कि इस नीतिगत घोषणा के पहले और बाद में ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र से गुजरने वाले रूसी जहाजों की संख्या लगभग समान बनी रही।

ब्रिटिश सेना ने रविवार को इंग्लिश चैनल में जिस कैमरून के झंडे के नीचे चल रहे जहाज को रोका, वह पहली बार यूक्रेन में रूस के युद्ध को फंड जुटाने में मदद किया था।

ईरान पर हमलों में एआई के इस्तेमाल ने हमारी सीमाओं का उल्लंघन नहीं : एंथ्रोपिक

वॉशिंगटन, (वार्ता)। ईरान में अमेरिकी सैन्य अभियान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल को लेकर उठे सवालों के बीच एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई ने कहा है कि मीनाब बालिका स्कूल पर एआई की मदद से किये गये हमलों ने कंपनी की निर्धारित सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया था। श्री अमोदेई ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा कि उन्हें यह ठीक-ठीक जानकारी नहीं है कि एआई मॉडल का किस तरह इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा, जिस मामले की बात की जा रही है, उसने हमारी सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया। उन्होंने अंतिम निर्णय की जिम्मेदारी तकनीक के बजाय इंसानों पर डालते हुए कहा, अंतिम फैसला एक इंसान ने लिया था। रिपोर्टों के अनुसार, 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के पहले दिन अमेरिकी सेना ने एंथ्रोपिक की एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राथमिक विद्यालय को टॉमहॉक मिसाइलों से निशाना बनाया था। इस हमले में 170 से अधिक छात्र और शिक्षक मारे गये थे। इसी दिन दक्षिणी ईरान के लामेर्द शहर के एक खेल परिसर पर भी हमला किया गया था, जिसमें 24 नागरिकों की मौत हुई थी।

क्या एक करोड़ पर थम जाएगी स्विट्ज़रलैंड की आबादी, जनसंख्या नियंत्रण कानून पर हो रही वोटिंग

बर्न

स्विट्ज़रलैंड इतिहास में पहली बार अपनी जनसंख्या पर औपचारिक सीमा लगाने के वोटिंग करा रहा है। यहां के लोग आबादी को 1 करोड़ (10 मिलियन) तक सीमित करने के प्रस्ताव पर वोट करेंगे।दक्षिणपंथी स्विस पीपुल्स पार्टी द्वारा पेश इस प्रस्ताव में साल 2050 तक देश की आबादी को 10 मिलियन (1 करोड़) तक सीमित करने की मांग की गई है। जहां एक तरफ समर्थकों का मानना है कि बेकाबू आप्रवासन के कारण ट्रेनों में भीड़, महंगे मकान और बुनियादी ढांचे पर असहनीय दबाव बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकार, व्यापार संगठनों और आलोचकों ने इसे बेतुका और खतरनाक कदम बताया है। आलोचकों का तर्क है कि इस फैसले से देश में गंभीर लेबर शॉर्टेज (कामगारों की कमी) हो जाएगी और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त आवागमन समझौता टूटने से स्विट्ज़रलैंड आर्थिक रूप से अलग-थलग पड़ सकता है। पूरे यूरोप की नजरें अब इस स्विस जनमत संग्रह पर टिकी हैं, जिसे देश का ब्रेक्सिट मोमेंट कहा जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले दो दशकों में स्विट्ज़रलैंड की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। 2002 में यूरोपीय संघ के साथ देश के मुक्त आवागमन समझौते के लागू होने के बाद से जनसंख्या लगभग 73 लाख से बढ़कर 91 लाख से अधिक हो गई है। आज, लगभग 27% निवासी विदेशी नागरिक हैं, जो यूरोप में सबसे अधिक अनुपातों में से एक है।

एसवीपी और समर्थकों का तर्क है कि अनियंत्रित आप्रवासन से ट्रेनों में भीड़, महंगे आवास और बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ा है, जिससे स्विट्ज़रलैंड अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच रहा है। इसके विपरीत, आलोचकों और ग्रीन पार्टी का कहना है कि राजनीतिक-आर्थिक कमियों को छिपाने के लिए प्रवासियों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है।

इस प्रस्ताव के तहत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि 2050 से पहले स्विट्ज़रलैंड की जनसंख्या 10 मिलियन से अधिक न हो। यदि जनसंख्या 95 लाख तक पहुंच जाती है, तो अधिकारियों को प्रवासन को रोकने के लिए उपाय करने होंगे। इनमें शरण संबंधी सख्त नियम और विदेशी निवासियों के लिए परिवार के पुनर्मिलन पर प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं। यदि जनसंख्या नियंत्रण के अन्य उपाय विफल रहे, तो स्विट्ज़रलैंड को यूरोपीय संघ के साथ अपना मुक्त आवागमन समझौता तोड़ना पड़ सकता है, जो दोनों ओर के नागरिकों को स्वतंत्र रहने और काम करने की आजादी देता है।

हालांकि, इस ऐतिहासिक प्रस्ताव को पारित होने के लिए देश के बहुसंख्यक मतदाताओं और कैंटन (राज्यों) दोनों की मंजूरी जरूरी है। स्विस सरकार, व्यापारिक संगठनों और यूनियनों ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे देश की समृद्धि के लिए खतरा बताया है। आलोचकों का तर्क है कि स्विट्ज़रलैंड का स्वास्थ्य, तकनीक, वित्त और होटल उद्योग विदेशी कामगारों पर बहुत अधिक निर्भर है। तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण आने वाले समय में श्रमिकों और करदाताओं की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में प्रवासन पर रोक से श्रम संकट गहरा सकता है।

ईरान अमेरिका के साथ समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल न लेने पर सहमत हुआ

मास्को, (स्पूतनिक/वार्ता)। ईरान अमेरिका के साथ एक समझौते के तहत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने वाले जहाज़ों से टोल न लेने पर सहमत हो गया है। फॉक्स न्यूज़ ने सूत्र के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। चैनल ने बताया है कि ईरान उस रणनीतिक जलडमरूमध्य को खोल देगा जहाँ कोई टोल नहीं लिया जाएगा। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चैनल को बताया कि अगर यह समझौता हो जाता है, तो ईरान के जलडमरूमध्य खोलने के साथ ही अमेरिका नाकेबंदी हटा लेगा, जिसके बाद बारूदी सुरंगें हटाने का काम शुरू होगा। इससे पहले, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि ईरान और ओमान जल्द ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य में शिपिंग मैनेजमेंट पर एक संयुक्त बयान जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि टोल लेने के बारे में कोई बात नहीं हुई है, लेकिन सेवाओं के लिए शुल्क लिए जाने की उम्मीद है।

इबोला का प्रकोप जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 138 हुई

जिनेवा, (वार्ता)

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) और युगांडा में बुंडिबुग्यो वायरस के कारण फैली इबोला बीमारी का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अभी तक इस जानलेवा वायरस से 138 लोगों की जान जा चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार दोनों देशों में अब तक इस बीमारी से संक्रमित 695 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 138 लोगों की मौत हो चुकी है।

कांगो में स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है, जहाँ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 676 हो गई है और 136 लोगों की जान जा चुकी है। यहाँ मृत्यु दर 20.1 प्रतिशत दर्ज की गई है। कांगो के इतुरी प्रांत में इस बीमारी का सबसे ज्यादा असर देखा जा रहा है। राहत और बचाव कार्य में जुटे कम से कम 16 स्वास्थ्य कर्मी भी इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं। कांगो में सुरक्षा से जुड़ी घटनाएं और आबादी का लगातार पलायन इस बीमारी को नियंत्रित करने में बड़ी बाधा बन रहा है।

पड़ोसी देश युगांडा में अब तक इबोला के 19 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें से दो मरीजों की मौत हुई है। इसके अलावा एक संभावित मरीज की भी जान गई है। युगांडा में राहत की बात यह है कि पिछले छह दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। यहाँ के सभी मामले कांगो से आये संक्रमितों या उनके संपर्क में आये लोगों से जुड़े हैं और अभी तक स्थानीय स्तर पर आम जनता में इसके फैलने के संकेत नहीं मिले हैं। बुंडिबुग्यो वायरस से होने वाली यह बीमारी इबोला का ही एक बेहद गंभीर रूप है। यह पशुओं से इंसानों में फैलने वाली बीमारी है, जिसके फैलने की शुरुआत चमगादड़ों या संक्रमित वन्यजीवों के संपर्क में आने से होती है। इसके बाद यह इंसानों के बीच खून या लार आदि के सीधे संपर्क में आने से फैलती है। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों में बुखार, थकान, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल हैं। अभी तक इस वायरस के इलाज के लिए कोई स्वीकृत टीका या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने कांगो में इस बीमारी के खतरे के स्तर को बेहद उच्च और युगांडा सहित सीमा साझा करने वाले पड़ोसी देशों में उच्च श्रेणी में रखा है। वैश्विक स्तर पर इसका खतरा फिलहाल कम आंका गया है। डब्ल्यूएचओ, अफ्रीका स्वास्थ्य नियंत्रण केंद्र और दोनों देशों के स्वास्थ्य मंत्रालय मिलकर इस महामारी को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने के लिए कुछ संभावित दवाओं के चिकित्सीय परीक्षण (क्लिनिकल ट्रायल) की तैयारी भी की जा रही है।

हमारे परमाणु हथियार नष्ट करने की बात करना बेतुका, कोरी कल्पना : उत्तर कोरिया

सोल, (वार्ता)

उत्तर कोरिया ने रविवार को परमाणु निरस्त्रीकरण को हमेशा के लिए तय हो चुका मामला बताया और कहा कि वह कभी भी अपने परमाणु हथियार नष्ट नहीं करेगा। उत्तर कोरिया का यह जवाब दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच हुई हालिया बैठक के जवाब में आया है, जिसमें उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को फिर से दोहराया गया था। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच गुरुवार को हुई द्विपक्षीय परमाणु परामर्श समूह की बैठक में साझा लक्ष्य को फिर से दोहराए जाने के बाद उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक अज्ञात प्रवक्ता ने इसकी आलोचना की। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) द्वारा जारी एक बयान में प्रवक्ता ने कहा, दूसरे युद्धरत पक्ष के परमाणु हथियारों को खत्म करने की बात करना बेतुका और कोरी कल्पना है। प्रवक्ता ने कहा, उत्तर कोरिया के ख़िलाफ़ अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की बेकार की बयानबाज़ी और उसे परमाणु ख़तरे में डालने के लिए उनका सहयोग, परमाणु हथियार वाले देश के तौर पर हमारी पक्की स्थिति को कभी नहीं बदल सकता। परमाणु हथियारों को खत्म करने (निरस्त्रीकरण) का मामला हमेशा के लिए तय हो चुका है। प्रवक्ता ने पिछले हफ़्ते अमेरिका और जापान के बीच हुई एक्सटेंडेड डेटरेंस डायलॉग (विस्तारित प्रतिरोध वार्ता) पर भी आपत्ति जतायी, जिसमें दोनों देशों ने उत्तर कोरिया को पूरी तरह परमाणु-मुक्त बनाने के अपने संकल्प को दोहराया। प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया चाहे कितनी भी बहस कर लें, वे परमाणु हथियार वाले देश के तौर पर उत्तर कोरिया की मौजूदा स्थिति को कभी नहीं बदल पाएंगे।

युद्ध की विरासत का जनता के बीच प्रदर्शन, मरीना बीच पर 2 ऐतिहासिक सेंचुरियन टैंक लगाए गए

चेन्नई, (वार्ता)

भारतीय सेना के दक्षिण भारत क्षेत्र द्वारा चेन्नई के प्रतिष्ठित मरीना बीच पर दो ऐतिहासिक सेंचुरियन टैंक प्रदर्शन के लिए लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि ये टैंक 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में भारतीय सेना के बख्तरबंद कोर की रीढ़ रहे थे और अब इन्हें आम जनता के देखने के लिए प्रदर्शित किया गया है।

ग्रेटर चेन्नई नगर निगम (जीसीसी) द्वारा खास तौर पर डिजाइन किए गए प्लिंथ पर लगाए गए सेंचुरियन टैंकों में जानकारी देने वाले पैनल और खूबसूरती बढ़ाने वाले काम शामिल हैं। रविवार को रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह पहल भारत की सैन्य विरासत को लोगों के करीब लाने के मकसद से चल रहे सार्वजनिक पहुंच में लाने के प्रयासों का हिस्सा है, जिससे नागरिक सशस्त्र बल और उनकी सेवा और बलिदान की विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकें और उनसे जुड़ सकें। दुनिया के सबसे लंबे शहरी समुद्री तटों में से एक और चेन्नई का एक बड़ा सांस्कृतिक धरोहर मशहूर मरीना बीच को इसलिए चुना गया क्योंकि यहां रोजाना आम लोग, छात्र, पर्यटक और यात्री बड़ी संख्या में आते हैं। सेंचुरियन टैंक बहादुरी, बलिदान और देश के गौरव वाले निशान के तौर पर जाने जाते हैं और ये नयी पीढ़ी को कर्तव्य, अनुशासन और सेवा के मूल्यों से प्रेरित करते रहेंगे।

भारत के बख्तरबंद लड़ाकू वाहन पारिस्थितिकी तंत्र में चेन्नई की एक खास जगह है। यह शहर बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड (एवीएनएल) का घर है, जिसमें हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री (एचवीएफ) और इंजन फैक्ट्री अवाडी (ईएफए) शामिल हैं, साथ ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का लड़ाकू वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (सीवीआरडीई) भी है, जो मिलकर भारत की सशस्त्र क्षमताओं के निर्माण, नवीनीकरण, अनुसंधान और उन्नति में अहम योगदान देते हैं।

सेंचुरियन टैंक प्रतिष्ठित वॉर ट्रॉफी और देश सेवा के निशान के तौर पर जनता के सबसे ऊंचे मानक के सम्मान और देखभाल के हकदार हैं। यात्रियों को इन प्रदर्शनों की गरिमा बनाए रखने और उन्हें देश की सेवा करने वाले सैनिकों के साहस, बलिदान और समर्पण की हमेशा याद रखने वाली निशानी के तौर पर देखने के लिए बढ़ावा दिया जाता है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

के. आसिफ : जुनून, संघर्ष और 'मुगल-ए-आज़म' के अमर निर्माता

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ फिल्मकार ऐसे हुए हैं जिनका नाम काम की संख्या से नहीं, बल्कि उनके अद्वितीय विजन और जुनून से याद किया जाता है,ऐसे ही महान फिल्मकारों में शामिल हैं के. आसिफ, जिन्होंने सीमित फिल्मों के बावजूद हिंदी सिनेमा को एक ऐसी कालजयी कृति दी, जिसे आज भी भारतीय फिल्म निर्माण की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है।

सलीम-अनारकली की अमर प्रेमकथा को बड़े पर्दे पर भव्यता और भावनाओं के साथ प्रस्तुत करने का उनका सपना मुगल-ए-आज़म के रूप में साकार हुआ और आज भी यह फिल्म भारतीय फिल्म इतिहास का स्वर्णिम अध्याय मानी जाती है। के. आसिफ ने अपने सिने करियर में महज तीन-चार फिल्मों का निर्माण या निर्देशन किया, लेकिन जो भी काम किया, पूरी तबीयत और जुनून के साथ किया। यही वजह है कि फिल्में बनाने की उनकी रफ्तार काफी धीमी रहती थी और उन्हें इसके लिए आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ता था। जब लोग उनसे इस बारे में पूछते, तो के. आसिफ बस यही कहते हो जाएगा।

के. आसिफ (कमरुद्दीन आसिफ) का जन्म 14 जून 1922 को उत्तर प्रदेश के इटावा में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में हुआ था। चालीस के दशक में जीवन-यापन के लिए वह अपने मामा नजीर के पास मुंबई आ गए, जहां उनकी दर्जी की दुकान थी। उनके मामा फिल्मों में कपड़े सप्लाई किया करते थे। साथ ही उन्होंने छोटे बजट की एक-दो फिल्मों का निर्माण भी किया था। के. आसिफ अपने मामा के काम में हाथ बंटाने लगे। इसी दौरान उन्हें अपने मामा के साथ फिल्म स्टूडियो जाने का मौका मिलने लगा और धीरे-धीरे फिल्मों के प्रति उनकी रुचि बढ़ती गई। वर्ष 1945 में बतौर निर्देशक उन्होंने फिल्म 'फूल' से अपने सिने करियर की शुरुआत की। पृथ्वीराज कपूर, सुरैया और दुर्गा खोटे जैसे बड़े सितारों वाली यह फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई। लेकिन उनका असली सपना एक ऐसी फिल्म बनाना था जो भव्यता, इतिहास और प्रेमकथा को एक साथ बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करे। यही सपना आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि बना। के. आसिफ लंबे समय से सलीम और अनारकली की ऐतिहासिक प्रेमकथा से प्रभावित थे। उनका मानना था कि इस कहानी में भावनात्मक गहराई, संघर्ष और शाही वैभव का ऐसा संगम है, जिसे सही तरीके से प्रस्तुत किया जाए तो यह भारतीय सिनेमा का मील का पत्थर बन सकती है।इसी सोच के साथ उन्होंने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म मुगल-ए-आज़म पर काम शुरू किया। उन्होंने शहजादा सलीम की भूमिका के लिए चंद्रमोहन, अनारकली की भूमिका के लिए अभिनेत्री वीणा तथा अकबर की भूमिका के लिए सप्रू का चुनाव किया।

फिल्म 'मुगल-ए-आज़म' से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि किरदारों के चुनाव के लिए के. आसिफ को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहजादा सलीम के किरदार के लिए उन्होंने अभिनेता सप्रू का चुनाव किया और अकबर के किरदार के लिए चंद्रमोहन के सामने प्रस्ताव रखा, लेकिन चंद्रमोहन ने उनसे साफ शब्दों में कह दिया, मैं इसी शर्त पर इस फिल्म में काम करना पसंद करूंगा, जब आप इस फिल्म के निर्देशक नहीं होंगे। इस पर के. आसिफ ने जवाब दिया, मैं उस दिन का इंतजार करूंगा, जब आपको मेरी सूरत पसंद आने लगेगी। अकबर के किरदार के लिए उन्होंने चंद्रमोहन का चयन इसलिए किया, क्योंकि उनकी आंखें भी अभिनेता सप्रू की तरह नीली थीं।

वर्ष 1946 में अभिनेता चंद्रमोहन की असमय मृत्यु हो गई। इसी दौरान अभिनेत्री वीणा और सप्रू के चेहरे पर भी उम्र की लकीरें खिंच आई थीं। के. आसिफ ने सप्रू के सामने अकबर का किरदार निभाने का प्रस्ताव रखा और अनारकली के किरदार के लिए नरगिस तथा सलीम के किरदार के लिए दिलीप कुमार का चयन किया, लेकिन सप्रू, जो नरगिस के साथ फिल्मों में बतौर अभिनेता काम कर चुके थे, उन्होंने अकबर का किरदार निभाने से मना कर दिया।

चंदू चैंपियन के 2 साल: कार्तिक आर्यन नेशनल अवॉर्ड डिज़र्व करते हैं : मुरलीकांत पेटकर

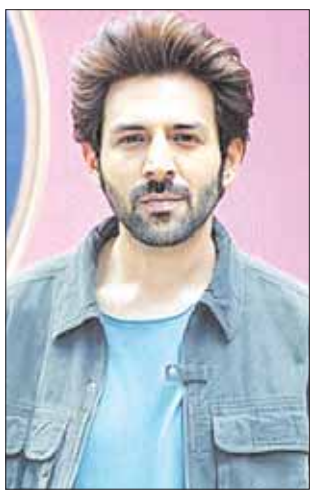

फिल्म चंदू चैंपियन को रिलीज़ हुए दो साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन यह फिल्म आज भी भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की प्रेरणादायक कहानी को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए याद की जाती है। कबीर खान के निर्देशन में बनी और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित इस स्पोर्ट्स ड्रामा में कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से भरपूर सराहना मिली थी और कार्तिक आर्यन के अभिनय को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों में से एक माना गया।

फिल्म की रिलीज़ के दो साल पूरे होने के अवसर पर दिए गए एक हालिया इंटरव्यू में मुरलीकांत पेटकर ने फिल्म के प्रभाव और कार्तिक आर्यन की मेहनत को याद करते हुए कहा कि इस फिल्म ने उनकी कहानी को देशभर में नई पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने सिर्फ मेरी कहानी नहीं दिखाई, बल्कि उसे लाखों लोगों तक पहुंचाया। पहले बहुत कम लोग मेरी यात्रा या भारत के पैरालंपिक इतिहास के बारे में जानते थे, लेकिन आज कई लोग मुझसे मिलकर बताते हैं कि इस फिल्म ने उन्हें प्रेरित किया है और कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने की ताकत दी है। पेटकर ने कहा कि फिल्म ने लोगों को यह समझने में मदद की कि सफलता केवल पदक जीतने का नाम नहीं है, बल्कि उसके पीछे वर्षों की मेहनत, त्याग और संघर्ष छिपा होता है। उन्होंने कहा कि उनकी कहानी को जिस तरह बड़े पर्दे पर प्रस्तुत किया गया, उससे पैरा-एथलीट्स के प्रति लोगों की सोच में भी सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा, पहले पैरा-एथलीट्स को अक्सर सहानुभूति की नजर से देखा जाता था, लेकिन अब सम्मान और प्रशंसा का भाव बढ़ रहा है। लोग समझने लगे हैं कि पैरा-एथलीट्स भी उतनी ही मेहनत, समर्पण और साहस के साथ खेलते हैं जितना कोई अन्य खिलाड़ी। यह बदलाव देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक है। कार्तिक आर्यन की भूमिका के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए मुरलीकांत पेटकर ने कहा कि कार्तिक ने इस किरदार को निभाने के लिए असाधारण मेहनत की थी। उन्होंने कहा, कार्तिक आर्यन अपनी मेहनत और समर्पण के लिए नेशनल अवॉर्ड डिज़र्व करते हैं। यह सिर्फ एक अभिनेता द्वारा कोई किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उन्होंने इस भूमिका को पूरी तरह जिया।

लोकतंत्र निष्पक्ष चुनाव से चलता है चुनाव को बना दिया गया मजाक

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल ने लगाए आरोप

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

लोकतंत्र केवल चुनाव से नहीं चलता, बल्कि निष्पक्ष चुनाव से चलता है। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना केवल एक उम्मीदवार के साथ अन्याय का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया, निष्पक्ष चुनाव और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार है। उक्त बात जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। श्रीमती पटेल ने पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि जिस प्रकार की आपत्तियों और व्याख्याओं के आधार पर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया गया, उसने पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। आपने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद डॉ. विवेक तन्खा तथा वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी सहित कांग्रेस नेतृत्व ने लगातार यह प्रश्न उठाया है कि क्या चुनावी प्रक्रिया कानून के अनुरूप संचालित होगी या राजनीतिक दबावों के अनुरूप? आपने बताया कि जिस निजी परिवाद का उल्लेख किया गया है, उसमें मीनाक्षी नटराजन को अभियुक्त नहीं बल्कि प्रतिवादी के रूप में दर्शाया गया है। प्रतिवादी और . अभियुक्त की कानूनी स्थिति अलग-अलग होती है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33 और फॉर्म-26 की व्यवस्था का उद्देश्य उन आपराधिक मामलों की जानकारी प्राप्त करना है जिनमें उम्मीदवार के विरुद्ध विधिवत आपराधिक कार्यवाही चल रही हो तथा कानून के अनुरूप आवश्यक प्रकटीकरण अपेक्षित हो। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि जिस आधार को नामांकन निरस्त करने का कारण बनाया गया, वह इन प्रावधानों की भावना और व्याख्या से मेल नहीं खाता। यदि किसी उम्मीदवार के नामांकन को ऐसे आधारों पर निरस्त किया जाता है जिनकी स्पष्ट अपेक्षा नामांकन प्रपत्र में नहीं है, तो यह भविष्य में किसी भी उम्मीदवार के लिए अनिश्चितता और मनमानी की स्थिति पैदा कर सकता है। कांग्रेस पार्टी मानती है कि मीनाक्षी नटराजन जैसी साफ-सुथरी छवि, वैचारिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के लिए समर्पित नेता को चुनावी प्रक्रिया से बाहर किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उक्त मौके पर सुरेंद्र पटेल, सतीश सेनी, संजय कौरव आदि मौजूद रहे।

जनता परेशान अवैध कार्य चल रहे हैं-जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने आरोप लगाया कि जिले भर में अवैध कार्य चल रहे हैं भाजपा नेताओं का संरक्षण है। महंगाई बेरोजगारी से लोग परेशान है जिले में अवैध उत्पादन जोरों पर है। रेत ले जाने वाले वाहन लोगों की जान ले रहे हैं। लगातार शिकायत और आंदोलन करने के बाद भी शासन प्रशासन ऐसे कार्यों को संरक्षण दिए हुए है।

नगर पालिका परिषद में जनकल्याण शिविर सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

राज्य शासन शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर प्रांगण में जनकल्याण शिविर का आयोजन जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शुक्रवार को आयोजित हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अजीत जाट, पार्षद, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक मौजूद थे। नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांछी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिले, इसके लिए यह शिविर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे हितग्राही जो शासन की योजनाओं से वंचित रह गए हैं वे शिविर में अपना आवेदन दे सकते हैं। शिविर में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में त्वरित निराकरण किया जाएगा। इस अवसर पर नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

जिले में कलेक्टर और विधायक की मौजूदगी में आयोजित किए गए जनकल्याण शिविर

5 हजार 253 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित जन कल्याण शिविरों में दूसरे दिन भी आमजन की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में जनपद पंचायत नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं चावरपाठा तथा शहरी क्षेत्रों में नरसिंहपुर, गोटेगांव और गाडरवारा नगरपालिकाओं में शिविर आयोजित किए गए। जनपद पंचायत गोटेगांव में विधायक श्री महेन्द्र नागेश जनकल्याण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों से संवाद करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। शिविरों के माध्यम से मौके पर ही हितग्राहियों को हितलाभ वितरित भी किए गए। जनपद पंचायत चांवरपाठा में विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने शासन की योजनाओं के बारे में नागरिकों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जनकल्याण शिविर का लाभ उठाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर में लगाए गए जनकल्याण शिविर में शामिल हुई। उन्होंने जनकल्याण शिविर में विभागीय अधिकारियों को शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने के निर्देश दिए।

जनकल्याण शिविर में प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने को कहा। शिविरों में कृषि, सहकारिता, मत्स्य, सामाजिक न्याय, उद्यानिकी एवं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती, ड्रॉप मोर क्रॉप, रिज सॉइंग, सीड रिप्लेसमेंट तथा पराली प्रबंधन जैसे विषयों पर किसानों को जागरूक किया गया। वहीं पशुपालन विभाग ने पशुओं की बीमारियों से बचाव, दुधारू पशुओं के संतुलित आहार तथा आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी प्रदान की। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं पेंशन योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही सभी विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सकी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने किराना दुकानों, दूध डेयरी एवं मिष्ठान दुकानों का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सारिका दुबे व श्रीमती कविता राठौर ने गाडरवारा, करेली एवं नरसिंहपुर में किराना दुकानों, दूध डेयरी और मिष्ठान दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दूध, दही, पनीर, टोस्ट, हल्दी पाउडर आदि खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहीत किए गए। झिरना रोड नरसिंहपुर स्थित नितिन किराना में अवसान तिथि पश्चात विक्रय के लिए रखे पाए जाने पर ष्टस्क्क ष्टश्चद्यड्ड ष्टड्ढह्लड्ढश्चठ्ठड्ढह्लद्गस्र ड्ढड्डह्लद्गह्ल 500 एमएल की 14 बॉटल्स मौके पर विनष्टीकरण किया गया।

हल्दीराम मिक्चर एवं हल्दीराम आलू भुजिया के 22 पैकेट्स का भी विनष्टीकरण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने समस्त खाद्य विक्रेताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों का विक्रय करने के निर्देश दिए। विक्रेताओं को हिदायत दी गई कि नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने तहसील कार्यालय नरसिंहपुर का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गत दिवस तहसील कार्यालय एवं न्यायालय तहसील नरसिंहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान नामांतरण एवं बंटवारा के निराकृत प्रकरणों के रिकार्ड अभिलेखों का दुरुस्तीकरण करने और दायरा पंजी सहित अन्य पंजियों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों में प्रगति लाने, सीएम हेल्पलाइन, टीएल, जनसुनवाई आदि के आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। यह निरीक्षण मध्यप्रदेश शासन के रोस्टर अनुसार वार्षिक निरीक्षण के तहत किया गया। पोटो पहचान एनएसपी ३

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक लेकर दिए निर्देश- कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गत दिवस कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों व पेयजल, अमृत 2.0, कायाकल्प अभियान, मुख्यमंत्री अधोसंरचना, सांसद व विधायक निधि, खनिज विभाग (डीएमएफ मद), आंगनवाड़ी भवन एवं एनटीपीसी के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों, गीता भवन, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (कचरा निपटान), राजस्व वसूली, स्वच्छता सर्वेक्षण 2026, जल संरक्षण एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, सोलर पेनल, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्ट्रीट वेंडर योजना 2.0 आदि बिंदुओं पर समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि नरसिंह तालाब में चल रहे निर्माण कार्यों को समय सीमा में कार्य पूर्ण न करने पर संबंधित निर्माण एजेंसी के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने गोटेगांव में बकतला तालाब के आसपास अतिक्रमण चिन्हित कर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही घरों से निकलने वाले निस्तारी पानी को सीवर लाइन से जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कंडम/ क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित कर नोटिस जारी कर उन्हें डिस्मेंटल कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

नगरीय अवशिष्ट प्रबंधन 2026 एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत जिले के नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रतिदिन नगर के प्रमुख चौराहों, वार्डों एवं स्थलों का निरीक्षण कर साफ-सफाई की स्थिति की फोटो सहित विवरण स्वच्छता पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक में एमपी यूडी एवं पीआईओ अधिकारी सहित जिले के आठों नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, इंजीनियर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के दो दिवसीय साइकिल महोत्सव के प्रथम दिवस में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर से रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा करने वाले रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. अनंत दुबे, देवेंद्र दुबे सहित अन्य साथियों का सम्मान किया। यह साइकिल रैली स्टेडियम ग्राउंड से प्रारंभ होकर गांधी चौक, नगर पालिका चौराहा, सुभाष पार्क, बाहरी रोड, पुलिस लाइन, मुख्य मार्ग, जनपद मैदान होते हुए वापस स्टेडियम पहुंची। साइकिल रैली में बच्चों, युवाओं सहित नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, श्री पी.एस. राजपूत, श्री सुनील कोठारी, श्री पारितोष दुबे, श्री संतोष सिंह राजपूत, श्रीमती निशा सोनी, श्री एस.के. चतुर्वेदी, श्री देवेंद्र दुबे, श्री मृदुलेश दुबे, श्री सुभाष नेमा, श्री मनीष कटारे, श्री ब्रजेश नेमा, श्री पंकज नेमा, डॉ. अंजीता वर्मा, श्री प्रमोद चौरसिया, श्री अनुराग मिश्रा सहित खेल एवं व्यायाम शिक्षक मौजूद थे।

यह आयोजन जिला साइकिलिंग संघ द्वारा वॉलीबाल संघ, जिला क्रिकेट संघ, जिला खो- खो संघ, हॉकी नरसिंहपुर, यूनिटी क्लब एवं सहकार संस्था के सहयोग से किया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल व्दारा पुरषोत्तम मास में ब्राह्मण भोज

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से भारतीय संस्कृति और सभ्यता के पावन मास पुरषोत्तम अधिमास मे सामूहिक रूप से पचपन युगल जोड़ी ब्रह्मण परिवार को भोजन प्रसादी स्थानीय विठ्ठल भवन मे कराया गया और सभी को बिदाई भेंट दी गई। माहेश्वरी समाज की सभी सजातीय महिलाओं का सहयोग प्रशंसनीय रहा । इस माह में महिला मंडल ने विभिन्न देवालयों मे विभिन धार्मिक आयोजन , गौशाला में गौ सेवा कार्य किया गया।

अटल बिहारी मंदिर में मनाया झूला उत्सव

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। पुण्य पवित्र पुरुषोत्तम मास के चलते नगर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में झूला महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में श्रीदेव अटल बिहारी युगल सरकार का झूला लगाया गया। इस अवसर पर महिलाओ ने सुबह मंदिर में झूला झूलाकर भगवान की आराधना की। इस मौक़े पर महिला मंडल के द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई। मंदिर के पुजारी कमलेश भार्गव के मार्गदर्शन मे हुए इस आयोजन मे महिलाएँ भगवान की भक्ति मे झूम उठीं। इस अवसर पर कुसुम भार्गव एवं शकुन अग्रवाल ने बताया कि पुरुषोत्तम माह में प्रतिदिन हम सभी यहाँ पूजन अर्चना करते है। अधिक संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही और अंत में आरती के साथ प्रसाद वितरण हुआ।

शासकीय पॉलीटेक्निक में प्रवेश के लिए अंतिम तिथि 18 जून

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में स्थित तकनीकी शिक्षण संस्थान शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज नरसिंहपुर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 18 जून 2026 है। जिले के कक्षा 10 वीं अथवा 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज नरसिंहपुर में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और मॉर्डन ऑफिस मैनेजमेंट (स्टेनो) में प्रवेश ले सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

जिला स्तरीय गौशाला संचालक सम्मेलन और साईलेज गौरस एप कार्यशाला 17 जून को होगी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। उप संचालक पशु पालन विभाग डॉ. सुनील कुमार बृजपुरिया ने कि गौशाला संचालक सम्मेलन और साईलेज गौरस एप पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला 17 जून को विकासखंड करेली के कामधेनु गौशाला मोहद में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ व पंजीयन सुबह 09 बजे से किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न सत्रों का आयोजन होगा। प्रात- 09-30 से 10-30 बजे तक व्हीएएस डॉ. पूनम दोहरे द्वारा गौशाला संचालकों को रिफ्रेशर व सुबह 10-30 बजे से पशु चिकित्सक करेली डॉ. श्रेया दुबे के द्वारा साईलेज एवं गौरस एप के संबंध में तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रात- 11-30 बजे से क्षेत्र के पशुपालकों के द्वारा अनुकरणीय और प्रेरणादायी अनुभव साझा होंगे। कार्यशाला में दोपहर 12 बजे गौपूजन किया जाएगा। इसके अलावा महाराणा प्रताप और महाराज छत्रसाल की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12-15 बजे से क्षीरधारा ग्राम योजना के अंतर्गत विभागीय समन्वय को लेकर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित होगा। इसमें सहकारी, कृषि, आजीविका मिशन और दुग्ध शीत केंद्र के प्रबंधकों द्वारा विभागीय योजनाओं और दूध उत्पादन बढ़ाने पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जाएंगी। इसके पश्चात दोपहर एक बजे से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के द्वारा विशेष मार्गदर्शन और जिले में गौशालाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर प्रशासनिक रूपरेखा साझा की जाएगी। उप संचालक पशु पालन विभाग डॉ. बृजपुरिया ने जिले के समस्त संबंधित अधिकारियों, गौशाला संचालकों और प्रगतिशील पशुपालकों से कार्यशाला में उपस्थिति होने की अपील की है।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल जन कल्याण शिविर में शामिल हुए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल ग्राम पंचायत खमरिया-जरजोला में आयोजित जनपद स्तरीय जनकल्याण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने पानी की बचत व जल संरक्षण, पर्यावरण की सुरक्षा आदि के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया। शिविर में विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उक्त शिविर के प्रथम दिवस में जनपद पंचायत नरसिंहपुर के 30 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक और ग्रामीणजन मौजूद थे।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों का मंथन

डबल इंजन सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए : नरेंद्र शिवाजी पटेल

करेली। भारतीय जनता पार्टी जिला नरसिंहपुर द्वारा दीनदयाल भवन करेली में च्विकसित भारत संकल्प सम्मेलनज्ज प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और विकसित भारत-2047 के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रहे हैं। इस अवधि में सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को पक्के घर मिले हैं, आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जबकि उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है। जनधन योजना ने आर्थिक समावेशन को बढ़ावा दिया है तथा पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और रोजगार जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, महेंद्र नागेश सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन शामिल हुए।

वक्ताओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा विकसित भारत के निर्माण में सभी वर्गों की सहभागिता को आवश्यक बताया कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

लमतरा ब्रिज के पास भीषण सड़क हादसा हाइवा की टक्कर से यात्री बस पलटी

एक महिला समेत तीन लोगों की मौत, दो दर्जन से अधिक यात्री घायल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले के कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत लमतरा ब्रिज के समीप रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार हाइवा की टक्कर से एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तत्काल बचाव कार्य में जुट गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हुए हैं। घायलों को स्थानीय नौगरिकों, पुलिस और प्रशासन की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही कुठला पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और राहत दल मौके पर पहुंच गए। दुर्घटनाग्रस्त बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मृतकों एवं घायलों की पहचान की प्रक्रिया भी जारी है। प्रशासन द्वारा घायलों को हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हाइवा और बस के बीच हुई टक्कर बेहद जोरदार थी, जिसके चलते बस सड़क किनारे पलट गई और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

सांसद वीडी शर्मा ने जाना घायलों का हाल

कुठला थाना क्षेत्र के लमतरा फाटक के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में यात्री बस और ओवरलोड हाइवा के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बस में सवार एक महिला सहित तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। जबकि लगभग 29 यात्री गंभीर एवं सामान्य रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल से एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्री बस क्रमांक एमपी-19-पी-0347 और ओवरलोड हाइवा के बीच लमतरा फाटक के पास जोरदार भिड़ंत हुई। टक्कर के प्रभाव से बस का

कलेक्टर और एसपी ने अस्पताल पहुंचकर संभाली व्यवस्थाएं

अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री उसमें फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा जिला चिकित्सालय पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने आपातकालीन वार्ड का निरीक्षण कर घायलों से मुलाकात की तथा चिकित्सकों को घायलों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गंभीर घायलों के लिए विशेष चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी मरीजों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराया जाए। इसी क्रम में खजुराहो सांसद वीडी शर्मा भी जिला चिकित्सालय पहुंचे और भर्ती घायलों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने चिकित्सकीय दल से चर्चा कर उपचार की जानकारी ली तथा सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सांसद ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

हादसे के बाद जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

73 हजार से अधिक का माल जब्त,

आबकारी अधिनियम के 9 प्रकरण पंजीबद्ध

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध मदिरा के विक्रय एवं निर्माण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर आशीष तिवारी के द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में शनिवार को आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी मंशाराम उइके के नेतृत्व में जन शिकायत के आधार पर आबकारी वृत बहोरीबंद अंतर्गत ग्राम हरदुआ, कुम्हार मोहल्ला एवं हरदुआ स्टेशन के कुचबंदिया मोहल्ला, थाना कुठला क्षेत्र में दबिश दी गई। दबिश के दौरान टीम द्वारा 480 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 11 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित अवैध मदिरा बरामद कर जब्त की गई। इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 9 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। साथ ही संबंधित व्यक्तियों को अवैध रूप से शराब के निर्माण एवं विक्रय न करने की सख्त हिदायत दी गई। जब्त महुआ लाहन एवं मदिरा की अनुमानित कीमत लगभग 73 हजार 650 रुपये आंकी गई। मौके पर पंचों की उपस्थिति में विधिवत कार्रवाई करते हुए महुआ लाहन को नष्ट किया गया।

पुलिस-राजस्व टीम ने किया पटाखा गोदामों का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्र मत)। कटनी जिले में पटाखा भंडारण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा ग्राम इमलिया पड़वारा स्थित पटाखा भंडारण गोदामों का निरीक्षण किया गया। संयुक्त टीम में तहसीलदार अखिलेश सिंह, थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे, निरीक्षक शैलेन्द्र यादव एवं उप निरीक्षक दीपू कुशवाहा शामिल रहे। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा ऐसे संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके।

16 वां मेधावी छात्र अभिभावक सम्मान समारोह

कटनी (स्वतंत्रमत)

गत दिवस अपने स्कूल किड्स केयर ग्रुप ऑफ स्कूल के द्वारा कटनी जिले के प्राइवेट स्कूल सरकारी स्कूल एमपी बोर्ड, सीबीएसई के 75 प्रतिशत से उत्तीर्ण छात्रो का एव उनके अभिभावको का सम्मान किया गया। लगभग कटनी जिले के 17 स्कूल के कक्षा 10 वीं एव 12वीं के 208 छात्रो का सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि नेहा पचीसिया मेडम सीएसपी कटनी नगर एव विशिष्ट अतिथि मंजूषा गौतम मुस्कान फाऊंडेशन के चेयरपर्सन के शुभ हाथो से सम्मपन हुआ। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि एव डायरेक्टर ऐरावत आकाश हिन्दूजी, कात्यायनी के द्वारा मां सरस्वती की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुवात हुई, स्कूल की छात्राओ के द्वारा बहुत ही सुन्दर सरस्वती वन्दना नृत्य प्रस्तुत किया गया।

स्वागत भाषण डायरेक्टर ऐरावत आकाश के द्वारा किया गया, मुख्य अतिथि के द्वारा बहुत ही प्रेरणा दायक भाषण दिया गया, उसके पश्चात छात्रो एव अभिभावको को तिलक लगाकर माला पहनाकर शील्ड और सर्टीफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। बहुत बड़ी संख्या मै उपस्थित छात्र एव अभिभावक, नगर के गणमान्य नगरीक की उपस्थित में सफलतापूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

श्री राजस्थानी मण्डल कटनी की नवीन प्रबंध समिति के चुनाव 28 जून को

कटनी (स्वतंत्र मत)। श्री राजस्थानी मण्डल कटनी की नवीन प्रबंध समिति के चुनाव हेतु मतदान अगामी 28 जून दिन रविवार को श्री राजस्थान भवन, गर्ग चौराहा, कटनी में प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। इस दिन शाम 5 बजे मतगणना के पश्चात विजय प्रत्याशी की घोषणा कर दी जाएगी। मंडल के अधिकारिक सूत्रो ने 15 सदस्यीय प्रबंध समिति के निर्वाचन हेतु सम्पूर्ण प्रक्रिया जारी करने हुए बताया कि समाज के वैध मतदाताओं में से चुनाव लडने के इच्छुक सदस्य 17 जून से 20 जून सायं 6 बजे से 8 बजे तक श्री राजस्थान भवन के मंडल कार्यालय से नामांकन फार्म प्राप्त एवं जमा कर सकेंगे। प्राप्त नामांकन फार्मो की जांच 21 जून सायं 6 बजे से 8 बजे तक की जाएगी तथा नाम वापसी 22 एवं 23 जून को की जा सकेगी। इसके उपरांत वैध प्रत्याशियों की अंतिम सूची 24 जनू को प्रकाशित की जाएगी तथा 28 जून दिन रविवार को मतदान प्रात: 10 बजे से अपराह 3 बजे को श्री राजस्थान भवन में संपन्न होगा तथा सायं मतगणना पश्ताच विजयी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर आक्रोश

कटनी के कचहरी चौराहे पर भारी तनाव, प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने चलाया वॉटर कैनन, तीखी झड़प

युवक कांग्रेस ने फूंका चुनाव आयोग का पुतला

कटनी (स्वतंत्रमत)। शनिवार की शाम कटनी शहर का कचहरी चौराहा उस वक्त सियासी अखाड़े में तब्दील हो गया, जब पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल के नेतृत्व में जुटे सैकड़ों युवाओं ने चुनाव आयोग और केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हल्की फुल्की झड़प हुई, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। नामांकन निरस्त होने की खबर से आक्रोशित युवा कांग्रेस और मुख्य पार्टी के पदाधिकारी भारी संख्या में कचहरी चौराहे पर एकत्रित हुए थे। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग का पुतला फूंकने का प्रयास किया, वहां पहले से मुस्तैद भारी पुलिस बल ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिसकर्मियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक हल्की-फुल्की झड़प होती रही। माहौल बिगड़ता देख और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने अंतत: वॉटर कैनन का प्रयोग किया, जिससे चौराहे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी देते हुए मोहम्मद इसराइल ने बताया कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या पर अमादा है। चुनाव आयोग भाजपा का एजेंट बनकर कार्य कर रहा है। सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है, उससे देश की जनता का भारी नुकसान होने वाला है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जानबूझकर रद्द कराया गया है।

भाजपा ने यह साबित कर दिया है कि वह देश से लोकतांत्रिक व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करना चाहती है। और तानाशाही राज चाहती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार की यह तानाशाही नहीं रुकी, तो युवा कांग्रेस ब्लॉक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सड़क पर उतरकर न्याय की लड़ाई लड़ेगी।

महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव सौम्या रंधेलिया ने कहा कि पहले भाजपा वोट चोरी करते थे, अब सीट चोरी कर रही है। महिला हितो का ढोंगे करने वाली भाजपा ने एक गांधीवादी विचारधारा की महिला मीनाक्षी नटराजन के साथ अन्याय किया है और उनका नामांकन रद्द करा दिया है। इस तानाशाही के खिलाफ हमारा विरोध आगे भी जारी रहेगा। इस हाई-प्रोफाइल प्रदर्शन के दौरान कचहरी चौराहे पर काफी देर तक आवागमन बाधित रहा और सुरक्षा के लिहाज से इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शुभम मिश्रा, एनएसयूआई प्रदेश सचिव अजय खटिक, मुंडवारा विधानसभा अध्यक्ष सचिन गर्ग, आईटी प्रदेश उपाध्यक्ष शशांक गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश जाटव, अजय जसवानी, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव एडवोकेट रश्मि अग्रवाल, मीनाक्षी अल्वी, माया चौधरी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कमल पांडे, विनीत जयसवाल, सेवादल अध्यक्ष मंगल सिंह, श्याम फहुजा, राहुल पटेरिया, पूर्व पार्षद इश्तियाक अहमद, पूर्व पार्षद श्याम यादव, संदीप हाडा, विकास दुबे, अनुराग दहिया, राजीव पटेल, विधानसभा अध्यक्ष शैलू जायसवाल, अंशुल राजपूत, राघवेंद्र सिंह, अवध लाल यादव, विजय चौधरी, अल्पसंख्यक जिला कुर्शिर्ड अहमद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रक एवं सबमर्सियल पम्प चोरी के आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा समाज को भय मुक्त एवं निर्बाध जीवन यापन का वातावरण बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में 13 जून के कुठला पुलिस को चोरी हुए ट्रक को चन्द घण्टो में जप्त करने में एवं सबमर्सियल पम्प चोरी करने वाले आरोपी को पकड़कर गिरफ्तार करने में दोहरी सफलता प्राप्त हुई है। प्रार्थी रामजी पटेल पिता बालमुकुन्द पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी कैलवारा कला थाना कुठला कटनी की रिपोर्ट पर कि उसका अशोक लीलैंड ट्रक क्रमांक एमपी20एचबी4961 कीमत लगभग 15 लाख रुपये, जो पटेल ढाबा के पास खड़ा था, अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर थाना कुठला में

अपराध क्रमांक 491/26 धारा 305(बी) बीएनएस का पंजीबद्ध कर तत्काल पुलिस टीम गठित कर तलाश प्रारंभ की गई। जांच के दौरान वाहन में लगे जीपीएस सिस्टम से ट्रक की लोकेशन सरलानगर-भदनपुर मार्ग पर ट्रेस करते हुए पुलिस टीम द्वारा जिला मैहर से चोरी गए ट्रक को बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। वाहन की पहचान वाहन स्वामी एवं साक्षियों द्वारा की गई। जप्तशुदा ट्रक को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। घटना में शामिल अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है। दूसरे मामले में 07 मई को प्रार्थी शुभम बर्मन पिता विनोद उम्र 25 वर्ष निवासी चाका थाना कुठला की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर पम्प हाउस का ताला तोड़कर सीआरआई कम्पनी का 7.5 एचपी समर्सिबल पम्प, तीन नग चेम्बर, 16 नग रॉड एवं 6 नग पाना चोरी कर ले गए हैं।

अधिवक्ताओं की एकजुटता से मजबूत होगा संघ

कटनी (स्वतंत्र मत)।

विजयराघवगढ़ तहसील अधिवक्ता संघ विजयराघवगढ़ अपने अधिवक्ताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में संघ के पदाधिकारियों एवं सहयोगी अधिवक्ताओं ने 12 जून 2026 को क्षेत्रीय विधायक संजू भैया से भेंट कर अधिवक्ता संघ कार्यालय में बैठक व्यवस्था लाइब्रेरी आवश्यक संसाधनों एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु मांग पत्र सौंपा। विधायक ने अधिवक्ताओं की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि अधिवक्ता केवल न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ ही नहीं हैं बल्कि समाज में न्याय अधिकार और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करते हैं। ऐसे में अधिवक्ताओं के लिए बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाओं का उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है।

किसान फार्मर आईडी बनवायें, ताकि खाद लेने में न हो असुविधा : सांसद

सांसद व विधायक ने हितग्राहियों को किया हितलाभों का वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले की रीठी जनपद पंचायत के मंगल भवन में शनिवार को खजुराहो लोकसभा सांसद वी.डी. शर्मा के मुख्यातिथ्य और बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे की उपस्थिति में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

शिविर को संबोधित करते हुए सांसद बी.डी. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस शिविर का आयोजन किया गया है। इसके माध्यम से 23 विभागों की 111 योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में योजनाओं से वंचित रहे पात्र हितग्राहियों को इस शिविर के माध्यम से लाभ मिलेगा।

सांसद ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अब खाद का वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, इसलिए सभी किसान अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के उपचार एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 5 किलो नि:शुल्क राशन की जानकारी भी दी।

उन्होंने राजस्व विभाग को प्राथमिकता के साथ फार्मर आईडी बनाने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल एवं प्रदर्शनी लगाई गई, जहां नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। सांसद एवं विधायक ने स्टॉलों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित किए गए। इनमें संबल योजना अनुग्रह सहायता के 27, संबल पंजीयन के 25, राष्ट्रीय परिवार सहायता के 11, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के 16, राजस्व विभाग द्वारा खसरा वितरण के 12, पशुपालन विभाग के 10, लाड़ली लक्ष्मी योजना के 8, आयुष्मान कार्ड के 5, कृषि विभाग द्वारा बीज वितरण के 8 तथा राष्ट्रीय आजीविका मिशन के 20 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। शिविर का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा, जिसमें यह आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

मातृ शक्ति का आशीर्वाद बना संबल, विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ लाडली बहनों के खातों में अंतरित किये 1835 करोड़ रुपए

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की धरती ने अपने गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। मातृ शक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित बनाने में अपना सहयोग दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के केसली में रविवार को आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करते हुए शिलापट्टिका का अनावरण किया। इसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमि-पूजन कर लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ शक्ति का सशक्तिकरण और उनका नेतृत्व वर्तमान की आवश्यकता है और सरकार इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार का कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना तीसरे साल में प्रवेश कर रही है, जिसके माध्यम से प्रत्येक माह बहनों के बैंक खातों में राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली बहना योजना हमारी माताओं बहनों के आर्थिक स्वावलंबन का आधार बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे सुखद बात क्या हो सकती है कि लाड़ली बहना योजना से मिली राशि से बहनें अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर रही हैं। यह उनका समर्पण है, उनका अपना त्याग है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक स्तर में बड़ा सुधार आया है। उन्होंने कहा कि बहनों एवं मातृशक्ति के आशीर्वाद से राज्य सरकार निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। आज उनके मन में शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का विश्वास बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश सरकार कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। इसमें किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केसली में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने केसली में सांदीपनि विद्यालय सेकण्ड फेज का कार्य प्रारंभ करने, शासकीय हाई स्कूल चिरचिटा सुखजू में हायर सेकण्डरी स्कूल तक उन्नयन करने, शासकीय हाई स्कूल देवरी, नाहरमऊ, नन्ही देवरी का उन्नयन करने, कृषि उपज मंडी केसली का नाम रानी अवंतिबाई के नाम पर रखने, देवरी में 100 बिस्तरों का अस्पताल स्टाफ सहित प्रारंभ करने की घोषणा की। वहीं मुख्यमंत्री ने केसली क्षेत्र में थावरी जलाशय (लागत लगभग 550 करोड़) की योजना को स्वीकृति दी तथा कहा कि किसानों की इस बहुप्रतीक्षित मांग से क्षेत्र में कृषि के क्षेत्र में क्रांति आएगी। मुख्यमंत्री ने देवरी में प्याज और लहसुन की खरीदी के लिए मंडी में खरीदी केन्द्र बनाने की घोषणा की। शासकीय महाविद्यालय देवरी में विज्ञान संकाय तथा कला संकाय में राजनीति विषय का आरंभ करने, केसली महाविद्यालय में कला एवं वाणिज्य संकाय में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्ररंभ करने, देवरी नगर का नाम देवपुरी करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों पर की पुष्पवर्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सागर जिले के देवरी विधानसभा अंतर्गत केसली ब्लॉक में यह पहला और महत्वपूर्ण आगमन था। मुख्यमंत्री बनने के बाद इस क्षेत्र में उनका यह पहला दौरा था, जिसे लेकर स्थानीय जनता और प्रशासन में भारी उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रैंप से लाड़ली बहनों के बीच पहुंचकर पुष्पवर्षा की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर कार्यक्रम में उपस्थित लाड़ली बहनों में उत्साह एवं उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर महिलाओं ने धन्यवाद लाड़ले भैया लिखे प्लेकार्ड प्रदर्शित कर मुख्यमंत्री के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

लाड़ली बहना खेल सप्ताह का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर जिले के केसली में एक बेहद अनूठे और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यहाँ लाड़ली बहनों के साथ पारंपरिक खेल सितोलिया (पिट्ठू) खेलकर लाड़ली बहना खेल सप्ताह का भव्य शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने न केवल कार्यक्रम की शुरुआत की, बल्कि खुद मैदान में उतरकर खेलों में सक्रिय सहभागिता की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर और उन्हें बच्चों व युवाओं की तरह पारंपरिक खेल खेलते देख वहाँ मौजूद महिलाओं और लाड़ली बहनों का उत्साह दोगुना हो गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को स्वस्थ, जागरूक और सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहियों को मंच से लाभान्वित किया। कार्यक्रम में शिक्षा, आजीविका संवर्धन एवं प्रतिभा प्रोत्साहन से जुड़े हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रोत्साहन राशि के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और स्थानीय उत्पादों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और विभागों के प्रयासों की सराहना की। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहनों से जो वादा किया था, वह निभाया है। कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को सशक्त किया जा रहा है, उनकी उपज को सरकारी दाम पर खरीदा जा रहा है। इस वर्ष 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई।

उन्होंने कहा कि पहली बार मध्यप्रदेश में किसानों की भूमि का अधिग्रहण होने पर उसका चार गुना मुआवजा किसानों को मिलेगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश सहित बुन्देलखंड में औद्योगिक विकास किया जा रहा है। उन्होंने शबरी माता के नाम पर माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर के भूमि-पूजन पर आभार भी प्रकट किया।

जयकारों के साथ हुआ मासिक महाआरती का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम धाम एवं भगवती मानव कल्याण संगठन के संयुक्त तत्वाधान में कृषि उपज मंडी सागर नाका दमोह में रविवार को मासिक महाआरती संपन्न हुई। समापन की बेला में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव आरती ठाकुर ने कहा की शक्तिपुत्र महाराज ने आज हम सबको मूल ध्वज की आरती से जोड़ा है जो लाभ हमें आश्रम में जाकर के मूल्य की आरती करने से प्राप्त होता है वह लाभ हमें यह कृषि उपज मंडी सागर नाका में सामूहिक रूप से इस महाआरती करने में लाभ प्राप्त होता है जिस प्रकार पारसमणी लोहे को सोना बनती है लेकिन हमारे गुरु भाई गुरु बहन आज समाज में जाकर के लोगों को नशे से मुक्त करते हुए अपने जैसा बना रहे हैं। यह परम सौभाग्य की बात है कि योगीराज शक्तिपुत्र ने वह आशीर्वाद हम सबको प्रदान किया आज हम सब बड़े सौभाग्यशाली हैं कि परम पूज्य श्री शक्तिपुत्र के चिंतन सुनते हैं उनके चरण का स्पर्श किया हैं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया है। अपनी-अपने डायरी में नोट करके रख लेना आगे आने वाली पीढ़ी मेरी चरण रज के लिए तड़पेगी और रोएगी। संभागीय उप प्रचार मंत्री ओमवती अठिया ने कहा कि शक्तिपुत्र ने कहा है 100 कौरवों की अपेक्षा पांच पांडव श्रेष्ठ हैं जो सत्य धर्म की यात्रा में आगे बढ़ सके क्योंकि शक्तिपुत्र महाराज को युग परिवर्तन करना है जिसमें शक्ति साधको को आगे बढ़ा रहे हैं जिससे समाज में परिवर्तन किया जा सके और हम सब बड़े सौभाग्यशाली हैं जो शक्तिपुत्र महराज के नजदीक जाकर के उनके चरण स्पर्श किए हैं।जिला उपाध्यक्ष दौलत सिंह ने कहा की नशा विरोधी जन आंदोलन के लिए और गति देने की आवश्यकता है जिससे समाज को नशे से बचाया जा सके क्योंकि आज समाज में देखा जा रहा है की जिले तहसील गांव गांव में अवैध रूप से शराब पहुंचाई जा रही है चाहे उन गांव में सब्जी पानी उपलब्ध न हो लेकिन अवैध शराब वहां पर अवश्य मिलेगी जिस प्रकार 1200 पेटी शराब देहात थाना के अंतर्गत भगवती मानव कल्याण संगठन ने पुलिस को सूचना देकर पकड़वाई जहर समाज में पहुंचाया जा रहा है जिससे बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है ।

आज रेलवे स्टेशन पर भंडारा होगा

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्री शिव साईं सेवाभाव परिवार द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में पिछले 17 मई से निरंतर नि:शुल्क प्रसाद वितरण किया जा रहा है जिसमें जरूरतमंदों, यात्रियों और निराश्रितों को भोजन कराया जा रहा है। श्री शिव सांई सेवा परिवार कमलेश्वरानंद महाराज ने बताया कि इसी सेवा अभियान के अंतर्गत आज 15 जून को दमोह रेलवे स्टेशन पर 6 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

महाराणा प्रताप जयंती पर आयोजन कल

दमोह (स्वतंत्र मत)। करणी सेना परिवार दमोह टीम जीवन सिंह शेरपुर द्वारा वीरता स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक मेवाड़ के अमर शूरवीर महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर 16 जून को आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का एकत्रीकरण स्थल तहसील ग्राउंड दमोह निर्धारित किया गया है, जहां से शाम 4 बजे भव्य शौर्य यात्रा प्रारंभ होगी। आयोजन के तहत शौर्य यात्रा तहसील ग्राउंड से निकलकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए हनुमान मंदिर प्रांगण, मारुताल दमोह-जबलपुर रोड पहुंचेगी। यहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। करणी सेना परिवार ने समस्त क्षेत्रवासियों अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

गौरी शंकर मुक्तिधाम में पर्यावरण प्रेमियों ने दिया स्वच्छता और हरियाली का संदेश

हटा (स्वतंत्र मत)। गौरी शंकर मुक्तिधाम परिसर में रविवार को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देते हुए मुक्तिधाम संगठन के सदस्यों ने श्रमदान किया। सदस्यों ने मिलकर परिसर में लगे पेड़ों की गुड़ाई की, गोलाकार थांवले बनाए तथा टैंकर के माध्यम से पेड़ों की सिंचाई की। कार्यक्रम का उद्देश्य मुक्ति धाम परिसर को हरा भरा और स्वच्छ बनाए रखना था। श्रमदान के दौरान सभी वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर कार्य किया। सदस्यों ने कहा कि मुक्ति धाम एक पवित्र स्थल है, इसलिए इसकी स्वच्छता और हरियाली बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

समाजसेवी अशोक चंपी और नारायण तंतुवाय ने मांग की ताकि वृक्षों को नियमित रूप से पानी मिल सके। इस संबंध में उन्होंने फोन पर चर्चा भी की। संगठन के सदस्यों ने बताया कि मुक्ति धाम में पौधरोपण, सफाई और रखरखाव का अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के प्रति विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिबद्ध

श्रवण एवं वाक बाधित व्यक्ति यों हेतु अनुगूंज अंतर्गत ऑनलाईन विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार श्रवण एवं वाक बाधित व्यक्तियों के अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं एवं नि:शुल्क विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाईन विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम अनुगूंज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंम्भ कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक रूसिया के कर कमलों से ऑनलाईन व्हीसी के माध्यम से प्रात: 10:30 बजे यूट्यूब बेबीनार के माध्यम से किया गया जिसमें सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के समस्त जिले ऑनलाईन सम्मिलित थे। उक्त अवसर पर विशाल मिश्रा न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर, सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर, अजय खेमरिया आयुक्त निशक्तजन मप्र शासन एवं सुश्री अनुजा सक्सेना सीनियर मीडिएटर प्रशिक्षक सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में सुभाष सोलंकी प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उदय सिंह मरावी विशेष न्यायाधीश, सुश्री स्नेहा सिंह मुख्य न्यायिक दंडाधिकारीए सुश्री अनुप्रेक्षा जैन, नीलेश मुलतकर, प्रवीण फुलपगारे मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अनिल जैन जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति संगीता मिश्रा प्रशासनिक अधिकारी, जिला दिव्यांग एवं पुर्नवास केन्द्र, रजनीश चौरसिया जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण सहित श्रवणबाधित तथा मूकबधिर हितग्राही, पीएलव्ही उपस्थित रहे। कार्यक्रम को न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा, सुश्री सुमन श्रीवास्तव सदस्य सचिव मप्रराविसेप्रा, अजय खेमरिया आयुक्त निशक्तजन मप्र शासन द्वारा 2016 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों, शासन द्वारा स्वास्थ्य, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली नि:शुल्क विधिक सहायताध्सलाह योजना, मीडिएशन के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

नाबालिक बालिका को भगाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा पुलिस ने नाबालिक बालिका को दिल्ली ले जाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी देवराज उर्फ बाबू अहिरवार गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया है। टीआई सुधीर बेंगी ने बताया कि थाना हटा में फरियादिया ने रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 14.12.2025 को यह अपनी मजली लड़की व छोटे लड़के को घर पर छोड़कर पति व बड़े लड़के के साथ चारा काटने खेत गई थी। शाम को घर वापिस आई देखा तो घर में ताला लगा था, घर के आस पडौस में देखा तो छोटा लड़का खेल रहा था उससे पूछा कि बहिन कहां है तो बोला मुझे पता नहीं है। तब मैंने मोहल्ला, आस पड़ौस में लड़की का पता किया परन्तु कोई जानकारी नहीं लगी। मेरे पति व बड़ा लड़का भी खेत से वापस घर आ गये थे उनको भी लड़की के घर से चले जाने के संबंध में बताई, उन्होंने भी गांव में एवं रिस्तेदारी में फोन लगाकर लड़की का पता किया। लड़की की कोई जानकारी नहीं लगी है।

मासिक शिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं ने किया पूजन

प्रदीप मिश्रा के साथ वर्चुअली किया शिव पूजन

हटा (स्वतंत्र मत)। पवित्र पुरुषोत्तम माह में आने वाला मासिक शिवरात्रि पर्व इस बार हटा नगर में श्रद्धा, आस्था और भक्ति के विशेष वातावरण में मनाया गया। इस पावन अवसर पर कथावाचक प्रदीप मिश्रा द्वारा विशेष शिव पूजन एवं आराधना कराई गई जिसमें देशभर के हजारों श्रद्धालु वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। हटा के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिरों में स्थान की कमी के चलते बड़ी संख्या में महिलाओं ने मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन जुड़कर पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ शिव पूजन किया। इसके अलावा अनेक शिव भक्तों ने अपने घरों में पूरे परिवार के साथ ऑनलाइन जुड़कर भगवान शिव की विधिवत पूजा.अर्चना की। श्रद्धालुओं ने घरों एवं मंदिरों में पूजन की तैयारी पहले से कर रखी थी। शिवलिंग, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, अक्षत, चंदन, दीपक और प्रसाद से पूजन स्थल सजाया गया। भक्तों ने टीवी और मोबाइल स्क्रीन पर बताई जा रही पूजन विधि का अनुसरण करते हुए श्रद्धापूर्वक भगवान भोलेनाथ का अभिषेक एवं पूजन किया। मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। पूजन के दौरान भक्तों ने भगवान शिव से परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और समाज में शांति की कामना की। श्रद्धालुओं का कहना था कि वर्चुअल माध्यम से जुड़ने के बावजूद ऐसा अनुभव हुआ मानो वे प्रत्यक्ष रूप से पूजन स्थल पर उपस्थित हों। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम माह का यह पुण्यकाल लगभग तीन वर्ष में एक बार आता है। इस अवधि में किए गए जप, तप, दान और पूजन का विशेष फल प्राप्त होता है, यही कारण है कि इस पर्व को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

6 दिवसीय हैप्पीनेस कोर्स का समापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्री श्री रविशंकर के आशीर्वाद से 6 दिवसीय हैप्पीनेस कोर्स का रविवार को समापन हुआ। प्रशिक्षक प्रशांत असाटी ने बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों ने गुरुदेव की अद्भुत व चमत्कारिक सुदर्शन क्रिया सीखी। साथ ही 6 दिन की इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने स्वयं के अस्तित्व को जाना। साधना, सेवा, सत्संग, प्राणायाम, योग, ध्यान, ज्ञान की कुंजियों और खेल के माध्यम से जीवन जीने की कला को सीखा।

राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को कर रही है प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ रुपये से अधिक की वितरित की प्रोत्साहन राशि

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है। छोटे उद्योग करोड़ परिवारों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। हमारा उद्देश्य वर्ष 2047 तक प्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई स्थापित करने का है। सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यम प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हर जिले में उद्योग, हर परिवार में रोजगार और हर युवा को अवसर देना राज्य सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। जिस प्रकार हर 12 वर्ष में सिंहस्थ स्नान का अवसर मिलता है, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन के 12 वर्ष से देशवासियों को अमृत स्नान का अवसर प्राप्त हुआ है। बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से प्रोत्साहन राशि और हितलाभ वितरण के लिए आयोजित समृद्ध एमएसएमई- विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश में एमएसएमई, स्टार्ट-अप प्रोत्साहन के लिए संचालित गतिविधियों पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री का औद्योगिक संगठनों ने किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण

किया। साथ ही 31 मार्च 2026 तक की समस्त देयताओं का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 6 ईटीपी निर्मित करने वाली इकाइयों को दो करोड़ 02 लाख की रुपये सहायता, विशेष पैकेज के तहत इकाइयों को एक करोड़ 07 लाख रुपये मण्डीशुल्क की प्रतिपूर्ति और 11 इकाईयों का विद्युत टैरिफ रुपए तीन करोड़ 69 लाख रुपये का वितरण सिंगल क्लिक से किया।

सवा करोड़ से अधिक लोगों को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता और नवाचारों में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी है। प्रदेश में 24 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में सवा करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसमें 4 लाख 41 हजार से अधिक इकाइयों की कमान बहनें संभाल रही हैं, यह महिला सशक्तिकरण का उदाहरण भी है। आगामी ढाई वर्षों में 4 हजार 500 करोड़ रुपये देकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को मजबूती देने का लक्ष्य है। एमएसएमई विकास, नीति उद्यमियों को मजबूती प्रदान कर रही है।

एमएसएमई क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए नियमों को सरल किया गया है। पिछले ढाई वर्षों में 30 नए औद्योगिक क्षेत्र और 14 क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं।

स्टार्ट-अप रैंकिंग में मध्यप्रदेश को लीडर श्रेणी का सम्मान मिला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के स्टार्टअप आज देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या 7 हजार 400 से अधिक हो चुकी है, जिनमें लगभग 50 प्रतिशत 3 हजार 400 से अधिक स्टार्ट-अप्स का नेतृत्व हमारी बहनें कर रही हैं। स्टार्ट-अप्स के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 23 हजार 500 से अधिक युवाओं को 1 हजार 630 करोड़ से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया ।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर
क्रमांक- का.से./ 2026-27/ 142
दिनांक 09/06/2026
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संभाग क्रमांक 15 वार्ड क्रमांक 73 (भगवान परशुराम वार्ड) अंतर्गत मौजा/ ग्राम करमेता नं.बं. 497 प.ह.नं. 78 (पुराना 26/23) खसरा नं. 62/3 एवं 87/1/2 कुल रकबा 0.4920 हेक्टेयर (4920.00 वर्गमीटर) में से 4260.10 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास (GOLD KADAMB VILLAS) की अनुमति हेतु विकासकर्ता/ कालोनाईजर मेसर्स अग्रवाल बिल्डर्स द्वारा पार्टनर्स श्री नीरज अग्रवाल पिता स्व. श्री आर. के. अग्रवाल, श्री नितिन अग्रवाल पिता स्व. श्री रामचंद्र अग्रवाल, श्री रीतेश अग्रवाल पिता श्री गोविंद प्रसाद अग्रवाल एवं श्री यशराज अग्रवाल पिता श्री मुकेश अग्रवाल पता- 107, फर्स्ट फ्लोर, राजुल कॉम्पलेक्स, आगा चौक, जबलपुर, म.प्र. द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के विरूद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है -बंधक सम्पत्ति का विवरण भूखंड क्रमांक 3, 4, 5, 6 कुल 04 नग कुल क्षेत्रफल 371,47 वर्गमीटर अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति / भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र एवं बंधक मुक्ति करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है।

प्रभारी कालोनी सेल
नगर पालिक निगम जबलपुर

ऑस्ट्रेलिया ने तुर्की को 2-0 से हराया

वैंकूवर (वार्ता)

नेस्टोरी ईरानकुंडा और कॉनर मेटकाफ के गोलों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की फुटबॉल टीम ने रविवार को फीफा विश्वकप 2026 में तुर्की के खिलाफ ग्रुप स्टेज के पहले मैच में 2-0 से जीत दर्ज की। इस नतीजे के बाद ऑस्ट्रेलिया, ग्रुप डी में अमेरिका के बराबर आ गया है। अब शुक्रवार को सिएटल में इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की मौजूदगी में, गोलकीपर पैट्रिक बीच ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए ग्रुप के पहले मैच में आठ बचाव किए। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठे और कुल मिलाकर सातवें वर्ल्ड कप में खेल रहा था। इरानकुंडा ने 27वें मिनट में सॉकरूज के लिए एक लो शॉट से गोल किया, जबकि तीन डिफेंडर उनका पीछा कर रहे थे। यह गोल फर्स्ट-हाफ के हाइड्रेशन ब्रेक के एक मिनट से भी कम समय बाद हुआ। इस गोल से ऑस्ट्रेलिया टीम को बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती आक्रामक खेल का फायदा ईरानकुंडा के गोल के रूप में मिला और इसके बाद खेल का स्वरूप बदल गया। तुर्की को अब गोल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने डिफेंस मजबूत किया और काउंटर-अटैक में खतरनाक दिखे। दूसरा हाफ सहनशक्ति की परीक्षा जैसा था, जिसमें तुर्की ने लगातार हमले किए और कई खतरनाक मौके बनाए। हालांकि,

ऑस्ट्रेलिया का डिफेंस दबाव में भी मजबूत बना रहा और गोलकीपर ने कई अहम बचाव करके बढ़त बनाए रखी। ऑस्ट्रेलिया ने 75वें मिनट में इसका फायदा उठाया। कॉनर मेटकाफ ने मिडफ़ील्ड में गेंद मिलने पर तेजी से आगे बढ़कर कोने में लो-शॉट मारा और बढ़त को दोगुना करते हुए जीत पक्की कर दी।

कतर बनाम स्विट्जरलैंड मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा

फ्रांसिस्को बे (वार्ता)। मिरो मुहेम के ओन गोल (अपनी ही टीम पर गोल) के कारण फीफा विश्वकप 2026 में ग्रुप बी के मुकाबले में कतर को स्विट्जरलैंड के खिलाफ एक अंक मिला। यह मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। शनिवार दोपहर सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में खेले गये ग्रुप बी मुकाबले की शुरुआत में कतर को गोल करने का मौका मिला था, जब दूसरे मिनट में मैनुअल अकांजी के फिसलने के बाद एडमिलसन जूनियर अकेले आगे बढ़े। विंगर ने अपना शॉट गोलकीपर कोबेल के बहुत करीब मारा। स्विट्जरलैंड का दबदबा होने के बावजूद, उसी खिलाड़ी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले फिर से खतरा पैदा किया, लेकिन कोबेल ने अपने पैर से बचाव किया। ऐसा लग रहा था कि ब्रेल एम्बोलो की 17वें मिनट की पेनल्टी ही कतर के खिलाफ निर्णायक साबित होगी, जो पहली बार विदेशी धरती पर वर्ल्ड कप खेल रही थी। लेकिन सब्स्टीट्यूट मुहेम ने बुआलेम खोखी के दबाव में आकर होमाम अहमद के क्रॉस पर हेडर किया और गेंद अपने ही गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल के पीछे गोल में चली गई। स्विट्जरलैंड ने मैच में 26 बार गोल करने का प्रयास किया था। मैच के बाद कतर टीम के कोच जूलन लोपेटेगुई ने कहा, च्यहां होना ही अपने आप में एक ऐतिहासिक बात थी।

हैती को हराकर स्कॉटलैंड ने 36 साल बाद विश्वकप जीत दर्ज की

बोस्टन (वार्ता)। स्कॉटलैंड की फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-सी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए हैती को हराते हुए 3 अंक हासिल किए। यह विश्वकप इतिहास में स्कॉटलैंड की 36 सालों में पहली जीत है। स्कॉटलैंड ने शानदार शुरुआत की और मैच के 17वें मिनट में स्कॉट मैकटोमिनी द्वारा मारी गई किक पर गेंद गोलपोस्ट से टकराई। जॉन मैकगिन ने 28वें मिनट में गोल दाग कर स्कॉटलैंड को सफलता और बढ़त दिला दी। पहले हाफ में एक गोल से पिछड़ने के

बाद हैती ने स्कॉटलैंड के लिए कुछ मुश्किलें खड़ी कीं। हैती ने कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन वह बराबरी करने में विफल रहे। जॉन मैकगिन ने पहले हाफ 28वें मिनट में किया गया गोल अंततः निर्णायक साबित हुआ। 1974 के बाद फीफा में हिस्सा ले रही हैती ने अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन इस कैरेबियाई देश को बोस्टन में खेले गए मैच में आखिरकार हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद स्कॉटलैंड ने विश्वकप में यह मैच जीता है। 1990 में उन्होंने स्वीडन के खिलाफ 2-1 से मैच जीता था। यह फीफा विश्वकप में स्कॉटलैंड की कुल पांचवीं जीत है।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

साउथैंप्टन (वार्ता)। आलिया ऑलेन (चार विकेट) के बाद शमैन कैंपबेल (नाबाद 90) और कप्तान हेली मैथ्यूज (48) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज की महिला टीम ने महिला विश्वकप के चौथे मुकाबले में न्यूजीलैंड को एक गेंद शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। कैंपबेल को उनकी शानदार पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने शनिवार रात टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 162 रनों का स्कोर बनाया। ब्रूक हैलिडे ने 32 गेंदों में (40), इसाबेला गेज ने 29 गेंदों में (39), सोफी डिवाइन ने (22) तथा मैडी ग्रीन ने 22 गेंदों में (35) रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए आलिया ऑलेन ने चार विकेट लिये। हेली मैथ्यूज और डिएंड्रा डॉटिन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने 19.5 ओवरों में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। वेस्टइंडीज को पहला झटका दूसरे ओवर में किआना जोसेफ (दो) रनआउट के रूप में लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी शमैन कैंपबेल ने कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ दूसरे विकेट लिए 74 रन जोड़े। 12वें ओवर में जेस केर ने हेली मैथ्यूज 37 गेंदों में (48) रन को आउट कर न्यूजीलैंड को दूसरी सफलता दिलाई। डिएंड्रा डॉटिन (छह) रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुई। शमैन कैंपबेल ने 62 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 90 रनों की मैच विजयी पारी खेली।

गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे के प्रदर्शनों से काफ़ी खुश हैं गिल

धर्मशाला (वार्ता)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ पहले वनडे में डेब्यू करने वाले गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे के प्रदर्शन से काफ़ी ख़ुश हैं। बारिश के कारण धर्मशाला में खेला गया पहला वनडे 25-25 ओवरों का हो गया था। इस मैच में बराड़ और दुबे ने तीन-तीन विकेट लिए। बराड़ ने अपनी गेंदबाज़ी के दौरान लगभग 150 की गति से गेंद को अंदर लाते हुए बल्लेबाज़ों को काफ़ी परेशान किया। वहीं हर्ष दुबे ने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाज़ी करते हुए विकेट निकाले। 48 गेंदों में शतक लगाने वाले रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने अफ़ग़ानिस्तान के लिए विशाल स्कोर की नींव रखी थी लेकिन दोनों युवा गेंदबाज़ों के प्रदर्शन के कारण मेहमान टीम सिर्फ़ 194 पर सिमट गई। अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ में 1-0 की बढ़त हासिल करने के बाद गिल ने कहा, गुरनूर के प्रदर्शन से मैं काफ़ी ख़ुश हूं। वह काफ़ी तेज़ गति के साथ गेंदों को स्विंग करा रहे थे। साथ ही उनकी लाइन और लेंथ में भी शानदार निरंतरता दिखी। साथ ही हर्ष ने भी कमाल की गेंदबाज़ी की। पहले ओवर में उनके ख़िलाफ़ 16 रन बनाए गए थे। उसके बाद उन्होंने जिस तरह से वापसी की, वह अद्भुत थी। वह लगातार गेंदों को आगे फेंकते रहे। वह अपनी क्षमता पर विश्वास करते रहे।

छोटे किए गए मैच में दुबे ने गेंद से मिडिल ओवर्स में कंट्रोल बनाए रखा, और फिर गिल ने 66 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाकर भारत की पकड़ मज़बूत रखी। इशान किशन और केएल राहुल की तेज़-तर्रार पारियों ने यह पक्का कर दिया कि अफ़ग़ानिस्तान के लिए वापसी का कोई रास्ता न बचे। गिल ने कहा, मुझे लगता है कि वनडे मैचों में मिडिल ओवर्स बहुत अहम होते हैं। अगर एक बॉलिंग ग्रुप के तौर पर आप मिडिल ओवर्स में दबाव बनाए रख सकें, मौके बनाते रहें और बैटिंग करते समय भी आप यही करना चाहते हैं। अगर हम स्ट्राइक रोटेट करते रहें, अच्छे रन रेट (छह या साढ़े छह) से बैटिंग करते रहें और ज़्यादा विकेट न गंवाएं, तो आप डेथ ओवर्स के लिए गेम को अच्छी तरह सेट कर सकते हैं।

बंगलादेश ने नीदरलैंड को छह विकेट से हराया

बर्मिंघम (वार्ता)। बंगलादेश ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स को महिला टी 20 विश्व कप मुकाबले में रविवार को छह विकेट से हरा दिया। नीदरलैंड्स ने आठ विकेट पर 139 रन बनाये जबकि बंगलादेश ने 19.1 ओवर में चार विकेट पर 141 रन बनाकर आसान जीत हासिल कर ली। बांग्लादेश को अपने सर्वोच्च रन-चेज़ को सुरक्षित करने के लिए निश्चित रूप से कड़ी मेहनत करनी पड़ी। प्लेयर ऑफ द मैच जुएरिया फिरदौस (50) ने उन्हें शानदार शुरुआत दी और शुरुआती मौके का

फायदा उठाते हुए तेज अर्धशतक बनाया। हालाँकि, अगली ही गेंद पर उनके आउट होने से नाटकीय पतन हुआ। कैरोलिन डी लैंग ने फिरदौस और कप्तान निगार सुल्ताना को आउट करके लगातार गेंदों पर दो विकेट लेकर खेल का रुख पलट दिया, इससे पहले सिल्वर सीजर्स ने दिलारा एक्टर को परफेक्ट लेग-ब्रेक से क्लीन बोल्ड कर दिया। जब फ्रेडरिक ओवरडिज्क ने अपनी ही गेंद पर शानदार रन आउट किया, तो बंगलादेश ने खुद को चार रन से पीछे पाया और बढ़ते रन रेट का दबाव महसूस किया। मैच का रुख पूरी तरह से शांत रहकर पलटा गया 29 गेंदों तक कोई बाउंड्री न लगने के तनावपूर्ण दौर को खत्म करके मोमेंटम को वापस अपनी तरफ किया गया। शर्मिन अख्तर ने एक छोर संभाले रखा और उन्हें शोर्ना अख्तर का बेहतरीन साथ मिला दोनों ने छठे विकेट के लिए 50 रनों की अहम साझेदारी की।

भारत की नजरें प्रो लीग में वापसी पर

ऑकलैंड (वार्ता)

भारतीय हॉकी टीम ऑकलैंड, न्यूज़ीलैंड में अपने एफआईएच महिला नेशंस कप 2025-26 अभियान के ज़रिए अगले साल की प्रो लीग में वापसी करने की कोशिश करेगी। महिला नेशंस कप 15 से 21 जून तक चलेगा और इसे भारत में लाइव स्ट्रीम पर देखा जा सकेगा। 2024-25 प्रो लीग टेबल में सबसे नीचे रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी नेशंस कप में भेज दिया गया था। सलीमा टेटे भारतीय टीम की कप्तानी जारी रखेंगी। टीम में लालथंतलुंगी और शिल्पी डबास भी शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पहली बार सीनियर टीम में बुलाया गया था। अटैक की कमान नवनीत कौर संभालेंगी और उन्हें आगे दीपिका, रुतुजा पिसल, अन्नू और इशिका के

साथ-साथ अनुभवी मिडफील्डर लालरेम्सियामी हमार्ज़ोटे और सोनम का साथ मिलेगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अच्छे दौरे के बाद एफआईएच नेशंस कप के चौथे संस्करण में उतर रही है, जहाँ सीरीज़ 2-2 से ड्रॉ पर खत्म हुई थी। एफआईएच वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स 2026 को देखते हुए, आगामी हॉकी मैच खिलाड़ियों के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करने और कोच शुअर्ड मरिने के लिए रणनीति के साथ प्रयोग करने का मौका भी देते हैं। महिला नेशंस कप 2025-26 में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार टीमों के दो पूल में बांटा गया है। भारत को जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ पूल ए में रखा गया है। भारत अपने पूल की सबसे मज़बूत टीम है और हॉकी रैंकिंग में नौवें स्थान पर है। यूनाइटेड स्टेट्स 12वें, जापान 15वें और उरुग्वे 17वें स्थान पर है।

ग्लोबल पेटेंट रैंकिंग में टॉप-20 में पहुंची जियो

मुंबई (वार्ता)

जियो प्लेटफॉर्म्स ने वैश्विक पेटेंट रैंकिंग में बड़ी ऊंची छलांग लगाते हुए विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (वाइपो) की ताजा पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी (पीसीटी) रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स ग्लोबल पहले-20 की सूची में पहुंच गई है। कंपनी 2025 की सूची में 320 पायदान से उठ कर 20वें स्थान पर पहुंची है। जिओ की रविवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की यह टेक्नोलॉजी इस सूची में पहले 20 में स्थान बनाने वाली अकेली भारतीय टेक इनोवेटर (नवप्रवर्तन) है और कंपनी अब हुआवेई, सैमसंग, क्वालकॉम, एलजी, पैनासोनिक, नोकिया, गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी वैश्विक टेक कंपनियों के समूह में शामिल हो गई है। जियो की पेटेंट फाइलिंग अगली पीढ़ी की डिजिटल तकनीकों पर केंद्रित है। इनमें 5जी, 5जी एडवांस्ड, 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई-नेटिव नेटवर्क, क्लाउड-नेटिव प्लेटफॉर्म, इंटेलिजेंट

ऑटोमेशन, रेडियो एक्सेस, कोर नेटवर्क सॉफ्टवेयर, एज इंटेलिजेंस, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, नेटवर्क स्लाइसिंग और डिजिटल सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस उपलब्धि पर जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश एम. अंबानी ने कहा, च्च्वाइपो-पीसीटी रैंकिंग में जियो प्लेटफॉर्म्स का ग्लोबल टॉप-20 में आना हमारी डीप-टेक कंपनी बनने की दिशा में कई वर्षों की मेहनत को दिखाता है। यह जियो में कई उन्नत तकनीकों पर हो रहे शानदार इनोवेशन का सबूत है, जो आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा। आकाश अंबानी ने कहा कि वह इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को समर्पित करते हैं। उनके अनुसार यह विजन भारत को दुनिया के लिए तकनीक का निर्माता, मालिक और निर्यातक बनाने की दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि जियो भारत को ग्लोबल डीप-टेक पावरहाउस बनाने की यात्रा में योगदान देकर गर्व महसूस करता है। जियो की 320 पायदान की छलांग ऐसे समय आई है, जब वैश्विक स्तर पर पीसीटी फाइलिंग की वृद्धि एक प्रतिशत से भी कम रही। वाइपो की यह रैंकिंग जियो प्लेटफॉर्म्स की अनुसंधान एवं विकास क्षमता और उसके बौद्धिक संपदा पोर्टफोलियो की मजबूती को वैश्विक स्तर पर मान्यता देती है। जिओ ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक उसने ने कुल 6,817 पेटेंट फाइल किए हैं। इनमें 2,393 पेटेंट भारत में और 4,424 पेटेंट विदेशी बाजारों में फाइल किए गए हैं। कंपनी के 1,009 पेटेंट अब तक वैश्विक स्तर पर मंजूर हो चुके हैं, जिनमें 538 भारत में और 471 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मिले हैं।

बिहार के तीन पारंपरिक उत्पादों को जीआई टैग मिलना गौरव का विषय : डॉ. प्रेम कुमार

पटना (वार्ता)बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार के तीन पारंपरिक उत्पादों नालंदा की बावन बूटी साड़ी एवं फैब्रिक, गया के पत्थरकट्टी स्टोन क्राफ्ट तथा भोजपुर की पिढ़िया पेंटिंग को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यवासियों, शिल्पकारों, बुनकरों एवं कलाकारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।डॉ. प्रेम कुमार ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं राज्य सरकार की सकारात्मक नीतियों के कारण बिहार की पारंपरिक कला, शिल्प और सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि नालंदा की बावन बूटी बुनकरी, गया की पत्थरकट्टी शिल्पकला तथा भोजपुर की पिढ़िया पेंटिंग बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपरा और सृजनात्मक प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जीआई टैग मिलने से इन उत्पादों की विशिष्ट पहचान को कानूनी संरक्षण प्राप्त होगा तथा इनके विपणन, ब्रांडिंग एवं निर्यात की संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह उपलब्धि उन हजारों शिल्पकारों, बुनकरों और कलाकारों के वर्षों के परिश्रम, कौशल एवं समर्पण का सम्मान है, जिन्होंने पीढ़ियों से इन पारंपरिक कलाओं को संरक्षित एवं जीवंत बनाए रखा है।

एफपीआई ने जून में बेची 62,853 करोड़ रुपये की इक्विटी

मुंबई (वार्ता)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक भारतीय पूंजी बाजार से 43,955 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है जिसमें अकेले इक्विटी में उनका निवेश 62.8 हजार करोड़ रुपये कम हुआ है। केंद्रीय डिपॉजटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून के पहले दो सप्ताह में इक्विटी में 62,853 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाये गये पैसे और निकाले गये पैसे का अंतर है। इक्विटी के अलावा म्यूचुअल फंड में भी एफपीआई निवेश 35 करोड़ रुपये कम हुआ है। हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई ने 27 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट में इस महीने अबतक एफपीआई ने पैसा लगाया है। इसमें उन्होंने शुद्ध रूप से 18,960 करोड़ रुपये की लिवाली की है। यह लगातार चौथा महीना है जब भारतीय पूंजी बाजार में एफपीआई बिकवाल हैं। इससे पहले मई में उन्होंने 29.919 करोड़ रुपये, अप्रैल में 70,786 करोड़ रुपये और मार्च में

1,26,991 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस साल जनवरी से अबतक एफपीआई बाजार में 2,62,875 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं। इसमें इक्विटी और म्यूचुअल फंड से उन्होंने शुद्ध निकासी की है जबकि डेट में उन्होंने पैसा लगाया है। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अकेले इक्विटी से एफपीआई 2,87,785 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट, चीनी, तेल मजबूत

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव घट गया। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और खाद्य तेलों में तेजी देखी गयी जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 20 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 3,831 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 22 रुपये सस्ता हुआ और 2,771 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। आटे का भाव 12 रुपये टूटकर 3,270 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 34 रुपये और चना दाल की नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वहीं, मूंग दाल 36 रुपये और तुअर दाल 35 रुपये सस्ती हुई। मसूर दाल में सात रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में तेजी रही। मूंगफली तेल 347 रुपये और सोया तेल 136 रुपये प्रति क्विंटल उछल गया। पाम ऑयल में 119 रुपये और सूरजमुखी तेल में 93 रुपये की तेजी देखी गयी। वनस्पति 59 रुपये और सरसों तेल 41 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 17 रुपये महंगी हुई।दाल चना 7739.86 रुपये,

मसूर काली 8105.53 रुपये, मूंग दाल 10159.88 रुपये, उड़द दाल 10887.11 रुपये, तुअर दाल 11229.37 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2771.37 रुपये और चावल 3830.99 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3269.68 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4368.25 रुपये और गुड़ 5101.80 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 18207.43 रुपये, मूंगफली तेल 19310.21 रुपये, सूरजमुखी तेल 17736.88 रुपये, सोया तेल 15278.24 रुपये, पाम ऑयल 13833.28 रुपये और वनस्पति 15217.63 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

वैश्विक कारकों और घरेलू आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई (वार्ता)

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर ईरान शांति वार्ता और विभिन्न वृहत आर्थिक संकेतकों पर होगी। ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता की उम्मीद में गत शुक्रवार को हुई जबरदस्त लिवाली से पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में साप्ताहिक तेजी देखी गयी। आने वाले सप्ताह में भी शांति वार्ता की प्रगति सबसे प्रमुख कारक होगा। घरेलू स्तर पर महंगाई और आयात-निर्यात के आंकड़ों के साथ मानसून की प्रगति का असर बाजार पर दिखेगा। खुदरा महंगाई के आंकड़े शुक्रवार शाम जारी हुए हैं जबकि थोक महंगाई के आंकड़े सोमवार दोपहर जारी होने हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक 16 और 17 जून को होनी है। फेड का बयान भी शेयर बाजार को प्रभावित करेगा। गत सप्ताह सोमवार और गुरुवार को

छोड़कर शेष तीन दिन बाजार में तेजी रही। विशेषकर, शुक्रवार को प्रमुख सूचकांक दो प्रतिशत चढ़ गये। बीएसई का सेंसेक्स 1,284.61 अंक (1.73 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 75,527.95 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 256.20 अंक यानी 1.10 प्रतिशत चढ़कर 23,622.90 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजार में निवेशकों ने कुछ कम पैसा लगाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.39 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.48 प्रतिशत चढ़ा। बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में जहां लिवाली हावी रही, वहीं आईटी कंपनियां दबाव में रहीं। सेंसेक्स में कोटक महिंद्रा बैंक में सबसे अधिक 6.85 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी देखी गयी। एक्सिस बैंक का शेयर 6.47 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक का 6.19, इंडिगो का 5.14, भारतीय स्टेट बैंक का 4.00, एचडीएफसी बैंक का 3.35 और बजाज फाइनेंस का 3.32 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। मारुति सुजुकी का शेयर 2.47 प्रतिशत, एलएंडटी का 2.43, एशियन पेंट्स का 2.28 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.20 प्रतिशत चढ़ा। अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.81 प्रतिशत, आईटीसी में 1.57, सनफार्मा में 1.33 और भारती एयरटेल में 1.31 प्रतिशत की तेजी रही। इंफोसिस का शेयर सबसे अधिक 6.73 प्रतिशत गिर गया। इटरनल का शेयर 4.93 फीसदी, टाटा स्टील का 4.33, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 3.92, टेक महिंद्रा का 3.59, एनटीपीसी का 2.13, टाइटन का 1.71 और टीसीएस का 1.67 प्रतिशत उतर गया। बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, अडानी पोर्ट्स और बीईएल के शेयर भी नीचे बंद हुए।

खरीददारी करने लोगों की उमड़ी भीड़

कृषि उपज मंडी में रविवार को सजा जैविक हाट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा आयोजित किये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का इस रविवार भी कृषि उपज मंडी परिसर में सफल आयोजन किया गया। खेत से थाली तक शुद्ध आहार की अवधारणा को साकार करते हुए लगाये गये जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखण्डों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर रसायन मुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री की खरीदी की। जैविक हाट में पारंपरिक जैविक सब्जियों के साथ-साथ मौसमी फलों की विशेष आकर्षक श्रृंखला देखने को मिली, जिसमें मल्लिका एवं दशहरी आम एवं जामुन प्रमुख रहे। देशी गिर गाय के दूध का दही, मही एवं पनीर, रागी आटा, आदि विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

बहोरपार में नर्मदा घाट रेत उत्खनन में लिप्त तीन व्यक्तियों पर केस दर्ज

चार हाइवा अवैध रेत को नदी में फेंका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्ती से रोक लगाने रविवार को आकस्मिक कार्यवाही कर ग्राम बहोरीपार में नर्मदा घाट पर अवैध रूप से भंडारित लगभग 4 हाईवा रेत को जब्त कर जेसीबी मशीनों की सहायता से वापस नदी में प्रवाहित कर दिया गया ।तहसीलदार रविंद्र पटेल एवं थाना प्रभारी बरगी नीलेश दोहरे द्वारा की गई इस कार्यवाही में रेत का अवैध उत्खनन करने वाले तीनों व्यक्तियों अशोक बर्मन, अंकित बर्मन एवं राकेश यादव पर प्रकरण दर्ज किया।

सीमित है स्थान...सोच में पड़े श्रीमान

रादुविवि दीक्षांत समारोह की बैठक व्यवस्था पर मंथन जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रादुविवि में आयोजित होने वाले 36वें दीक्षांत समारोह को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। 21 जून को आयोजित इस ऐतिहासिक और गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने भोपाल जाकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और उन्हें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप आमंत्रित किया। विश्वविद्यालय में लगभग 20 वर्षों के एक लंबे अंतराल के बाद किसी राष्ट्रपति का आगमन होने जा रहा है, जिसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और बैठक व्यवस्था को लेकर गहन मंथन भी चल रहा है। कुलसचिव प्रो. रविशंकर सोनवाल

ने बताया कि तैयारियों को समय पर पूरा करने के लिए विवि में शासकीय अवकाश के दिनों में भी कार्य जारी रहेगा। समारोह के लिए निर्धारित मुख्य सभागार में बैठने की क्षमता 486 सीटों की है। विश्वविद्यालय में इस वर्ष 250 से अधिक ऐसे मेधावी छात्र हैं जिन्हें स्वर्ण पदक और मुख्य उपाधियां मिलनी है। इन विद्यार्थियों के अलावा भी शासन के मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति भी इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण रूप से होगी। राष्ट्रपति की सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन मिलकर बैठक व्यवस्था का मंथन कर रहा है। इसके साथ ही मुख्य सभागार के अंदर किसको और कितने लोगों को एंट्री मिलेगी इसका अंतिम निर्णय दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन और लोक भवन भोपाल के अधिकारियों से निरंतर संवाद के बाद ही पूरी तरह से तय किया जाएगा।

परिसर में हो सकता है लाइव प्रसारण

छात्र-छात्राओं के साथ उनके माता-पिता और परिजन भी बड़ी संख्या में शामिल होने पहुंचेंगे। सभागार में जगह की कमी को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसके तहत कार्यक्रम का दो अलग-अलग स्थानों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम स्थल के अलावा डीआईसी सहित विश्वविद्यालय के एक अन्य विशाल हॉल में आमंत्रित अतिथियों और परिजनों के बैठने की विशेष व्यवस्था की जा रही है। इस वैकल्पिक पंडाल या हॉल में बड़ी स्क्रीन के माध्यम से लोग पूरे दीक्षांत समारोह को लाइव देख सकेंगे। इस व्यवस्था से गरिमा भी बनी रहेगी और कोई भी व्यक्ति इस ऐतिहासिक पल को देखने से वंचित नहीं रहेगा।

प्रतिष्ठित हस्तियां हो रहीं शामिल

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। समारोह में मध्य प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगू भाई पटेल, विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए अतिथियों के स्वागत, आवास और परिवहन की विस्तृत व्यवस्था की जा रही है। माननीय कुलगुरु प्रो. वर्मा ने बताया कि दीक्षांत समारोह को गरिमामय, सुव्यवस्थित और सफल बनाने पर विशेष जोर जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समारोह विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाता है। ऐसे में आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी की जानी चाहिए।

ऐसा फ्लाईओवर अमेरिका में देखा था: जितिन प्रसाद

केंद्रीय मंत्री के दौरे में 14 वाहनों के काफिले पर उठे सवाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद आज अपने एक दिवसीय दौरे पर संसकारधानी जबलपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की और नवनिर्मित रानी दुर्गावती फ्लाईओवर का बारीकी से निरीक्षण किया। हालांकि, उनके इस दौरे में विकास की चर्चाओं से कहीं ज्यादा सुर्खियां उनके पीछे चल रहे वाहनों के लंबे काफिले ने बटोरीं, जिसे लेकर आम जनता के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, केंद्रीय मंत्री के इस प्रवास के दौरान शहर की सड़कों पर करीब 14 वाहनों का एक विशाल काफिला दौड़ता नजर आया। इस काफिले में सुरक्षा बल, प्रशासनिक अमले और प्रोटोकॉल से जुड़ी तमाम गाड़ियां शामिल थीं। दौरे के समय उनके साथ प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी मौजूद रहे। इतनी बड़ी तादाद में गाड़ियों के हुजूम को देखकर स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। लोगों का कहना था कि एक तरफ सरकार आम जनता से ईंधन बचाने, पर्यावरण संरक्षण और अनावश्यक वाहनों का उपयोग कम करने की अपील करती है, वहीं दूसरी तरफ वीआईपी दौरों में इस तरह के भारी-भरकम काफिलों की क्या आवश्यकता है, जनता के बीच यह सवाल गूंजता रहा कि क्या इसी तरह पेट्रोल-डीजल की बचत की जाएगी? केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने रानी दुर्गावती फ्लाईओवर के निर्माण और उसकी भव्यता की जमकर सराहना की। लगभग 7 किलोमीटर लंबे इस फ्लाईओवर का मुआयना करने के बाद उन्होंने इसे आधुनिक इंजीनियरिंग का एक बेजोड़ नमूना बताया। केंद्रीय मंत्री ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि इस तरह की विशाल और उन्नत अधोसंरचना उन्होंने सालों पहले अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान देखी थी। अब उसी अंतरराष्ट्रीय स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर जबलपुर में मूर्त रूप ले चुका है, जो बेहद गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह परियोजना न केवल महाकौशल क्षेत्र की पहचान बदलेगी, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था को भी बेहद सुगम और जाम-मुक्त बनाएगी।

14 ट्रेनों में नए कोच जोड़ने की तैयारियां शुरू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे ने यात्रियों की सुविधा और सफर को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया कि 14 ट्रेनों में एसी थ्री टियर कोच हटाकर उनकी जगह एसी 3 इकोनॉमी कोच लगाए जाएंगे। यह नई व्यवस्था सोमवार 15 जून से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक हर ट्रेन में एक एसी3 इकोनॉमी कोच लगाया जाएगा। इससे यात्रियों को कम किराए में एयरकंडीशनर सफर का विकल्प मिलेगा और ज्यादा लोगों को सीट मिल सकेगी। 15 जून सोमवार से ट्रेन नंबर 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस में यह बदलाव शुरू होगा। इसके बाद 16 जून को 12186 रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस में भी यह सुविधा मिलेगी।

अलग अलग तारीखों में जुड़ेंगे कोच - 17 जून से 12155 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस में नया कोच लगेगा। 18 जून को 20156 नई दिल्ली-डॉ आंबेडकर नगर एक्सप्रेस में बदलाव होगा। 19 जून से 20155 डॉ आंबेडकर नगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस में यह सुविधा शुरू होगी। 20 जून को 12156 हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति एक्सप्रेस और 22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस में बदलाव होगा। 21 जून को 22167 सिंगरौली-हजरत निजामुद्दीन और 11633 भोपाल-चोपन एक्सप्रेस में कोच बदले जाएंगे।

22 जून से 22168 हजरत निजामुद्दीन-सिंगरौली, 11634 चोपन-भोपाल और 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस में नई व्यवस्था लागू होगी। 23 जून को 22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस में बदलाव किया जाएगा। 24 जून से 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस में भी एसी थ्री इकोनॉमी कोच जोड़ दिया जाएगा।

हाईवे पर बिना नंबर की कार से शराब तस्करी का भंडाफोड़

11 लाख के माल समेत अंतरजिला नेटवर्क का आरोपी पकड़ाया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को कामयाबी हाथ लगी जब सूचना पर पनागर पुलिस टीम ने एनएच-30 पर घेराबंदी कर एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया । आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में नामी ब्रांड्स की अंग्रेजी शराब और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बिना नंबर की नीले रंग की स्विफ्ट कार जब्त की गई है। पनागर थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कटनी की तरफ से एक नीले रंग की बिना नंबर की कार भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर आ रही है। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने एनएच-30 स्थित हरिओम ढाबा के पास पोजीशन ली। कुछ ही देर बाद मुखबिर के बताए अनुसार एक तेज रफ्तार कार आती दिखी। पुलिस को देखकर कार चालक घबरा गया और उसने मझौली

बाईपास के पास गाड़ी को वापस कटनी की तरफ मोड़कर भागने का प्रयास किया। हालांकि, मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए कार को रोक लिया। कार चालक को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की गई, तो उसने अपना नाम 34 वर्षीय शेख समीर निवासी टीवी टावर कटंगा, थाना कैंट बताया। बिना नंबर की स्विफ्ट कार की तलाशी लेने पर पुलिस को पिछली सीट और डिक्की में शराब के कुल 20 कार्टन भरे हुए मिले। इनमें गोवा अंग्रेजी शराब के 50 पाव, 24 बोतल व्हिस्की, 8 पीएम स्पेशल व्हिस्की की 48 बोतलें, बैगपाइपर के 48 पाव, आइकॉनिक रम की 24 बोतलें और मैजिक मोमेंट्स के अलग-अलग फ्लेवर की 72 बोतलें बरामद की गईं। जब्त की गई कुल शराब 196 लीटर है जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 80 हजार आंकी गई है।

अवैध तस्करी के बदले मिलती थी मजदूरी

पूछताछ में आरोपी शेख समीर ने इस काले कारोबार के अंतरजिला नेटवर्क का खुलासा किया है। उसने बताया कि घमापुर स्थित बाई का बगीचा निवासी साहिल यादव और कांचघर झामनदास चौराहा निवासी निहाल नायडू के कहने पर वह इस तस्करी में शामिल हुआ था। उसे केवल 2 हजार रुपये की मजदूरी का लालच दिया गया था। उसने यह शराब बहोरीबंद की तरफ से आ रही एक अन्य अज्ञात बिना नंबर की बोलेरो गाड़ी से अपनी स्विफ्ट कार में लोड की थी और इसे साहिल व निहाल को डिलीवर करने जा रहा था।

बिना सहमति स्मार्ट मीटर थोपने और कनेक्शन काटने पर मानव अधिकार आयोग सख्त

एमडी से मांगा दो हफ्ते के अंदर जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ताक पर रखकर उपभोक्ताओं पर जबरन स्मार्ट मीटर थोपने और विरोध करने पर बिजली काटने का एक मामला सामने आया नियमों के मुताबिक स्मार्ट मीटर लगवाना अनिवार्य नहीं है और इसके लिए उपभोक्ताओं की लिखित या मौखिक सहमति बेहद जरूरी है। इसके बावजूद, मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों द्वारा जबलपुर जिले में तानाशाही रवैया अपनाते हुए उपभोक्ताओं को प्रताड़ित कर मीटर बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इस जबरन बदलाव के कारण उपभोक्ताओं को न केवल मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है, बल्कि उनके बिजली बिल भी पहले के मुकाबले कई गुना ज्यादा आ रहे हैं। हाल ही में इनकम टैक्स चौराहा स्थित चर्च कंपाउंड में रहने वाले पंकज बोरो के निवास पर बिजली कंपनी की बर्बरता देखने को मिली, जहां स्मार्ट मीटर न लगवाने पर उनके घर की बिजली ही काट दी गई। आखिरकार, मजबूर होकर उन्हें इस व्यवस्था के आगे झुकना पड़ा और स्मार्ट मीटर लगवाना पड़ा। समाचार पत्रों में छपी इस खबर को गंभीरता से लेते हुए, मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग की क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा की पहल पर जनहित में इस मामले पर संज्ञान लिया गया है। आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में मामले की सुनवाई करते हुए अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने इसे प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों का खुला उल्लंघन माना है। आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर के प्रबंध संचालक को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए हैं।

बरगी बांध से जुलाई के पहले हफ्ते में छूटेगा पानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । खरीफ सीजन की सिंचाई और नहरों की व्यवस्था को लेकर नर्मदा विकास प्राधिकरण दाई तट के अधिकारियों और भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के बीच बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य अभियंता वर्मा सहित नहर विभाग के तमाम अधिकारी और पनागर, सिहोरा व मझौली तहसील के किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में किसानों की समस्याओं और आगामी सिंचाई योजना को लेकर बेहद गंभीर चर्चा हुई, जिसमें नर्मदा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बांध के जलस्तर और बहुप्रतीक्षित स्लीमनाबाद टनल परियोजना को लेकर जानकारी दी । मुख्य अभियंता वर्मा ने सिंचाई के बुनियादी ढांचे की जानकारी देते हुए बताया कि दाईं तट नहर प्रणाली से 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर और बाईं तट प्रणाली से 1 लाख 57 हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में सिंचाई की जाती है। उन्होंने पानी छोड़े जाने के तकनीकी मापदंडों को स्पष्ट करते हुए कहा कि दाईं तट पर बरगी बांध का जलस्तर 411.48 मीटर और बाईं तट पर 403 मीटर पहुंचने के बाद ही नहरों में पानी का प्रवाह शुरू किया जाता है। मानसून की आमद के साथ उम्मीद जताई जा रही है कि जुलाई के प्रथम सप्ताह

स्लीमनाबाद टनल का काम भी अंतिम चरण में, किसान संघ ने रखीं अहम मांगें

तक बांध का जलस्तर इस पैमाने को पार कर जाएगा, जिसके तुरंत बाद किसानों के खेतों के लिए पानी छोड़ दिया जाएगा। इसके साथ ही किसानों के लिए बताया कि कुल 11,952 मीटर लंबी स्लीमनाबाद टनल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और अब मात्र 83 मीटर का काम शेष है। इसके पूर्ण होते ही रीवा, सतना और मैहर जैसे सुदूर जिलों के लाखों किसानों को सिंचाई का भरपूर लाभ मिलने लगेगा। बैठक में राघवपुर और बासनिया सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

नहरों की सफाई में पारदर्शिता की मांग - बैठक के दौरान भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष रामदास पटेल ने मांग रखी कि वर्षा काल से पहले नहरों की साफ-सफाई का काम हर हाल में समय पर पूरा किया जाए। साथ ही कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए पूरी सफाई प्रक्रिया की अनिवार्य वीडियोग्राफी कराई जाए। पनागर तहसील क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने खरीफ की सिंचाई शुरू होने से पहले नहरों से सभी अवैध कनेक्शन हटाने और पक्के मोघे दुरुस्त करने की बात कही।

इस बैठक में भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पुखराज सिंह चंदेल, रामकृष्ण सोनी, जितेंद्र पटेल, रितेश पचौरी और नितिन गौतम उपस्थित रहे।

नर्मदा में डूबने से 2 दोस्तों की मौत: नदी में नहाने के दौरान हुआ हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिलुआ घाट पर रविवार को हुए एक दर्दनाक हादसे में दो दोस्तों की नर्मदा नदी में डूबने से मौत हो गई। दोनों लड़के अपने साथियों के साथ नदी में नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान एक युवक नहाते हुए एकदम से गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा उसे डूबता देख बचाने के लिए उसका दोस्त आगे आया लेकिन दोनों तेज बहाव और गहरे पानी की चपेट में आ गए। और डूबने से दोनों की मौत हो गई । सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव घटनास्थल से लगभग 50 मीटर दूर बरामद किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चौखड़ा निवासी

19 वर्षीय ध्रुव पटेल और 17 वर्षीय सागर पटेल रविवार सुबह अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ गौर चौकी थाना अंतर्गत सिलुआ घाट पहुंचे थे। गर्मी और छुट्टी के दिन का आनंद लेने के लिए सभी युवक नर्मदा नदी में नहा रहे थे। शुरुआत में सभी घाट के पास उथले पानी में थे, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुछ देर बाद ध्रुव पटेल अचानक गहरे पानी में पहुंच गया और खुद को संभाल नहीं सका। वह डूबने लगा और मदद के लिए चिल्लाने लगा। अपने दोस्त को संकट में देख सागर पटेल तुरंत उसे बचाने के लिए पानी में उतर गया। हालांकि वह भी गहराई और भंवर का अंदाजा नहीं लगा सका। दोनों दोस्तों ने काफी देर तक बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन नदी के तेज बहाव और गहरे पानी में फंसने के कारण वे खुद को नहीं बचा सके।

नाविकों ने किया बचाव का प्रयास - इस घटना को देख रहे बाकी दोस्तों ने जोर-जोर से शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई। घाट पर मौजूद नाविक और स्थानीय लोग तुरंत नदी की ओर दौड़े। कुछ नाविक युवकों को बचाने के लिए नदी में भी उतरे, लेकिन तब तक दोनों पानी में लापता हो चुके थे। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद गौर चौकी पुलिस मौके के लिए रवाना हुई।

घंटों चला रेस्क्यू अभियान

सूचना मिलते ही गौर चौकी प्रभारी नितिन पांडे पुलिस बल के साथ सिलुआ घाट पहुंचे। वहीं एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। दोनों युवकों की तलाश के लिए नदी में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू टीम ने नावों और गोताखोरों की मदद से कई घंटों तक नदी में खोजबीन की। तेज बहाव और गहराई के कारण अभियान चुनौतीपूर्ण रहा। लगातार प्रयासों के बाद करीब तीन घंटे बाद दोनों युवकों के शव घटनास्थल से लगभग 50 मीटर दूर चट्टानों के पास फंसे हुए मिले।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**